किसी भी तरह के विज्ञापन एवं समाचार के लिए संपर्क करें मो0: 9891706853

दैनिक
समाज जागरण

राष्ट्रीय संस्करण

RNI: UPHIN/2021/84200

नोएडा उत्तर प्रदेश,दिल्ली एनसीआर, हरियाणा,पंजाब बिहार,मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ, झारखण्ड असम से प्रसारित

वर्षः 4 अंकः 262 नोएडा, (गौतमबुद्धनगर) बुधवार 01 जुलाई 2026 http://samajjagran.in पृष्ट - 12 मूल्य 05 रुपया

ट्रंप को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका

विदेशियों के बच्चों को मिलती रहेगी जन्मजात अमेरिकी नागरिकता

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को जन्मजात नागरिकता (बर्थराइट सिटीजनशिप) से जुड़े मामले में बड़ा झटका लगा है। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कर दिया है कि अमेरिका की धरती पर जन्म लेने वाले लगभग सभी बच्चों को जन्म से अमेरिकी नागरिकता मिलती रहेगी।
मंगलवार को अपने सत्र के अंतिम दिन सुनाए गए महत्वपूर्ण फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप के उस प्रयास को स्वीकार नहीं किया, जिसके तहत अमेरिका में जन्म लेने वाले विदेशी नागरिकों के बच्चों को स्वतः मिलने वाली नागरिकता समाप्त करने की पहल की गई थी।
अदालत के इस फैसले के बाद अमेरिका में लंबे समय से लागू जन्मजात नागरिकता का प्रावधान यथावत रहेगा।

शेयर बाजार में गिरावट: सेंसेक्स 250 अंक फिसला, निफ्टी 23,866 के नीचे बंद

समाज जागरण

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को उतार-चढ़ाव भरे कारोबार के बाद गिरावट के साथ बंद हुआ। वैश्विक संकेतों और आईटी व बैंकिंग शेयरों में बिकवाली के दबाव के चलते प्रमुख सूचकांकों में कमजोरी देखने को मिली। हालांकि मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में निवेशकों की खरीदारी जारी रही।

दिन के अंत में बीएसई सेंसेक्स 249.70 अंक (0.33 प्रतिशत) की गिरावट के साथ 76,478.67 पर बंद हुआ, जबकि एनएसई निफ्टी 80.50 अंक (0.34 प्रतिशत) फिसलकर 23,865.75 पर आ गया।

बाजार में लार्जकैप शेयरों पर दबाव रहा, जबकि मिडकैप और स्मॉलकैप कंपनियों में अच्छी खरीदारी देखने को मिली। निफ्टी मिडकैप-100 230.40 अंक (0.37 प्रतिशत) की बढ़त के साथ 61,797.70 पर और निफ्टी स्मॉलकैप-100 190 अंक (1.02 प्रतिशत) उछलकर 18,863.10 पर बंद हुआ।
सेक्टोरल इंडेक्स की बात करें तो निफ्टी इंडिया डिफेंस 1.37 प्रतिशत और निफ्टी रियल्टी 1.31 प्रतिशत की बढ़त के साथ सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाले सूचकांक रहे। इसके अलावा कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, फार्मा, मैन्युफैक्चरिंग, ऑटो, ऑयल एंड गैस तथा हेल्थकेयर सेक्टर भी हरे निशान में बंद हुए।
वहीं आईटी, मीडिया, पीएसयू बैंक, एफएमसीजी, प्राइवेट बैंक और सर्विसेज सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव देखने को मिला, जिससे बाजार की चाल कमजोर रही।
सेंसेक्स के प्रमुख बढ़त वाले शेयरों में मारुति सुजुकी, टाइटन, बजाज फाइनेंस, इटरनल, अदाणी पोर्ट्स, बजाज फिनसर्व, भारती एयरटेल, इंडिगो, ट्रेंट, एनटीपीसी और पावर ग्रिड शामिल रहे।
दूसरी ओर इन्फोसिस, टीसीएस, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, आईटीसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एसबीआई, एक्सिस बैंक, एशियन पेंट्स, आईसीआईसीआई बैंक, टाटा स्टील, महिंद्रा एंड महिंद्रा, कोटक महिंद्रा बैंक, एलएंडटी, सन फार्मा, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचडीएफसी बैंक और बीईएल के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए।

बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, आईटी और बैंकिंग शेयरों में मुनाफावसूली के कारण प्रमुख सूचकांकों पर दबाव बना रहा, जबकि रक्षा, रियल्टी और मिडकैप शेयरों में निवेशकों की मजबूत दिलचस्पी से व्यापक बाजार में मजबूती बनी रही।

खादी एवं ग्राम उद्योग आयोग अधिनियम में होगा बड़ा बदलाव

ग्रामीण रोजगार और उद्यमिता को मिलेगी नई रफ्तार

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती देने और खादी एवं ग्राम उद्योग क्षेत्र को आधुनिक बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए खादी एवं ग्राम उद्योग आयोग (केवीआईसी) अधिनियम, 1956 में संशोधन के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। सरकार का कहना है कि प्रस्तावित बदलावों से ग्रामीण उद्यमों की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी, रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे और खादी उत्पादों की घरेलू तथा वैश्विक बाजारों में पहुंच मजबूत होगी।

प्रस्तावित संशोधनों का उद्देश्य अधिनियम को वर्तमान आर्थिक एवं नीतिगत आवश्यकताओं के अनुरूप बनाना, संस्थागत ढांचे को सशक्त करना तथा समावेशी और सतत ग्रामीण विकास को बढ़ावा देना है। सरकार के अनुसार इससे ग्रामीण उद्यमों को औपचारिक अर्थव्यवस्था से जोड़ने में भी मदद मिलेगी।

ग्रामीण क्षेत्र की परिभाषा होगी अपडेट

संशोधन के तहत 'ग्रामीण क्षेत्र' की परिभाषा को विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) के अनुरूप संशोधित किया जाएगा। इससे राष्ट्रीय ग्रामीण विकास कार्यक्रमों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित होगा और अधिक क्षेत्रों तक योजनाओं का लाभ पहुंच सकेगा।

रामभक्तों पर लाठी-गोली चलाने वाले आज आस्था की वकालत कर रहे हैं: सीएम योगी

रामपुर में 700 करोड़ से अधिक की 102 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास, विपक्ष पर साधा निशाना

समाज जागरण

रामपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को रामपुर दौरे के दौरान समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि जो लोग पहले रामभक्तों पर लाठी-गोली चलवाते थे और कांवड़ यात्रा व धार्मिक आयोजनों पर रोक लगाते थे, वही आज राजनीतिक लाभ के लिए आस्था की वकालत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनता इन "कालनेमियों" के छल और दोहरे चरित्र को भली-भांति समझ चुकी है। मुख्यमंत्री ने मिलक और बिलासपुर विधानसभा क्षेत्रों में 700 करोड़ रुपये से अधिक लागत की 102 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के लाभार्थियों को लैपटॉप, युवा उद्यमियों को चेक तथा कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के लाभार्थियों को आर्थिक सहायता भी वितरित की।

रामभक्तों की ताकत से बदला विपक्ष का रवैया

मुख्यमंत्री ने कहा कि रामभक्तों की ताकत के कारण ही सपा और कांग्रेस को अपने पुराने रुख से पीछे हटना पड़ा है। उन्होंने कहा कि पहले जो दल प्रभु श्रीराम के अस्तित्व पर सवाल उठाते थे, आज वही अयोध्या जाने और "राम सबके हैं" कहने की बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रभु श्रीराम सब जानते हैं कि कौन सही है और कौन गलत।

तीर्थ स्थलों के विकास से विपक्ष परेशान

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अयोध्या, काशी विश्वनाथ धाम, मां विंध्यवासिनी धाम, मथुरा-वृंदावन, प्रयागराज और नैमिषारण्य जैसे धार्मिक स्थलों के भव्य विकास से विपक्ष असहज है। जब वे इन विकास कार्यों को रोक नहीं पाए तो अब जनता को भ्रमित करने का प्रयास कर रहे हैं।

सपा शासन पर लगाए गंभीर आरोप

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब थी। उन्होंने आरोप लगाया कि उस समय गरीबों और दलितों की जमीनों पर अवैध कब्जे होते थे तथा विकास कुछ परिवारों तक सीमित था। उन्होंने कहा कि आज डबल इंजन सरकार बिना भेदभाव के प्रदेश के सभी 75 जिलों में विकास कार्य करा रही है।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पहले सरकारी नौकरियों में भ्रष्टाचार और वसूली होती थी, जबकि वर्तमान सरकार पूरी पारदर्शिता के साथ युवाओं को रोजगार उपलब्ध करा रही है।

रामपुर में विकास को मिलेगी नई गति

मुख्यमंत्री ने कहा कि गोरखपुर-शामली आर्थिक कॉरिडोर रामपुर से होकर गुजरेगा, जिससे क्षेत्र में औद्योगिक और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

एमएसएमई, किसानों और गरीबों के लिए सरकार प्रतिबद्ध

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश की 96 लाख एमएसएमई इकाइयों को पांच लाख रुपये तक का सुरक्षा बीमा कवर दिया गया है। गरीबों को मुफ्त राशन, उज्ज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन और आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से स्वास्थ्य सुरक्षा का लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार "सबका साथ, सबका विकास" के सिद्धांत पर कार्य कर रही है और तुष्टिकरण नहीं, बल्कि संतुष्टिकरण की नीति पर विश्वास करती है।

उन्होंने बिलासपुर स्थित रुद्रविलास चीनी मिल के पुनरुद्धार और विस्तार का भी भरोसा दिलाया और कहा कि सर्वे रिपोर्ट मिलते ही आवश्यक धनराशि जारी की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेश प्रस्तावों के कारण प्रदेश में उद्योगों का विस्तार हुआ है और रामपुर सहित आसपास के क्षेत्रों के युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिल रहे हैं। कार्यक्रम में प्रदेश सरकार के कई मंत्री, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

साक्ष्य आधारित शिक्षा सुधारों पर यूपी सरकार का जोर

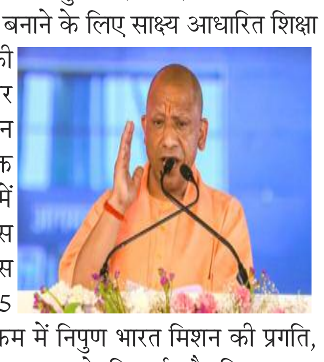

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने बुनियादी शिक्षा को अधिक गुणवत्तापूर्ण और परिणामोन्मुख बनाने के लिए साक्ष्य आधारित शिक्षा सुधारों की दिशा में नई पहल की है। बेसिक शिक्षा विभाग और लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन (एलएलएफ) के संयुक्त तत्वावधान में लखनऊ में आयोजित 'पॉलिसी टू प्रैक्टिस डायलॉग' कार्यक्रम में टीएलपीएस उत्तर प्रदेश राज्य रिपोर्ट-2025 का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में निपुण भारत मिशन की प्रगति, कक्षा-कक्ष में शिक्षण की गुणवत्ता, परख के निष्कर्ष और निपुण उत्तर प्रदेश 2.0 की रणनीति पर चर्चा हुई। इसमें शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों, शिक्षकों और शिक्षा विशेषज्ञों ने भाग लिया।

यीडा में मदर्सन इंटरनेशनल का 1,156 करोड़ का बड़ा निवेश

8 कंपनियों को मिले लेटर ऑफ इंटेंट, कुल 3,181 करोड़ के निवेश से 18 हजार से अधिक रोजगार सृजित होंगे

समाज जागरण

नोएडा (संदीप गर्ग)। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) ने औद्योगिक विकास को नई गति देते हुए आठ निवेशकों को औद्योगिक भूमि आवंटन के लिए लेटर ऑफ इंटेंट (एलओआई) सौंप दिए। इन परियोजनाओं के माध्यम से 3,181.20 करोड़ के निवेश का मार्ग प्रशस्त हुआ है, जिससे करीब 18,126 प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे।
इन सभी निवेश प्रस्तावों में सबसे बड़ा निवेश समवर्धना मदर्सन इंटरनेशनल लिमिटेड का है। कंपनी को यीडा के सेक्टर-8डी में 50 एकड़ भूमि आवंटित की गई है। यहां कंपनी 1,156 करोड़ के निवेश से अत्याधुनिक ऑटोमोटिव कंपोनेंट्स निर्माण इकाई स्थापित करेगी। इस परियोजना से अकेले लगभग 8,000 प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होंगे। यह निवेश यमुना प्राधिकरण क्षेत्र को देश के प्रमुख ऑटोमोबाइल एवं ऑटो कंपोनेंट निर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

यीडा मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य कार्यपालक अधिकारी राकेश कुमार सिंह ने निवेशकों को एलओआई प्रदान किए। इस अवसर पर अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी एवं निवेश प्रकोष्ठ के नोडल अधिकारी शैलेन्द्र कुमार भाटिया सहित प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारी और निवेशक मौजूद रहे।
मदर्सन इंटरनेशनल के अलावा बालार मार्केटिंग प्राइवेट लिमिटेड, त्रिवेणी अलमीरा प्राइवेट लिमिटेड, आनंदिता हेल्थकेयर, क्रिस्पी सिटी फूड्स प्राइवेट लिमिटेड, ए.जी. ऑर्गेनिका प्राइवेट लिमिटेड, इनोवेक्स प्रोडक्ट्स एलएलपी तथा अपार इंफ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड को भी विभिन्न औद्योगिक परियोजनाओं के लिए एलओआई प्रदान किए गए। ये इकाइयां इलेक्ट्रॉनिक्स, स्मार्ट इलेक्ट्रिकल मैन्युफैक्चरिंग, स्टील फर्नीचर, हेल्थकेयर, खाद्य प्रसंस्करण, कॉस्मेटिक्स, प्रिंटेड सर्किट बोर्ड (पीसीबी) और इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स निर्माण जैसे क्षेत्रों में स्थापित होंगी।
मुख्य कार्यपालक अधिकारी राकेश कुमार सिंह ने कहा कि यमुना प्राधिकरण निवेशकों को पारदर्शी, त्वरित और उद्योग-अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि इन निवेशों से औद्योगिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी, स्थानीय युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे और उत्तर प्रदेश को देश के अग्रणी विनिर्माण एवं निवेश केंद्र के रूप में स्थापित करने में मदद मिलेगी।

बरौला में बहुमंजिला निर्माण पर उठे सवाल, संकरी गली में सुरक्षा मानकों को लेकर स्थानीय लोगों ने जताई चिंता

समाज जागरण

नोएडा। सेक्टर-49 थाना क्षेत्र के बरौला गांव में एक बहुमंजिला भवन के निर्माण को लेकर स्थानीय लोगों ने सुरक्षा मानकों पर गंभीर सवाल उठाए हैं। लोगों का दावा है कि करीब 15 वर्ष पहले बने इस भवन पर अब अतिरिक्त मंजिलों का निर्माण किया जा रहा है, जबकि भवन तक पहुंचने वाला मुख्य रास्ता मात्र लगभग 7 फुट चौड़ा है।
स्थानीय लोगों के अनुसार, भवन के पीछे की गली भी बंद है और उसकी चौड़ाई लगभग 9 से 10 फुट है। ऐसे में किसी भी आपातकालीन स्थिति, विशेषकर आग लगने की घटना होने पर दमकल वाहन या अन्य राहत एवं बचाव दल का भवन तक पहुंचना बेहद कठिन होगा।
निवासियों का यह भी कहना है कि पहले प्राधिकरण ने इसी निर्माण पर आपत्ति जताते हुए कार्य रुकवाया था, लेकिन अब दोबारा निर्माण कार्य जारी है। उनका कहना है कि भवन की मूल संरचना करीब 15 वर्ष पुरानी है, इसलिए उस पर अतिरिक्त मंजिलों का निर्माण किए जाने से उसकी मजबूती और सुरक्षा की भी जांच आवश्यक है।

स्थानीय लोगों ने नोएडा प्राधिकरण से मांग की है कि भवन निर्माण की अनुमति, नक्शे की स्वीकृति, संरचनात्मक सुरक्षा और अग्नि सुरक्षा मानकों की जांच कराई जाए। उनका कहना है कि यदि भविष्य में कोई दुर्घटना होती है तो इसकी जिम्मेदारी किसकी होगी, यह भी स्पष्ट किया जाना चाहिए।
बताते चले की यह मामला सिर्फ बरौला की नहीं बल्कि नॉएडा के सभी गाँव की यही हालत है, जहाँ पुरानी बनी मकान के उप्पर ही कई कई मंजिल बढ़ाये जा रहे है.
जाहिर सी बात है की इसमें कोई भी मकान मालिक नहीं रहते है सिर्फ किराया कमाने के लिए इस कार्य को किया जाता है. जो इस मकान मे रहने वाले माध्यम एवं गरीब परिवार के लोगो के सुरक्षा के साथ खिलवाड़ है.
हालांकि, इस संबंध में समाचार लिखे जाने तक नोएडा प्राधिकरण का आधिकारिक पक्ष प्राप्त नहीं हो सका था। प्राधिकरण का पक्ष मिलने पर उसे भी प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।

जीवन के महान लक्ष्य एक दिन में नहीं निरंतर पवित्र श्रम और साधना से प्राप्त होते हैं।

चरित्र ही मनुष्य की सबसे बड़ी पूँजी है धन और पद तो क्षणिक हैं। मनुष्य के जीवन में निराशा से बड़ा कोई शत्रु नहीं होता। निराशा केवल उत्साह को समाप्त नहीं करती, बल्कि व्यक्ति की सृजनशीलता, आत्मविश्वास और संघर्ष करने की क्षमता को भी कुंठित कर देती है। इसके विपरीत आशा, संयम, अनुशासन और सतत परिश्रम ऐसे अमोघ अस्त्र हैं, जिनके बल पर साधारण व्यक्ति भी असाधारण उपलब्धियाँ अर्जित कर सकता है। इतिहास इस बात का साक्षी है कि कोई भी महान सफलता रातों-रात प्राप्त नहीं हुई। प्रत्येक उपलब्धि के पीछे वर्षों का तप, त्याग, अनुशासन, संघर्ष और अटूट धैर्य छिपा होता है।

स्वामी विवेकानंद का प्रसिद्ध आह्वान है उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए।।यह केवल प्रेरणा हेतु वाक्य नहीं, बल्कि जीवन की सच्चाई के दर्शन है। सफलता का रास्ता कभी सरल नहीं होता। कठिनाइयाँ, असफलताएँ और विपरीत परिस्थितियाँ उसी प्रकार आवश्यक हैं जैसे सोने को कुंदन बनाने के लिए अग्नि आवश्यक होती है।

आज समाज जिन लोगों को महान, विलक्षण अथवा सेलिब्रिटी के रूप में देखता है, उनके जीवन का गहन अध्ययन करने पर स्पष्ट होता है कि उनकी सफलता का मूल आधार प्रतिभा से अधिक अनुशासन, निरंतर अभ्यास और मानसिक दृढ़ता रही है। प्रतिभा अवसर देती है, किंतु चरित्र और परिश्रम ही सफलता को स्थायी बनाते हैं। क्या केवल सफलता ही जीवन का अंतिम लक्ष्य है? यदि सफलता मानवीय मूल्यों, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व की कीमत पर प्राप्त की जाए, तो क्या वह वास्तव में सफलता कहलाने योग्य है? ।महात्मा गांधी ने कहा था कि साधनों की पवित्रता के बिना साध्य भी पवित्र नहीं हो सकता।" यह विचार आज पहले से अधिक प्रासंगिक है। आज का युग त्वरित सफलता, उपभोक्तावाद और प्रतिस्पर्धा का युग है। ऐसे समय में अनेक लोग धन, प्रसिद्धि और पद प्राप्त करने के लिए सत्य, ईमानदारी और नैतिकता से समझौता करने में संकोच नहीं करते। क्षणिक सफलता अवश्य मिल जाती है, परंतु इतिहास ऐसे लोगों को सम्मान नहीं देता।

मानव जीवन की आकांक्षाएँ स्वाभाविक हैं। प्रत्येक व्यक्ति सम्मान, प्रतिष्ठा, आर्थिक समृद्धि और सामाजिक पहचान चाहता है। अब्राहम मैस्लो ने भी अपनी आवश्यकता-सोपान में आत्मसम्मान और आत्मसिद्धि को मानव की उच्चतम आवश्यकताओं में स्थान दिया है। किंतु इन आकांक्षाओं की पूर्ति तभी सार्थक है जब वे मानवीय मूल्यों और सामाजिक उत्तरदायित्व से जुड़ी हों।

विज्ञान इसका उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करता है। वही विज्ञान जिसने मानव जीवन को आधुनिक चिकित्सा, संचार, अंतरिक्ष विज्ञान और तकनीकी प्रगति दी, वही विज्ञान यदि विनाशकारी जैविक, रासायनिक और परमाणु हथियारों के निर्माण में प्रयुक्त हो जाए तो संपूर्ण मानवता संकट में पड़ जाती है। इसलिए ज्ञान से अधिक महत्वपूर्ण उसका उद्देश्य होता है।

डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम कहा करते थे महान सपने देखने वालों के महान सपने हमेशा पूरे होते हैं। किंतु उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सपनों का उद्देश्य केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण होना चाहिए।

भारतीय संस्कृति का मूल स्वर ही मूल्य-आधारित जीवन रहा है। यहाँ सत्य, अहिंसा, करुणा, सेवा, दया, सहिष्णुता और विश्वबंधुत्व को जीवन का सर्वोच्च आदर्श माना गया। संत कबीर ने बाहरी आडंबरों की अपेक्षा आंतरिक पवित्रता को महत्व दिया। संत रैदास ने समता का संदेश दिया। संत ज्ञानेश्वर, संत तुकाराम, ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती, हजरत निजामुद्दीन औलिया, अब्दुर्रहीम खान-ए-खाना और अमीर खुसरो ने प्रेम और मानवता को धर्म से ऊपर रखा। रवीन्द्रनाथ ठाकुर ने स्वतंत्र चेतना और मानवीय गरिमा का संदेश दिया, जबकि नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने राष्ट्र के लिए सर्वस्व समर्पित कर दिया।

इन महापुरुषों ने सिद्ध किया कि सफलता केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि समाज के लिए उपयोगी बनना है।

आज का समाज एक गंभीर नैतिक संकट से भी गुजर रहा है। राजनीति में सिद्धांतों की जगह अवसरवाद, प्रशासन में सेवा की जगह सत्ता का आकर्षण, शिक्षा में संस्कारों की जगह केवल रोजगार और व्यापार में सामाजिक उत्तरदायित्व की जगह अधिकतम लाभ का दृष्टिकोण बढ़ता दिखाई देता है। परिणामस्वरूप भ्रष्टाचार, हिंसा, अविश्वास और सामाजिक विघटन जैसी समस्याएँ गहराती जा रही हैं।

नेल्सन मंडेला ने कहा था– "शिक्षा दुनिया का सबसे शक्तिशाली हथियार है, जिससे दुनिया बदली जा सकती है।" किंतु शिक्षा तभी सार्थक है जब वह चरित्र का निर्माण करे। केवल डिग्री, पद और वेतन मनुष्य को महान नहीं बनाते; महान बनाता है उसका आचरण। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का कथन हैशिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान देना नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण भी करता है।

किसी भी राष्ट्र की शक्ति केवल उसकी अर्थव्यवस्था, सेना या तकनीक में नहीं होती; उसकी सबसे बड़ी शक्ति उसके नागरिकों का चरित्र, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व होता है। जब शासक वर्ग सिद्धांतनिष्ठ होता है और नागरिक अपने अधिकारों के साथ कर्तव्यों का भी पालन करते हैं, तभी राष्ट्र दीर्घकाल तक समृद्ध और स्वतंत्र बना रहता है। वर्तमान समय में हमें सफलता की परिभाषा बदलने की आवश्यकता है। सफलता केवल ऊँचे पद, अपार धन या प्रसिद्धि का नाम नहीं है। सफलता वह है जिससे व्यक्ति स्वयं भी ऊँचा उठे और समाज भी ऊँचा उठे। जो उपलब्धि मानवता को लाभ पहुँचाए, वही सच्ची उपलब्धि है। जो चरित्र को मजबूत करे, वही वास्तविक प्रगति है।

हमे यह स्मरण रखना होगा कि धन समाप्त हो सकता है, पद छिन सकता है, प्रसिद्धि धूमिल हो सकती है, किंतु चरित्र और मानवीय मूल्य अमर रहते हैं। इतिहास उन्हीं लोगों को याद रखता है जिन्होंने संघर्ष को अपनाया, निराशा को हराया, सिद्धांतों से समझौता नहीं किया और अपने जीवन को समाज तथा मानवता के कल्याण के लिए समर्पित कर दिया। आज जरूरत इस बात की है कि हम अपने बच्चों और युवाओं को केवल सफल बनने की शिक्षा न दें, बल्कि उन्हें मूल्यवान बनने की प्रेरणा दें। क्योंकि सफल व्यक्ति समाज में स्थान बनाता है, जबकि मूल्यवान व्यक्ति इतिहास में स्थान बनाता है।

संजीव ठाकुर, वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, लेखक, स्तम्भकार,रायपुर

पश्चिम बंगाल में बदलाव का दौर

महेन्द्र तिवारी

पश्चिम बंगाल की राजनीति और वहां की प्रशासनिक व्यवस्था में हाल ही में एक ऐसा निर्णायक मोड़ आया है जो राज्य के भविष्य की दिशा तय करेगा। राज्य की विधानसभा ने एक ही दिन में कई ऐसे ऐतिहासिक और दूरगामी प्रभाव वाले विधेयकों को पारित किया है जिनका सीधा असर समाज के हर वर्ग पर पड़ना तय है। इन निर्णयों ने न केवल कानूनी ढांचे को बदला है बल्कि यह भी स्पष्ट कर दिया है कि सत्ताधारी दल आने वाले समय में सामाजिक न्याय, सार्वजनिक सुरक्षा और पारिवारिक कानूनों के मोर्चे पर बेहद कड़े और सुधारात्मक कदम उठाने के लिए पूरी तरह से तैयार है। इस विधायी प्रक्रिया में सबसे अधिक ध्यान अन्य पिछड़ा वर्ग के आरक्षण में किए गए आमूल-चूल बदलावों, सार्वजनिक संपत्ति और नागरिकों की सुरक्षा के लिए लाए गए अत्यंत कठोर कानून और समान नागरिक संहिता को लागू करने की दिशा में उठाए गए शुरूआती कदमों ने आकर्षित किया है। इन फैसलों ने स्पष्ट कर दिया है कि पुरानी व्यवस्थाओं को सुधारने और न्यायिक आदेशों का पालन करने के लिए सरकार किसी भी बड़े बदलाव से पीछे नहीं हटने वाली है।

आरक्षण की राजनीति और नीतियों के संदर्भ में राज्य सरकार का फैसला सबसे अधिक चर्चा का विषय बना हुआ है। विधानसभा में पारित किए गए दो संशोधन विधेयकों के माध्यम से राज्य की आरक्षण प्रणाली को पूरी तरह से नया रूप दे दिया गया है। नई व्यवस्था के अंतर्गत अब राज्य में केवल 66 विशेष समुदायों को ही अन्य पिछड़ा वर्ग के आरक्षण का लाभ प्राप्त होगा। इन चयनित समुदायों के लिए राज्य की नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में 7 प्रतिशत का आरक्षण कोटा तय किया गया है। गौरतलब है कि इससे पहले राज्य में यह आरक्षण सीमा 17 प्रतिशत तक निर्धारित थी जिसे अब घटाकर नया स्वरूप दिया गया है। इस पूरी प्रक्रिया में सबसे बड़ा कदम यह रहा है कि उन 113 समुदायों को आरक्षण की सूची से पूरी तरह बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है जिन्हें पहले बिना किसी ठोस वैज्ञानिक और सामाजिक अध्ययन के इस सूची में शामिल कर लिया गया था। सरकार ने यह स्पष्ट किया है कि यह कदम किसी भी प्रकार की राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित नहीं है बल्कि यह न्यायपालिका के आदेशों का पूरी तरह से पालन करने की एक अनिवार्य प्रक्रिया है।

इस व्यापक बदलाव की जड़ें मई 2024 में कलकत्ता उच्च न्यायालय द्वारा दिए गए एक बेहद महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक फैसले में खोजी जा सकती हैं। न्यायालय ने अपने विस्तृत निर्णय में उन तमाम समुदायों के अन्य पिछड़ा वर्ग के दर्जे को तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया था जिन्हें साल 2010 से लेकर साल 2012 के मध्य इस सूची में जोड़ा गया था। न्यायालय का स्पष्ट मानना था कि किसी भी समुदाय को केवल राजनीतिक या प्रशासनिक आदेश के आधार पर पिछड़ा घोषित नहीं किया जा सकता है। इसके लिए उस समुदाय की सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक स्थिति का जमीनी स्तर पर व्यापक और वैज्ञानिक सर्वेक्षण होना नितांत आवश्यक है। न्यायालय ने यह भी रेखांकित किया था कि बिना उचित प्रक्रिया का पालन किए सूची में समुदायों को जोड़ना संविधान की मूल भावना और समानता के अधिकार का सीधा उल्लंघन है। हालांकि न्यायालय ने उन लोगों को राहत दी थी जो पहले ही इस कोटे के तहत सरकारी नौकरियां प्राप्त कर चुके थे ताकि राज्य के प्रशासनिक कामकाज में कोई अचानक बाधा उत्पन्न न हो।

न्यायालय के इसी आदेश के बाद राज्य सरकार ने नए कानून के जरिए पिछड़ा वर्ग आयोग को अभूतपूर्व शक्तियां प्रदान की हैं। अब यदि कोई भी समुदाय खुद को सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़ा हुआ मानता है तो उसे सीधे आयोग के समक्ष अपना दावा प्रस्तुत करना होगा। इसके बाद यह आयोग उस समुदाय की वर्तमान सामाजिक स्थिति, शिक्षा के स्तर, आर्थिक पिछड़ेपन और अन्य प्रासंगिक पहलुओं का बहुत ही गहराई से अध्ययन करेगा। केवल उसी स्थिति में जब आयोग पूरी तरह से संतुष्ट हो जाएगा तब वह अपनी सकारात्मक सिफारिश राज्य सरकार को भेजेगा। इस नई प्रक्रिया को इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि इससे भविष्य में किसी भी समुदाय को गलत तरीके से सूची में शामिल करने या बाहर रखने की शिकायतों का निवारण पूरी तरह से पारदर्शी और संस्थागत तरीके से हो सकेगा। इसके साथ ही नए कानून में यह भी सुनिश्चित किया गया है कि राज्य में सभी प्रकार का कुल आरक्षण किसी भी परिस्थिति में 50 प्रतिशत की अधिकतम सीमा को पार नहीं करेगा। यह प्रावधान सीधे तौर पर देश के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा समय समय पर दिए गए दिशा निदेर्शों के अनुरूप है।

आरक्षण के मोर्चे पर उठाए गए इन कदमों के साथ ही विधानसभा ने सार्वजनिक सुरक्षा को लेकर एक ऐसा कानून पारित किया है जिसने राज्य के राजनीतिक माहौल में खासी गर्मी पैदा कर दी है। इस नए और सख्त कानून का मुख्य उद्देश्य राज्य के भीतर संगठित अपराधों, हिंसक गतिविधियों, दंगों और सार्वजनिक संपत्तियों को जानबूझकर नुकसान पहुंचाने वाले असामाजिक तत्वों पर नकेल कसना है। इस कानून के तहत राज्य की पुलिस और प्रशासन को असाधारण शक्तियां सौंपी गई हैं। सबसे विवादास्पद और चर्चा का विषय बना प्रावधान यह है कि विशेष और गंभीर परिस्थितियों में पुलिस किसी भी संदिग्ध व्यक्ति को बिना मुकदमा चलाए 12 महीने तक निवारक निरोध के तहत हिरासत में रख सकती है। इसके अतिरिक्त यदि कोई व्यक्ति या समूह किसी भी हिंसक प्रदर्शन या दंगे के दौरान सरकारी अथवा निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचाता है तो उस नुकसान की पूरी भरपाई और क्षतिपूर्ति उसी व्यक्ति से वसूलने का कड़ा प्रावधान भी इस कानून में जोड़ा गया है।

सरकार की ओर से यह तर्क दिया जा रहा है कि आम जनता में सुरक्षा की भावना पैदा करने और राज्य की कानून व्यवस्था को सुचारु रूप से चलाने के लिए ऐसे कठोर प्रावधान समय की सबसे बड़ी मांग थे। गंभीर अपराधों को संज्ञेय और गैर-जमानती श्रेणी में डालकर पुलिस को तत्काल कार्रवाई करने, तलाशी लेने और जब्ती करने के व्यापक अधिकार दिए गए हैं। वहीं विपक्षी दलों और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने इस कानून के संभावित दुरुपयोग को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की है। उनका तर्क है कि 12 महीने तक बिना मुकदमे के जेल में रखने का अधिकार किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए एक खतरनाक संकेत हो सकता है और इसका इस्तेमाल राजनीतिक विरोधियों की आवाज को दबाने के लिए किया जा सकता है। यह देखना दिलचस्प होगा कि न्यायालयों में इस कानून को किस प्रकार की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

इन दो बड़े फैसलों के बीच राज्य सरकार ने समान नागरिक संहिता को लागू करने की दिशा में भी अपना पहला बड़ा और औपचारिक कदम उठा लिया है। मुख्यमंत्री ने विधानसभा के पटल पर यह महत्वपूर्ण घोषणा की कि इस जटिल और संवेदनशील विषय पर विचार करने के लिए सर्वोच्च न्यायालय की पूर्व न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समिति का गठन कर दिया गया है। इस विशेष समिति को केवल 4 सप्ताह का समय दिया गया है ताकि वह अपनी विस्तृत रिपोर्ट और सिफारिशें राज्य सरकार को सौंप सके। इस प्रस्तावित संहिता का मुख्य उद्देश्य राज्य के सभी नागरिकों के लिए विवाह, तलाक, संपत्ति के उत्तराधिकार, बच्चों को गोद लेने और भरण पोषण जैसे पारिवारिक मामलों में एक समान कानूनी ढांचा तैयार करना है जो किसी भी धर्म या आस्था से परे हो।

यह विषय पूरे देश में लंबे समय से एक गहन राजनीतिक और सामाजिक बहस का केंद्र रहा है। हालांकि संविधान के नीति निर्देशक तत्वों में इसका स्पष्ट उल्लेख है लेकिन इसकी जटिलताओं के कारण इसे लागू करना हमेशा से एक चुनौतीपूर्ण कार्य रहा है। राज्य सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि इस समान कानून को बनाते समय आदिवासी और अन्य मान्यता प्राप्त स्वदेशी समुदायों की प्राचीन परंपराओं और उनके विशेष अधिकारों को पूरी तरह से संरक्षित रखा जाएगा और उन्हें आवश्यक छूट प्रदान की जाएगी। यदि यह समिति 4 सप्ताह के भीतर अपनी रिपोर्ट देती है और इसके आधार पर विधानसभा में विधेयक पारित हो जाता है तो यह राज्य के सामाजिक ढांचे में अब तक का सबसे बड़ा परिवर्तन होगा।

निष्कर्ष के तौर पर यह कहा जा सकता है कि विधानसभा का यह सत्र कई मायनों में राज्य के इतिहास में एक मील का पत्थर साबित होगा। एक तरफ जहां आरक्षण की नई नीति से सामाजिक न्याय की दिशा में पारदर्शिता आएगी और न्यायिक विवादों का अंत होगा वहीं दूसरी तरफ सार्वजनिक सुरक्षा कानून से अपराध नियंत्रण में मदद मिलेगी। इसके अलावा पारिवारिक कानूनों में एकरूपता लाने का प्रयास समाज को आधुनिक और समानता आधारित दिशा में ले जाएगा। आने वाले समय में इन तीनों महत्वपूर्ण कानूनों का जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन और इनका व्यापक सामाजिक प्रभाव इस बात की परीक्षा लेगा कि राज्य सरकार अपने सुधारात्मक उद्देश्यों में किस हद तक सफल हो पाती है। देश भर के राजनीतिक विश्लेषकों की नजर अब इसी बात पर टिकी है कि ये बदलाव राज्य की राजनीति को किस नई दिशा में लेकर जाते हैं।

प्लास्टिक सुविधा है, लेकिन अमूल्य जीवन से ज्यादा महत्वपूर्ण नहीं

प्रकृति और समस्त जीव-जगत एक-दूसरे के पूरक हैं। मानव ने अपनी बुद्धिमत्ता, शोध और तकनीकी विकास के बल पर जीवन को अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए अनेक उपयोगी वस्तुओं का निर्माण किया। इन आविष्कारों ने जीवन को आसान तो बनाया, लेकिन बढ़ती भौतिक इच्छाओं और स्वार्थ ने मानव को प्रकृति का अंधाधुंध दोहन करने के लिए भी प्रेरित किया। परिणामस्वरूप जिन साधनों को सुविधा का माध्यम समझा गया था, वही आज मानव और पर्यावरण के लिए गंभीर संकट बन चुके हैं। प्लास्टिक इसका सबसे बड़ा उदाहरण हैं। आज स्थिति इतनी चिंताजनक हो चुकी है कि हमें मरने के लिए किसी हथियार की आवश्यकता नहीं रह गई हैं। हमारे द्वारा फैलाया गया प्रदूषण, मिलावट, प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन और प्लास्टिक का अनियंत्रित उपयोग ही अनेक गंभीर बीमारियों द्वारा अकाल मृत्यु दे रहा हैं। प्लास्टिक ने केवल पर्यावरण को ही नहीं, बल्कि मानव स्वास्थ्य को भी गहराई से प्रभावित किया हैं।

प्लास्टिक की सबसे बड़ी समस्या यह है कि यह प्राकृतिक रूप से बहुत लंबे समय तक नष्ट नहीं होता। एक बार उपयोग के बाद यह सैकड़ों नहीं बल्कि लगभग हजार वर्षों तक पर्यावरण में बना रह सकता हैं। समय के साथ यह टूटकर माइक्रोप्लास्टिक और नैनोप्लास्टिक में बदल जाता है, जो मिट्टी, जल और वायु के माध्यम से पूरी खाद्य श्रृंखला में प्रवेश कर जाते हैं। वैज्ञानिक अध्ययनों में मानव के मस्तिष्क, रक्त, फेफड़ों, गर्भस्थ शिशु तथा विभिन्न जीवों के शरीर में भी प्लास्टिक के सूक्ष्म कण मिलने की पुष्टि हुई हैं। यह स्थिति भविष्य के लिए अत्यंत गंभीर चेतावनी हैं। हम प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रतिदिन प्लास्टिक के सूक्ष्म कण भोजन और पानी के साथ शरीर में पहुँचा रहे हैं। प्लास्टिक का कचरा पचाया नहीं जा सकता। पशु-पक्षी अक्सर प्लास्टिक की थैलियाँ और अन्य प्लास्टिक सामग्री निगल लेते हैं, जिससे उनकी मृत्यु तक हो जाती हैं। नदियाँ, समुद्र और जंगल भी प्लास्टिक प्रदूषण से लगातार प्रभावित हो रहे हैं। प्लास्टिक जलाने पर निकलने वाली विषैली गैसें वायु प्रदूषण बढ़ाती है, जबकि भूमि में पड़े प्लास्टिक से निकलने वाली गैसें जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता के लिए खतरा बनती हैं।

प्लास्टिक में मौजूद रासायनिक तत्व हार्मोन असंतुलन, प्रजनन संबंधी समस्याएँ, हृदय रोग, थायरॉइड विकार, मधुमेह, श्वसन रोग तथा कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का जोखिम बढ़ाते हैं। प्लास्टिक उद्योग में कार्य करने वाले लोगों में फेफड़ों की बीमारियों की संभावना भी अधिक पाई गई हैं। इसलिए प्लास्टिक प्रदूषण अब केवल पर्यावरणीय समस्या नहीं, बल्कि वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट का रूप ले चुका हैं। प्रत्येक वर्ष 3 जुलाई को पूरी दुनिया में "अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस" मनाया जाता हैं। इस दिवस का उद्देश्य लोगों को एकल-उपयोग प्लास्टिक बैग के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा पर्यावरण-अनुकूल विकल्पों को अपनाने के लिए प्रेरित करना हैं। यह केवल एक प्रतीकात्मक दिवस नहीं, बल्कि पृथ्वी, पर्यावरण और आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित रखने का वैश्विक अभियान हैं। यदि आज प्लास्टिक पर हमारी निर्भरता कम नहीं हुई, तो भविष्य में इसके दुष्परिणाम और भी भयावह हो सकते हैं।

भारत में हर वर्ष लगभग 5.5 मिलियन टन सिंगल-यूज प्लास्टिक कचरा उत्पन्न होता हैं। औसतन एक भारतीय नागरिक वर्षभर में लगभग 11 किलोग्राम प्लास्टिक का उपयोग करता है, जिसमें कैरी बैग, पैकेजिंग सामग्री तथा अन्य दैनिक उपयोग की वस्तुएँ शामिल हैं। इनमें से लगभग 4 किलोग्राम केवल सिंगल-यूज प्लास्टिक का होता हैं। देश में उत्पन्न होने वाले लगभग 9.3 मिलियन टन प्लास्टिक कचरे में 43 प्रतिशत से अधिक हिस्सा सिंगल-यूज प्लास्टिक का हैं। चिंताजनक बात यह है कि लगभग 19 प्रतिशत प्लास्टिक कचरा एकत्र ही नहीं हो पाता और वह खुले वातावरण में

फैलकर मिट्टी, जलस्त्रोतों और जीव-जंतुओं को नुकसान पहुँचाता हैं। चीन और अमेरिका के बाद भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा सिंगल-यूज प्लास्टिक कचरा उत्पादक देश हैं। यद्यपि केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा कई नियम लागू किए गए हैं, फिर भी अनेक स्थानों पर प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग आज भी जारी हैं। महाराष्ट्र दक्षिण एशिया में सर्वाधिक म्युनिसिपल ठोस कचरा उत्पन्न करने वाला राज्य बन चुका हैं। वहीं, समुद्री तटों और पर्यटन स्थलों के लिए प्रसिद्ध केरल में भी प्रतिवर्ष 1,30,000 टन से अधिक प्लास्टिक कचरा उत्पन्न होता है, जिसमें से केवल लगभग 3 प्रतिशत का ही पुनर्चक्रण हो पाता हैं।

हमारे देश की सबसे बड़ी समस्याओं में से एक है पर्यावरण के प्रति बढ़ती लापरवाही और बेफिक्री। बहुत कम लोग किसी विषय की पूरी जानकारी प्राप्त करने का प्रयास करते है, जबकि अधिकांश लोग बिना सोचे-समझे दूसरों का अनुसरण करते रहते हैं। जब व्यक्तिगत सुविधा को सामाजिक और पर्यावरणीय हित से अधिक महत्व दिया जाता है, तब उसके दुष्परिणाम पूरे समाज और आने वाली पीढ़ियों को भुगतने पड़ते है, प्लास्टिक प्रदूषण इसका सबसे बड़ा उदाहरण हैं। आज भी प्रतिबंध लागू होने के बावजूद बाजारों में प्लास्टिक की थैलियों का खुलेआम उपयोग किया जा रहा हैं। कई बार दुकानदार मना करते हैं, फिर भी ग्राहक स्वयं प्लास्टिक बैग की मांग करते हैं। यही स्थिति अन्य प्रतिबंधित प्लास्टिक वस्तुओं की भी हैं। यह केवल नियमों की अनदेखी नहीं, बल्कि पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य के प्रति हमारी गैर-जिम्मेदार सोच को भी दशार्ती हैं। इसी प्रकार सड़क किनारे कचरा फेंकने की आदत भी धीरे-धीरे बड़े कूड़े के ढेर में बदल जाती हैं। जब किसी को ऐसा करने से रोका जाता है, तो कई बार विवाद की स्थिति तक उत्पन्न हो जाती हैं।

पहले गंभीर बीमारियाँ मुख्यतः नशे या गलत जीवनशैली के कारण होती थीं, लेकिन अब प्रदूषण और पर्यावरणीय लापरवाही के कारण छोटे बच्चे, स्वस्थ व्यक्ति और नशामुक्त लोग भी गंभीर रोगों का शिकार बन रहे हैं। दुधारू पशु प्लास्टिक की थैलियाँ निगल लेते हैं, समुद्री जीव प्लास्टिक कचरे में फँस जाते हैं और पक्षी भी प्लास्टिक को भोजन समझकर खा लेते हैं। इसके बाद इन्हीं पशुओं का दूध, मांस या अन्य उत्पाद मानव के भोजन का हिस्सा बनते है, जिससे प्लास्टिक के सूक्ष्म कण हमारी खाद्य श्रृंखला में प्रवेश कर जाते हैं। आज बाजार में लगभग हर प्रकार के प्लास्टिक के बर्तन उपलब्ध हैं। विशेष रूप से गर्म भोजन और गर्म पेय पदार्थों के लिए प्लास्टिक का उपयोग स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक माना जाता है, क्योंकि प्लास्टिक में मौजूद हानिकारक रसायन भोजन में मिल सकते हैं। यही कारण है कि कैंसर सहित अनेक गंभीर रोगों के मामलों में लगातार वृद्धि चिंता का विषय बनती जा रही है, आज देश में हर गली-मोहल्ले, रिश्तेदारों, पहचान में कैंसर के रोगी देखने मिल रहे हैं।

यदि हमें अपने देश, समाज और पर्यावरण को सुरक्षित बनाना है, तो परिवर्तन की शुरूआत स्वयं से करनी होगी। पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार या किसी संस्था की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक कर्तव्य हैं। कपड़े या जूट के थैलों का उपयोग करना, एकल-उपयोग प्लास्टिक से बचना, कचरे का सही निपटान करना और पर्यावरण संबंधी कानूनों का पालन करना हमारी दैनिक आदत का हिस्सा बनना चाहिए। प्रकृति हमें शुद्ध वायु, स्वच्छ जल और जीवन के लिए आवश्यक सभी संसाधन निःशुल्क प्रदान करती हैं। इसलिए उनका संरक्षण करना भी हमारा दायित्व हैं। यदि आज हम जागरूक नहीं हुए, तो आने वाली पीढ़ियों को इसका भारी मूल्य चुकाना पड़ेगा। प्लास्टिक केवल सुविधा का साधन है, लेकिन मानव जीवन और पर्यावरण उससे कहीं अधिक मूल्यवान हैं। जीवन एक बार मिलता है, मोल समझें। प्रदूषण द्वारा अपने साथ दूसरों की भी जिंदगी के लिए खतरा पैदा करना अनुचित है, संगीन अपराध हैं। इसलिए आइए, अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस के अवसर पर हम सभी यह संकल्प लें कि प्लास्टिक पर अपनी निर्भरता कम करेंगे, पर्यावरण-अनुकूल विकल्प अपनाएँगे और एक स्वच्छ, स्वस्थ तथा सुरक्षित भविष्य के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएँगे।

लेखक झ्र डॉ. प्रितम भि. गेडाम

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक रमन कुमार झा द्वारा सांई प्रिटिंग प्रेस बी-42 सेक्टर 07 नोएडा से मुद्रित कराकर नियर दुर्गा पब्लिक स्कूल श्याम लाल कॉलोनी बरौला सेक्टर 49 नोएडा 201304, गौतमबुद्धनगर उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।
संपर्क 9891706853, संपादक- रमन कुमार झा, समस्त विवादों का निपटारा गौतमबुद्धनगर न्यायालय मे होगा। Website: https://samajjagran.in/ Email: vatankiawaz@gmail.com UPHIN/2021/84200

तीन महीने में 62 हजार करोड़ की 5,551 परियोजनाओं की सौगात, विकास की नई रफ्तार पर उत्तर प्रदेश

सीएम योगी ने अप्रैल-जून में प्रदेशभर में विकास परियोजनाओं का किया लोकार्पण-शिलान्यास, शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग और पर्यटन को मिली नई गति

समाज जागरण

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विकास परियोजनाओं को तेजी से धरातल पर उतारने का सिलसिला लगातार जारी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वित्तीय वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल से जून) के दौरान प्रदेश के विभिन्न जनपदों में 62,282 करोड़ रुपये से अधिक लागत की 5,551 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास कर विकास की नई रफ्तार को गति दी है।

इन परियोजनाओं में सड़क, एक्सप्रेसवे, स्वास्थ्य, शिक्षा, उद्योग, पर्यटन, खेल, शहरी एवं ग्रामीण विकास, पेयजल और आधारभूत संरचना से जुड़े कार्य शामिल हैं। सरकार का दावा है कि प्रदेश के सभी क्षेत्रों–पूर्वांचल, पश्चिमांचल, बुंदेलखंड और मध्यांचल–को समान रूप से विकास से जोड़ा जा रहा है।

इस अवधि की सबसे बड़ी उपलब्धियों में 36 हजार करोड़ रुपये से अधिक लागत वाले गंगा एक्सप्रेसवे का लोकार्पण और नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, जेवर से जुड़ी प्रगति प्रमुख रही। वहीं गोरखपुर में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, ललितपुर में मेडिकल कॉलेज एवं प्रदेश के पहले फार्मा पार्क, विभिन्न जिलों में मेडिकल, शिक्षा, पर्यटन और औद्योगिक परियोजनाओं को भी गति मिली।

सरकार ने पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए तामेश्वरनाथ धाम कॉरिडोर, बाबा बैजूनाथ धाम, बखिरा झील इको-टूरिज्म परियोजना तथा महोबा को एडवेंचर टूरिज्म हब के रूप में विकसित करने की दिशा में भी पहल की है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में विकास अब केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि योजनाएं तेजी से धरातल पर उतर रही हैं। एक्सप्रेसवे, एयरपोर्ट, फार्मा पार्क, औद्योगिक क्लस्टर, डेटा सेंटर और एमएसएमई को बढ़ावा देकर प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य की दिशा में तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है।

अब ग्राम सचिवालय में बैठेंगे लेखपाल, तहसील के चक्कर से मिलेगी राहत

1 जुलाई से लागू होगी नई व्यवस्था, आय-जाति-निवास प्रमाणपत्र समेत राजस्व सेवाएं गांव में ही मिलेंगी

समाज जागरण

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने ग्रामीणों को राजस्व संबंधी सेवाएं गांव स्तर पर उपलब्ध कराने की दिशा में बड़ा फैसला लिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर 1 जुलाई से प्रदेश के सभी ग्राम सचिवालयों में लेखपालों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित की जाएगी। इसके लिए राजस्व परिषद ने सभी जिलाधिकारियों को रोस्टर तैयार कर नई व्यवस्था लागू करने के निर्देश जारी कर दिए हैं।

नई व्यवस्था लागू होने के बाद ग्रामीणों को आय, जाति, निवास, हैसियत प्रमाणपत्र, खतौनी की नकल सहित राजस्व विभाग की विभिन्न सेवाओं के लिए बार-बार तहसील के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। ग्राम सचिवालय ही इन सेवाओं के लिए 'वन स्टॉप सर्विस सेंटर' के रूप में कार्य करेंगे।

राजस्व परिषद की आयुक्त एवं सचिव कंचन वर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप सुशासन, पारदर्शिता और जनसेवाओं को गांव तक पहुंचाने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है। ग्राम सचिवालयों में पंचायत सहायकों के माध्यम से पहले से संचालित ऑनलाइन सेवाओं में राजस्व विभाग की कई महत्वपूर्ण सेवाएं शामिल हैं, जिनके समयबद्ध निस्तारण में लेखपाल की भूमिका अहम होती है।

लेखपाल केवल प्रमाणपत्र जारी करने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वरासत, स्वामित्व योजना, किसान सम्मान निधि, भूमि विवादों का निस्तारण, आपदा प्रबंधन, फसल गिरदावरी, जनगणना, राहत एवं पुनर्वास, अवैध कब्जों की जांच सहित अनेक महत्वपूर्ण प्रशासनिक कार्यों में भी उनकी भूमिका रहती है। अब ग्राम स्तर पर उनकी नियमित उपलब्धता से इन कार्यों में भी तेजी आएगी। राजस्व परिषद ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने जिलों में लेखपालों की उपस्थिति का रोस्टर तैयार कर 1 जुलाई से व्यवस्था प्रभावी रूप से लागू कराएं। सरकार का मानना है कि इससे ग्रामीणों का समय और धन दोनों बचेंगे तथा राजस्व सेवाएं अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और प्रभावी बनेंगी।

अपने व्यापार का करें प्रचार प्रसार
दैनिक समाज जागरण मे खबर और विज्ञापन देने के लिए संपर्क करे।
न्यूज पोर्टल पर चलवाये मात्र 200 रुपये रोज मे।

योगी सरकार ने गन्ना किसानों को दिया 3.23 लाख करोड़ का रिकॉर्ड भुगतान

पेराई सत्र 2025-26 में 31,682 करोड़ का भुगतान, देश में गन्ना मूल्य भुगतान में यूपी फिर अव्वल

समाज जागरण

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में गन्ना किसानों को रिकॉर्ड गन्ना मूल्य भुगतान का सिलसिला जारी है। प्रदेश सरकार ने पेराई सत्र 2025-26 में अब तक 31,682 करोड़ रुपये का भुगतान किया है, जबकि वर्ष 2017 से अब तक गन्ना किसानों को 3,23,572 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड भुगतान किया जा चुका है। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश देश में सर्वाधिक गन्ना मूल्य भुगतान करने वाला राज्य बना हुआ है।

गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग विभाग के अनुसार वर्ष 1995 से 2017 तक 22 वर्षों में किसानों को 2,13,519 करोड़ रुपये का भुगतान हुआ था, जबकि वर्तमान सरकार ने केवल नौ वर्षों में इससे 1.10 लाख करोड़ रुपये अधिक भुगतान कर नया रिकॉर्ड बनाया है।

121 चीनी मिलों ने बनाया 89.52 लाख टन चीनी

वर्तमान पेराई सत्र 2025-26 में प्रदेश की 121 संचालित चीनी मिलों ने 878.12 लाख टन गन्ने की पेराई कर 89.52 लाख टन चीनी का उत्पादन किया है। अब तक किसानों को कुल देय राशि का 91.64 प्रतिशत भुगतान किया जा चुका है।

नई चीनी मिलों से 10 लाख लोगों को रोजगार

सरकार ने वर्ष 2017 के बाद चार नई चीनी मिलों की स्थापना की है, जबकि सात बंद मिलों का पुनः संचालन शुरू कराया गया है। इसके अलावा 44 चीनी मिलों की क्षमता बढ़ाई गई है, जिससे 1,28,500 टीसीडी अतिरिक्त पेराई क्षमता विकसित हुई है। इन प्रयासों से करीब 10 लाख लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार मिला है।

गन्ना क्षेत्रफल और उत्पादकता में भी रिकॉर्ड वृद्धि

प्रदेश में गन्ने का रकबा वर्ष 2016-17 के 20.54 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 28.61 लाख हेक्टेयर हो गया है। वहीं औसत उत्पादकता 72.38 टन प्रति हेक्टेयर से बढ़कर 83.25 टन प्रति हेक्टेयर पहुंच गई है। आधुनिक तकनीक और उन्नत किस्मों के प्रयोग से प्रति हेक्टेयर उत्पादन में 10.87 टन की वृद्धि दर्ज की गई है।

48 लाख तक पहुंची गन्ना किसानों की संख्या

प्रदेश में गन्ना किसानों की संख्या भी लगातार बढ़ी है। वर्ष 2016-17 में जहां लगभग 33 लाख किसान गन्ने की खेती करते थे, वहीं वर्तमान में उनकी संख्या बढ़कर 48 लाख हो गई है। सरकार का कहना है कि रिकॉर्ड भुगतान, बेहतर उत्पादन और उद्योगों के विस्तार से किसानों की आय में लगातार वृद्धि हुई है तथा उत्तर प्रदेश गन्ना उत्पादन और गन्ना मूल्य भुगतान दोनों क्षेत्रों में देश का अग्रणी राज्य बन चुका है।

15 दिन में अग्निशमन एनओसी लें, नहीं तो होगी सीलिंग: डीएम

कोचिंग, अस्पताल, होटल, पीजी व अन्य व्यावसायिक संस्थानों को अग्नि सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश

समाज जागरण

नोएडा। जनपद गौतमबुद्धनगर में अग्नि सुरक्षा मानकों के शत-प्रतिशत अनुपालन को लेकर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में कोचिंग संस्थानों, निजी अस्पतालों, होटल, रेस्टोरेंट, पीजी, हॉस्टल, लाइब्रेरी सहित विभिन्न व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के संचालकों एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी संस्थान 15 दिनों के भीतर अग्निशमन एनओसी, पंजीकरण एवं अन्य आवश्यक वैधानिक औपचारिकताएं पूरी करें। निर्धारित अवधि के बाद नियमों का पालन नहीं करने वाले संस्थानों के विरुद्ध सीलिंग सहित कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने कहा कि किसी भी स्थिति में बेसमेंट में कोचिंग, अस्पताल, होटल, रेस्टोरेंट अथवा अन्य सार्वजनिक गतिविधियों का संचालन स्वीकार्य नहीं होगा। साथ ही सभी संस्थानों में सुरक्षित प्रवेश-निकास, लिफ्ट का नियमित सुरक्षा परीक्षण, अग्निशमन उपकरणों की उपलब्धता तथा नियमित मॉक ड्रिल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को संयुक्त निरीक्षण अभियान चलाकर अग्नि सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित कराने तथा अनियमितता मिलने पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए।

नोएडा में गांजा तस्करी का बड़ा खुलासा, 21 किलो गांजा के साथ पांच तस्कर गिरफ्तार

डीएनडी रोड पर पुलिस और सीआरटी की संयुक्त कार्रवाई, ओडिशा से मंगाकर दिल्ली-एनसीआर में करते थे सप्लाई

समाज जागरण

नोएडा। पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर की थाना सेक्टर-20 पुलिस और सीआरटी (CRT) टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए गांजा तस्करी करने वाले एक सक्रिय गिरोह का पदार्फाश किया है। पुलिस ने डीएनडी रोड स्थित सेक्टर-17 के पास से पांच तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 21 किलोग्राम अवैध गांजा, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 5 लाख रुपये है, तथा तस्करी में प्रयुक्त मारुति सुजुकी फ्रोंक्स कार (UP16ER7966) बरामद की है।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान आमिर खान, मनोज कुमार, प्रकाश शाह, मोहम्मद फिरोज और पप्पू कुमार के रूप में हुई है। सभी आरोपी नोएडा की जेजे कॉलोनी और आसपास के क्षेत्रों में रहकर लंबे समय से मादक पदार्थों की तस्करी में संलिप्त थे।

ओडिशा से मंगाकर दिल्ली-एनसीआर में करते थे सप्लाई

पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे अलग-अलग माध्यमों से ओडिशा से गांजा मंगाकर दिल्ली और एनसीआर क्षेत्र में उसकी आपूर्ति करते थे। पूछताछ में यह भी सामने आया कि गिरोह की एक महिला सदस्य नूरी, पत्नी साजिद, भी इस अवैध कारोबार में शामिल है। पुलिस उसकी तलाश में लगातार दबिश दे रही है।

पुराने अपराधी निकले अधिकांश आरोपी

पुलिस जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार पांचों आरोपियों में से अधिकांश के खिलाफ पहले से ही एनडीपीएस एक्ट, आबकारी अधिनियम, जुआ अधिनियम, मारपीट, सरकारी कार्य में बाधा और अन्य धाराओं में कई मुकदमे दर्ज हैं। विशेष रूप से प्रकाश शाह, मोहम्मद फिरोज और मनोज कुमार के विरुद्ध मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़े कई मामले पहले भी दर्ज हो चुके हैं।

नेटवर्क की जांच में जुटी पुलिस

पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ थाना सेक्टर-20 में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20/29 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। अधिकारियों का कहना है कि गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के आधार पर तस्करी के पूरे नेटवर्क, सप्लाई चेन और अन्य सहयोगियों की जानकारी जुटाई जा रही है। फरार महिला आरोपी समेत गिरोह के अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमों को लगाया गया है।

पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर का कहना है कि जनपद में मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा और ऐसे अपराधों में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

मतदेय स्थलों के पुनर्निर्धारण पर राजनीतिक दलों के साथ डीएम की बैठक

दो दिन में सुझाव एवं आपत्तियां देने के निर्देश

समाज जागरण

नोएडा। मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम से पहले मतदेय स्थलों के पुनर्निर्धारण की प्रक्रिया को लेकर मंगलवार को जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने एनआईसी सभागार में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की।

जिलाधिकारी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार 1200 मतदाताओं के आधार पर मतदेय स्थलों का पुनर्निर्धारण किया जा रहा है, ताकि मतदान प्रक्रिया अधिक सुगम एवं व्यवस्थित बन सके।

बैठक में मतदेय स्थलों की आलेख्य सूची, संभावित बदलाव तथा मतदाताओं की सुविधा से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से कहा कि यदि किसी मतदेय स्थल के संबंध में कोई सुझाव, संशोधन या आपत्ति हो तो उसे दो दिनों के भीतर संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को लिखित रूप में उपलब्ध कराएं, ताकि अंतिम सूची निर्धारित समय सीमा में प्रकाशित की जा सके।

बैठक में विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ अपर जिलाधिकारी, उप जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन कार्यालय के अधिकारी उपस्थित रहे।

टीएमयू का बड़ा उपहार, अब मुरादाबाद में भी मिलेगी एनीमेशन में मास्टर डिग्री

तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी के कॉलेज ऑफ कम्प्यूटिंग साइंसेज एंड इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी- सीसीएसआईटी में अब में तैयार होंगे डिजिटल मीडिया और एनीमेशन के एक्सपर्ट

खास बातें

नया पीजी प्रोग्राम टीएमयू के कुलाधिपति श्री सुरेश जैन की दूरदर्शी सोच का प्रतिफल

जीवीसी श्री मनीष जैन और ईडी श्री अक्षत जैन बोले, युवाओं के सपनों में भरेंगे रंग

सीओई डीन प्रो. आरके द्विवेदी बोले, टीएमयू बनेगा एनीमेशन में उच्च शिक्षा का केंद्र

सीसीएसआईटी ने वर्ष 2011 में की थी बीएससी-एनीमेशन कार्यक्रम की शुरूआत

TEERTHANKER MAHAVEER UNIVERSITY
TMU
MORADABAD
Accredited with NAAC A Grade
12-B Status from UGC

समाज जागरण

तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी, मुरादाबाद ने एनीमेशन एवम् डिजिटल मीडिया स्टुडेंट्स के लिए बड़ा उपहार दिया है। कॉलेज ऑफ कम्प्यूटिंग साइंसेज एंड इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी- सीसीएसआईटी में शैक्षणिक सत्र 2026-27 से एमएससी-एनीमेशन कार्यक्रम का शुभारम्भ हो गया है। खास बात यह है, एमएससी-एनीमेशन में प्रवेश के लिए किसी भी स्ट्रीम के यूजी पासआउट आमंत्रित हैं। यह नया पीजी प्रोग्राम टीएमयू के चांसलर श्री सुरेश जैन की दूरदर्शी सोच का प्रतिफल है। ग्रुप वाइस चेयरमैन श्री मनीष जैन, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर श्री अक्षत जैन बोले, टीएमयू युवाओं के सपनों में रंग भरने के प्रति संकल्पित है। इस प्रोग्राम का उद्देश्य स्टुडेंट्स को एनीमेशन, डिजिटल मीडिया और उभरती प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में उच्च स्तरीय शिक्षा के संग-संग विशेषज्ञता प्रदान करना है। उल्लेखनीय है कि सीसीएसआईटी ने वर्ष 2011 में बीएससी-एनीमेशन कार्यक्रम की शुरूआत की थी। एनीमेशन प्रोग्राम लगभग शत-प्रतिशत प्लेसमेंट रिकॉर्ड के लिए जाना जाता है। एनीमेशन, गेमिंग, मल्टीमीडिया, विजुअल इफेक्ट्स, ग्राफिक डिजाइन और डिजिटल मीडिया उद्योगों में टीएमयू के सैकड़ों स्टुडेंट्स अपने हुनर दिखा रहे हैं। कुलपति प्रो. वीके जैन और डीन एकेडमिक्स प्रो. मंजुला जैन ने उम्मीद जताई, एमएससी-एनीमेशन कार्यक्रम से रोजगार और करियर की असीम संभावनाएं खुल जाएंगी।

वर्तमान समय में एनीमेशन विश्व के सबसे तेजी से विकसित होने वाले उद्योगों में से एक है। फिल्म निर्माण, ओटीटी प्लेटफॉर्म, टेलीविजन, विज्ञापन, गेमिंग, डिजिटल मार्केटिंग, ई-लर्निंग, स्वास्थ्य सेवाओं तथा कॉर्पोरेट प्रशिक्षण जैसे अनेक क्षेत्रों में एनीमेशन और विजुअल इफेक्ट्स का व्यापक उपयोग हो रहा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), ऑगमेंटेड रियलिटी (एआर), वर्चुअल रियलिटी (वीआर) और मेटावर्स जैसी आधुनिक तकनीकों ने इस क्षेत्र के दायरे को और अधिक विस्तृत कर दिया है। एमएससी-एनीमेशन कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य स्टुडेंट्स को उन्नत तकनीकी ज्ञान, रचनात्मक कौशल, अनुसंधान क्षमता तथा उद्योग-उन्मुख प्रशिक्षण प्रदान करना है ताकि वे वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बन सकें। कार्यक्रम के अंतर्गत स्टुडेंट्स को 2डी एवं 3डी एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट्स (वीएफएक्स), मोशन ग्राफिक्स, कैरेक्टर डिजाइन, गेम डेवलपमेंट, मल्टीमीडिया प्रोडक्शन, यूआई/यूएक्स डिजाइन, एआर, वीआर तथा डिजिटल कंटेंट निर्माण जैसे आधुनिक विषयों का गहन अध्ययन कराया जाएगा।

कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग के डीन प्रो. आरके द्विवेदी कहते हैं, कार्यक्रम पूर्ण करने के बाद स्टुडेंट्स एनीमेशन आर्टिस्ट, वीएफएक्स स्पेशलिस्ट, गेम डिजाइनर, मोशन ग्राफिक्स डिजाइनर, मल्टीमीडिया डेवलपर, डिजिटल कंटेंट क्रिएटर, यूआई/यूएक्स डिजाइनर, क्रिएटिव डायरेक्टर, डिजिटल मीडिया विशेषज्ञ और शोधकर्ता के रूप में कार्य कर सकेंगे। इसके अतिरिक्त वे राष्ट्रीय एवम् अंतर्राष्ट्रीय स्तर की एनीमेशन स्टूडियो, फिल्म निर्माण कंपनियों, गेमिंग संगठनों, विज्ञापन एजेंसियों, डिजिटल मार्केटिंग कंपनियों तथा ई-लर्निंग संस्थानों में आकर्षक करियर बना सकेंगे। प्रो. द्विवेदी कहते हैं, आज शिक्षा, विपणन, कॉर्पोरेट संचार, चिकित्सा, पर्यटन, रक्षा जैसे क्षेत्रों में भी एनीमेशन आधारित समाधानों का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है, इसीलिए अब टीएमयू को भी एनीमेशन में उच्च शिक्षा का केन्द्र बनाएंगे।

साइबर सेल की तत्परता से आठ दिन में लौटे एक लाख रुपये

ग्रेटर नोएडा पुलिस की त्वरित कार्रवाई, पीड़ित ने जताया आभार

समाज जागरण

ग्रेटर नोएडा। पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर श्रीमती लक्ष्मी सिंह के निर्देशन में साइबर सेल ग्रेटर नोएडा ने साइबर ठगी के एक मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए पीड़ित के एक लाख रुपये मात्र आठ दिनों में वापस कराकर बड़ी सफलता हासिल की है।

डीसीपी ग्रेटर नोएडा रवि शंकर निम के पर्यवेक्षण में साइबर सेल को शिकायत मिलने के बाद टीम ने तत्काल तकनीकी विश्लेषण शुरू किया। संबंधित बैंक और अन्य एजेंसियों से समन्वय स्थापित कर आवश्यक वैधानिक प्रक्रिया पूरी की गई। लगातार प्रयासों के बाद पीड़ित की पूरी 1,00,000 की धनराशि सफलतापूर्वक रिकवर कर उसे वापस दिला दी गई।

राशि वापस मिलने के बाद पीड़ित ने डीसीपी ग्रेटर नोएडा से मुलाकात कर पुलिस का आभार व्यक्त किया। उन्होंने साइबर सेल की त्वरित और प्रभावी कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए कहा कि समय पर पुलिस की कार्रवाई के कारण उनकी मेहनत की कमाई सुरक्षित वापस मिल सकी।

पुलिस की अपील

गौतमबुद्धनगर पुलिस ने लोगों से अपील की है कि यदि वे ऑनलाइन ठगी, फर्जी निवेश, डिजिटल अरेस्ट, केवाईसी अपडेट, ओटीपी, यूपीआई या बैंकिंग फ्रॉड जैसी किसी साइबर धोखाधड़ी का शिकार होते हैं तो बिना देरी किए राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर कॉल करें या www.cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज कराएं। साथ ही किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ अपनी बैंकिंग या व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें।

आनंद विहार टर्मिनल पर एंट्री शुल्क को लेकर उठे सवाल, सोशल मीडिया पर रेल मंत्रालय से मांगा जवाब

समाज जागरण

नई दिल्ली। आनंद विहार रेलवे टर्मिनल पर यात्रियों को छोड़ने आने वाले वाहनों से वसूले जा रहे एंट्री शुल्क को लेकर सोशल मीडिया पर सवाल उठने लगे हैं। अधिवक्ता कल्पना श्रीवास्तव ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से इस मामले में स्पष्टीकरण मांगा है।

उन्होंने दावा किया कि 28 जून को नीलांचल एक्सप्रेस पकड़ने पहुंचे एक यात्री से टर्मिनल परिसर में प्रवेश के लिए पहले 17 मिनट के 50 रुपये और उसके बाद 200 रुपये शुल्क लिए जाने की बात सामने आई। साथ ही उबर की रसीद में भी 30 रुपये एंट्री शुल्क जोड़े जाने का उल्लेख किया गया है।

पोस्ट में सवाल उठाया गया है कि यदि प्रतिदिन हजारों वाहन टर्मिनल परिसर में प्रवेश करते हैं तो इस शुल्क से होने वाली आय किसके पास जा रही है और क्या यह वसूली रेलवे की अधिकृत व्यवस्था का हिस्सा है या नहीं।

सोशल मीडिया पर यह मुद्दा तेजी से चर्चा का विषय बना हुआ है। लोगों ने रेलवे से एंट्री शुल्क की दरों, नियमों और वसूली की प्रक्रिया को सार्वजनिक करने की मांग की है। हालांकि, रेल मंत्रालय या रेलवे प्रशासन की ओर से इस मामले में अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया या स्पष्टीकरण जारी नहीं किया गया है।

मिशन शक्ति-5 के तहत नोएडा पुलिस ने महिलाओं को किया जागरूक

महिला सुरक्षा, साइबर अपराध और हेल्पलाइन नंबरों की दी जानकारी

समाज जागरण

नोएडा। पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर की महिला सुरक्षा टीम ने पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह के निर्देशन तथा डीसीपी महिला सुरक्षा के पर्यवेक्षण में मिशन शक्ति-5 (द्वितीय चरण) के तहत महिलाओं एवं बालिकाओं को जागरूक करने के लिए विशेष अभियान चलाया।

अभियान के दौरान महिलाओं और छात्राओं को महिला सशक्तिकरण, महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराध, साइबर अपराधों से बचाव तथा विभिन्न आपातकालीन

हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई। साथ ही जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से पंपलेट भी वितरित किए गए।

पुलिस अधिकारियों ने महिलाओं से अपील की कि किसी भी प्रकार की छेड़छाड़, उत्पीड़न, साइबर ठगी या अन्य अपराध की स्थिति में बिना संकोच पुलिस हेल्पलाइन पर संपर्क करें तथा उपलब्ध सुरक्षा सेवाओं का लाभ उठाएं।

नोएडा पुलिस ने कहा कि मिशन शक्ति अभियान का उद्देश्य महिलाओं में सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता की भावना को मजबूत करना तथा उन्हें अपने अधिकारों और सुरक्षा उपायों के प्रति जागरूक बनाना है।

संभल यातायात पुलिस ने ईमानदारी की मिसाल पेश कर लौटाया खोया मोबाइल

समाज जागरण

संभल।पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार के कुशल निर्देशन में यातायात पुलिस में नियुक्त हेड कांस्टेबल भूपेंद्र सिंह एवं कांस्टेबल आकाशदीप मौर्य द्वारा ड्यूटी के दौरान प्राप्त सूचना पर तत्परता एवं सजगता का परिचय देते हुए एक व्यक्ति का गाड़ी में छूटा हुआ मोबाइल तलाश कर बरामद किया गया तथा उसके वास्तविक स्वामी को सकुशल सुपुर्द किया गया। अपना खोया हुआ मोबाइल वापस प्राप्त कर संबंधित व्यक्ति ने सम्भल पुलिस एवं यातायात पुलिस का आभार व्यक्त करते हुए पुलिस कर्मियों के इस सराहनीय कार्य की प्रशंसा की।

युद्ध कला केंद्र मार्शल आर्ट्स एकेडमी में समर कैंप का हुआ समापन

* बच्चों ने सीखे आत्मरक्षा के गुर

समाज जागरण

चंदौसी। युद्ध कला केंद्र मार्शल आर्ट्स एकेडमी (सीता रोड) द्वारा लड़के और लड़कियों के लिए आयोजित निःशुल्क समर कैंप का शानदार समापन हुआ। 21 जून से 30 जून तक चले इस विशेष कैंप में बच्चों को आत्मरक्षा की बेहतरीन तकनीकें और पैंतरे सिखाए गए। इस कैंप के दौरान युद्ध कला केंद्र के मुख्य कोच मास्टर बालाजी और सीनियर खिलाड़ी आशु ठाकुर, पल्लवी

और शामिल ने बच्चों को न सिर्फ ट्रेनिंग दी, बल्कि उनका आत्मविश्वास भी बढ़ाया। कैंप के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में ओलंपिक एसोसिएशन के जनरल सेक्रेटरी आशु सर और संगीता भार्गव जी मौजूद रहीं। उन्होंने उपस्थित सभी बच्चों का मार्गदर्शन करते हुए उनके जज्बे को सराहा और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथियों द्वारा सभी प्रतिभागी बच्चों को ट्रॉफी वितरित कर सम्मानित किया गया।

महिला की मौत होने के बाद परिजनों ने क्लिनिक पर जमकर कांटा हंगामा।

समाज जागरण -ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। थाना उत्तर क्षेत्र के जलेसर रोड नाले की पुलिया के पास स्थित एक डा. एवरन सिंह अपना हॉस्पिटल चलाते थे महिला की उपचार के दौरान

मौत हो गई परिजनों ने लापरवाही का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा कांटा सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामला शांत कराते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल लेकर आई है थाना उत्तर के झलकारी नगर निवासी 40 वर्षीय अंगूरी देवी पति सालिग्राम शंखवार पेट के दर्द से पीड़ित थ परिजनों उसे उपचार के लिए मोहल्ले में स्थित डॉक्टर एवरन सिंह के क्लीनिक ले गए मिली जानकारी के अनुसार अंगूरी देवी का इलाज 4 से 5 दिनों से डा एवरन सिंह के यहां पर पेट दर्द का चल रहा था इसी दौरान डॉक्टर ने 30 से 35 बोतल लगा दी जब महिला का पेट फूल गया तो परिवार के लोगों ने विरोध किया तो डॉक्टर स्टाफ से नोक झोंक भी हुई नोक झोंक के बीच महिला की मौत हो गई महिला की मौत के बाद डॉक्टर और स्टाफ मौके से भाग गए मौके पर पहुंची थाना जिससे परिजनों में आक्रोश व्याप्त हो गया और उन्होंने जमकर हंगामा काटा सूचना मिलते ही पुलिस और सीओ सिटी ने परिवार के लोगों को समझा बुझा मामला शांत कराया तत्पश्चात सबको को पोस्टमॉर्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा और क्लीनिक व मेडिकल को सील कर दिया पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है।

251 दीप जलाकर मनाई भामाशाह की जयंती।

समाज जागरण – ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। प्रांतीय नेतृत्व के आह्वान पर व्यापारी शिरोमणि दानवीर भामाशाह जी की जयंती के शुभ अवसर पर महानगर अध्यक्ष डॉ सुनील अग्रवाल के नेतृत्व में विभव नगर स्थित भामाशाह जी के पार्क में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया ।जिसमें दीप प्रज्वलन एवं भामाशाह की मूर्ति पर माल्यार्पण तथा व्यापारी भामाशाहों का सम्मान किया गया। सभी वक्ताओं ने भामाशाह के बारे में अपने-अपने विचार व्यक्त किये,तत्पश्चात भामाशाह की मूर्ति पर माला पहना कर माल्यार्पण किया उसके पश्चात 251 दीपों को जलाकर दीप प्रज्वलन किया ,तत्पश्चात पांच व्यापारी भामाशाहों को जैसे उमेश शर्मा रतिराम गुप्ता महेंद्र सिंह बघेल लकी जिंदल स्वर्णकार तथा गजक के थोक विक्रेता फुरकान भाई को संगठन का साफा पहनाकर महानगर अध्यक्ष डॉ सुनील अग्रवाल ने तथा जिला अध्यक्ष पंडित रविंद्र लाल तिवारी ने सम्मानित किया । महानगर की पूरी टीम ने वर्षों से

फिरोजाबाद व्यापार मंडल के लिए कार्य करने वाले आदरणीय प्रांतीय उपाध्यक्ष कैलाश उपाध्याय प्रांतीय संरक्षक मदनलाल वर्मा , आदरणीय जिला अध्यक्ष पंडित रविंद्र लाल तिवारी का संगठन का साफा पहना कर सम्मानित किया। तथा दो व्यापारी भामाशाह शहजाद अजीज एवं दिलशाद कुरैशी को संगठन की सदस्यता दिलाते हुए उनको भी साफा पहना कर सम्मानित किया गया । कार्यक्रम का संचालन महानगर वरिष्ठ महामंत्री रामबाबू झा ने किया। कार्यक्रम में कैलाश उपाध्याय मदन लाल वर्मा जिला अध्यक्ष पंडित रविंद्र लाल तिवारी , महानगर अध्यक्ष अध्यक्ष डॉक्टर सुनील अग्रवाल , जिला महामंत्री कौशल किशोर उपाध्याय , राम बाबू झा,भानु उपाध्याय , पवन दीक्षित दिनेश यादव , अर्जेश उपाध्याय ,नवीन उपाध्याय, विजय भंबानी , राकेश गुप्ता टीटू,इरशाद कुरैशी, फुरकान भाई ,लकी शहजाद अजीज, दिलशाद कुरैशी,दीपक गुप्ता राकेश बाबू शर्मा , उमेश शर्मा रतीराम गुप्ता , सुनील जैन जी , विवेक पचौरी जी राजेश दुबे जी, पार्षद प्रतिनिधि पवन गुप्ता जी, सहित तमाम व्यापारी भामाशाह उपस्थित रहे।

साइंस घर में रिया की नारी रक्षा पादुका के मॉडल ने दिया नारी शक्ति का संदेश

समाज जागरण

सिरसागंज। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद उत्तर प्रदेश के अंतर्गत जिला विज्ञान क्लब, फिरोजाबाद के तत्वाधान में समर में जिला समन्य वक अश्वनी कुमार जैन के संयोजन में जनपद में प्रथम बार साइंस घर कार्यक्रम का आयोजन निःशुल्क रूप से जिला विज्ञान क्लब के कार्यालय पर किया जा रहा है। जिसमें 30 वें दिवस पर कक्षा बी एस सी की छात्रा कु रिया ने अपने नारी रक्षा पादुका मॉडल के प्रस्तुतिकरण में बताया कि इस मॉडल का निर्माण महिलाओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए किया गया है। इसमें एक विशेष स्मार्ट सुरक्षा चप्पल की अवधारणा प्रस्तुत की गई है, जो आपातकालीन परिस्थितियों में महिला को आत्मरक्षा के लिए त्वरित सहायता प्रदान करने का उद्देश्य

रखती है। छात्रा ने इस मॉडल के माध्यम से दशार्या है कि संकट की स्थिति में चप्पल में लगी सुरक्षा प्रणाली सक्रिय होकर महिला को अपनी सुरक्षा के लिए आवश्यक सहायता उपलब्ध करा सकती है। यह मॉडल महिलाओं

में आत्मविश्वास बढ़ाने, उनकी सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने तथा आधुनिक तकनीक के माध्यम से सुरक्षित समाज के निर्माण का संदेश देता है। साथ ही यह विद्यार्थियों की रचनात्मक सोच और समाज की महत्वपूर्ण समस्याओं के समाधान के प्रति उनकी संवेदनशीलता को भी प्रदर्शित करता है।

अश्वनी कुमार जैन ने रिया के नारी रक्षा पादुका मॉडल के नवाचार एवं कलात्मक प्रयास की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने बताया कि साइंस घर में प्रतिदिन विद्यार्थी अपने नवाचार मॉडलों का प्रस्तुतिकरण कर रहे हैं। इस अवसर पर साइंस घर के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

कलेक्ट्रेट सभागार में 50 लाख रुपये के विकास व निर्माण कार्यो की समीक्षा बैठक सम्पन्न।

समाज जागरण – ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। कलेक्ट्रेट सभागार कक्ष में जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा की अध्यक्षता में 50 लाख रुपये से अधिक लागत के विकास व निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक संपन्न हुई जिसम जनपद के विभिन्न विभागों एवं कार्यदायी संस्थाओं द्वारा संचालित बड़ी परियोजनाओं की भौतिक व वित्तीय प्रगति की बिंदुवार समीक्षा की गई जिलाधिकारी सन्तोष कुमार शर्मा ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में कुछ बड़ी और महत्वपूर्ण परियोजनाओं की गति अत्यंत मंद पाई तो उन्होंने गहरी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये कि जो परियोजनाएं बिल्कुल ही धीमी गति से चल रही हैं, या जिनमें अनुबंध के बावजूद कार्य प्रारंभ नहीं हुआ है, उन्हें तत्काल प्रभाव से कारण बताओ नोटिस जारी किया जाये। मुख्य रूप से इन परियोजनाओं पर जिलाधिकारी ने कड़ी आपत्ति जताई जिनमें उ०प्र० आवास एवं विकास परिषद, आगरा, उ०प्र० राज्य सेतु निगम लि०, आगरा, यू० पी० प्रोजेक्ट्स कारपोरेशन लि०, उ०प्र० पुलिस आवास निगम लि० है।

बैठक में उ०प्र० आवास एवं विकास परिषद, आगरा द्वारा ₹24.74 करोड़ की लागत से स्वीकृत मुख्यमंत्री मॉडल कम्पोजिट विद्यालय (प्री-प्राइमरी से कक्षा-12), ग्राम-करहरा (अरांव/सिरसागंज) के निर्माण कार्य की भौतिक व वित्तीय प्रगति शून्य पाई गई। इसी प्रकार, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान को सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स के रूप में विकसित करने के कार्य (लागत ₹14.57 करोड़) की प्रगति भी शून्य प्रतिशत मिलने पर कड़ी फटकार लगाई।

उ०प्र० राज्य सेतु निगम लि०, आगरा नगला बरी चौराहे से जाटवपुरी चौराहे से नैनी ग्लास चौराहा तक शहरी मार्ग पर 02 लेन सड़क

उपरिगामी सेतु (फ्लाईओवर) निर्माण जिसकी अनुमानित लागत ₹118.58 करोड़ है, इसकी भी भौतिक व वित्तीय प्रगति वर्तमान में शून्य दर्ज की गई है। इसके अतिरिक्त, सुहाग नगर चौराहे से सुभाष तिराहे जैन मन्दिर तक शहरी मार्ग पर फ्लाईओवर निर्माण की भौतिक प्रगति भी केवल 68 प्रतिशत पाई गई, जिसके शेष कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिये।

यू०पी० प्रोजेक्ट्स कारपोरेशन लि० (यूनिट-4, आगरा)- सिरसागंज के हैबतपुर रोड स्थित ओमकारेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण में वेद उपवन निर्माण (लागत ₹4.38 करोड़) के अंतर्गत सोलर पॉवर प्लांट व कुछ अन्य कार्य अभी तक शुरू नहीं हुआ है, वहीं, फिरोजाबाद में ग्लास म्यूजियम निर्माण (लागत ₹24.27 करोड़) के अंतर्गत ग्लास स्कल्पचर और बाह्य विद्युतीकरण का कार्य भी अधूरा पाया गया।

उ०प्र० पुलिस आवास निगम लि०, आगराः पुलिस लाइन में 50 बेड ट्रांजिट हास्टल निर्माण (लागत ₹10.16 करोड़) की वित्तीय प्रगति केवल 4 प्रतिशत और भौतिक प्रगति 8 प्रतिशत होने पर कार्य में तेजी लाने की चेतावनी दी गई।

उन्होंने बुनियादी ढांचे की मजबूती पर विशेष बल देते हुए कहा कि आधारभूत संरचना निर्माण परि योजनाओं में पूरी मजबूती होनी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिये कि हर एक प्रोजेक्ट में जल निकासी (ड्रेनेज सिस्टम) की समुचित व स्थायी व्यवस्था की जाए ताकि भविष्य में जलभराव की स्थिति न बने। कार्य की गुणवत्ता मानकों के अनुरूप हो और समय-बद्धता का विशेष ध्यान रखा जाये। विकास के साथ-साथ पर्यावरण संतुलन को बनाए रखने के लिए जिलाधिकारी ने दूरगामी निर्देश दिये, उन्होंने कहा कि जितने भी निमार्णाधीन भवन हैं, उनके परिसरों में अनिवार्य रूप से वृक्षारोपण (प्लांटेशन) का कार्य कराया जाए। इसके साथ ही भूगर्भ जल स्तर को सुधारने के उद्देश्य से सभी निमार्णाधीन भवनों में ह्यरेन वाटर हार्वेस्टिंग (वर्षा जल संचयन) प्रणाली की स्थापना सुनिश्चित की जाए। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को चेतावनी दी कि वे नियमित रूप से फील्ड में जाकर निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण करें,जिससे कार्य पारदर्शी और तय समय सीमा के भीतर पूरे हो सकें।

बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी शत्रोहन वैश्य, मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल, अर्थ एवं संख्या धिकारी सहित सम्बन्धित जिला स्तरीय अधिकारी आदि उपस्थित रहें।

एकता अखंडता संस्कृतिक राष्ट्रवाद पुरोधा थे मुखर्जी-- एमएलसी।

समाज जागरण – ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। भारतीय जनता पार्टी द्वारा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जयंती संस्मरण पक्ष के तहत जिला कार्यकर्ता सम्मेलन मोती इम्पीरियल रिसोर्ट उसायनी पर जिलाध्यक्ष उदय प्रताप सिंह की अध्यक्षता में आयो जित किया गया। जिला सम्मेलन में मुख्य अतिथि मा. विजय शिवहरे प्रदेश मंत्री / एमएलसी ने सम्मेलन में बड़ी संख्या में उपस्थित जनसमूह को सम्बोधित करते हुऐ कहा कि भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी राष्ट्रनिष्ठ, संगठनप्रधान और अखंड भारत के संकल्प से प्रेरणा लेते हुए संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक सशक्त बनाने का संकल्प दोहराया। उनका त्याग, राष्ट्रभक्ति और एकात्म भारत का विचार हम सभी के लिए सदैव प्रेरणास्रोत है। इसी भावना के साथ संगठन की मजबूती, जनसंपर्क के विस्तार और सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प लेकर पार्टी कार्यकताओं से आह्वान किया ।। राष्ट्र की एकता, अखंडता और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रखर पुरोधा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी ने देशहित को सर्वोपरि रखते हुए अपना सम्पूर्ण जीवन राष्ट्र सेवा के लिए समर्पित

किया। उनका त्याग, साहस और राष्ट्र के प्रति अटूट समर्पण हम सभी के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की सबसे बड़ी शक्ति है। समर्पित कार्यकताओं के परिश्रम और जनता के विश्वास के बल पर हम जनसेवा, सुशासन और विकसित उत्तर प्रदेश के संकल्प को साकार करने के लिए निरंतर कार्य करते रहेंगे। सम्मेलन में जिलाध्यक्ष उदय प्रताप सिंह ने सम्बोधित करते हुऐ कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के विचारों को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प लेकर राष्ट्रवाद की भावना के अनुरूप कार्य करें और डॉ. मुखर्जी जी का जीवन हमें राष्ट्रहित, कर्तव्यनिष्ठा और जनसेवा के मार्ग पर निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। इस दौरान प्रमुख रूप से सुमन चतुर्वेदी पूर्व जिलाध्यक्ष , महेश राजपूत पूर्व जिलाध्यक्ष , डॉ . अमित गुप्ता जिला प्रवक्ता / मीडिया प्रभारी , भंवर सिंह ठेकेदार चेयरमैन टूंडला , माया देवी सागर चेयरमैन एका , कमलेश राजपूत ब्लाक प्रमुख , कार्यक्रम संयोजक शैलेन्द्र सिंह , शिव शंकर शर्मा , योगेंद्र चौहान , दिनेश गुप्ता , सौरभ शिवहरे ,अजीत राजपूत , ओमेन्द्र बघेल , पवन चक , शिवजीत सिंह वीरू धाकरे , राघवेंद्र सिंह , राजीव यादव , नीलम दिवाकर , रेनु उपाध्याय , आजाद जैन , नीलेश रावत , पूरन सिंह , सचिन जैन , गोपाल कृष्ण सिंह , विपिन शिवहरे , अवनीश गुप्ता , जुबिन भारद्वाज , प्रशांत शर्मा सहित बड़ी संख्या में अन्य लोग उपस्थित थे।। संचालन आकाश शर्मा जिला महामंत्री द्वारा किया गया।

हरियाणा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता का कालांवाली में ऐतिहासिक स्वागत, सामाजिक एकता का प्रतीक बनी जनसभा

समाज जागरण

कालांवाली (सुरेश जोरासिया) हरियाणा प्रदेश भाजपा की अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता के कालांवाली आगमन पर एक भव्य स्वागत समारोह आयोजित किया गया, जिसमें जिला के भाजपा कार्यकर्ता, सामाजिक संस्थाएं और विभिन्न मोर्चों के कार्यकताओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। इस कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष रेनू शर्मा, पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल, और पूर्व सांसद चरणजीत सिंह रोड़ी ने डॉ. गुप्ता का स्वागत करते हुए उनका अभिनंदन किया। समारोह में महिलाओं से लेकर युवाओं तक सभी वर्गों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। डॉ. अर्चना गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि

पार्टी का हर एक कार्यकर्ता समाज में परिवर्तन का वाहक है। उन्होंने विशेष रूप से महिला मोर्चा, युवा मोर्चा, किसान मोर्चा, अनुसूचित जाति मोर्चा, ओबीसी मोर्चा, अल्प संख्यक मोर्चा जैसे सभी मोर्चों की सराहना की, जो पार्टी के साथ मिलकर हर वर्ग की आवाज बनते हैं। जिला अध्यक्ष रेनू शर्मा ने कहा कि डॉ. अर्चना गुप्ता के नेतृत्व में पार्टी हर क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि सभी मोर्चों के समन्वय से पार्टी राज्य में नए बदलाव लाएगी।

पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल ने कहा कि डॉ. गुप्ता के आगमन से कार्यकताओं में नई ऊर्जा आई है, और वे समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। पूर्व सांसद चरण सिंह रोड़ी ने कहा कि सभी सामाजिक संगठन और मोर्चे पार्टी के साथ मिलकर प्रदेश के विकास में एक नई दिशा देंगे। इस समारोह में चरण दास चन्नी अपने सहयोगियों महिला मोर्चा बिंदू शर्मा,आईटी सैल लक्ष्मी जिला इंचार्ज के साथ भारी संख्या में समारोह में शामिल हुए

कार्यक्रम में महिला मोर्चा की प्रदेश संयोजिका, युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष, किसान मोर्चा के प्रतिनिधि, अनुसूचित जाति मोर्चा, अल्पसंख्यक मोर्चा सहित सभी प्रकोष्ठों के पदाधिकारी भी मौजूद रहे। सभी ने पार्टी के साथ एकजुट होकर जनहित के कार्यों में और अधिक तत्परता से जुटने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का समापन सभी अतिथियों को धन्यवाद देने और संगठन की शक्ति तथा समाज सेवा के संकल्प के साथ हुआ। इस अवसर पर चरणदास चन्नी, सरपंच अजैब सिंह महिन्द्र चहल,बलदेव

नम्बदार, जसप्रीत जसप्रीत पंच, बिंदू शर्मा, डा. भीम शर्मा, संजय गाबा, बीना महेश्वरी, महेश आजाद, संतोक सिंह रामगोपाल जगमालवाली आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने भारतीय फिल्म उद्योग को बढ़ावा देने के लिए दो बड़े फैसलों की घोषणा की

सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने आज दो बड़े फैसले लिए हैं। ये कदम भारतीय फिल्म उद्योग के विकास में मदद करेंगे। इसके अलावा, इससे पूरे देश में सिनेमा स्क्रीन की संख्या बढ़ाने में भी मदद मिलेगी।

ये फैसले आज नई दिल्ली में सूचना और प्रसारण मंत्री, श्री अश्विनी वैष्णव की अध्यक्षता में हुई उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में लिए गए। मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक में मंत्री ने फिल्म निर्माण, वितरण और प्रौद्योगिकी एकीकरण को मजबूत करने के लिए तुरंत संरचनात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए। एक अध्ययन समूह का गठन किया गया है- मंत्रालय ने एक उच्च-स्तरीय अध्ययन समूह का गठन किया है। श्री प्रसून जोशी इस समूह की अध्यक्षता करेंगे। इसमें उद्योग विशेषज्ञ और प्रौद्योगिकी साझेदार भी शामिल होंगे। यह समूह भारतीय सिनेमा के समक्ष अवसरों और चुनौतियों का अध्ययन करेगा। यह क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए सुझाव देगा। यह भारतीय फिल्मों को वैश्विक स्तर पर अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए विभिन्न कदमों का भी सुझाव देगा। अध्ययन समूह अन्य मुद्दों के साथ निम्नलिखित मुद्दों पर विचार करेगाः भारतीय फिल्मों को विश्व बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने के उपाय। सिनेमा पर नई तकनीकों का प्रभाव, जिनमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता और वर्चुअल प्रोडक्शन शामिल हैं। समूह सुझाव देगा कि भारतीय फिल्म निमार्ता इन उपकरणों का उपयोग कैसे कर सकते हैं। फिल्म-निमार्ता फिल्म निर्माण के लिए बाजार से संस्थागत वित्त और नये वित्तपोषण विकल्पों तक कैसे पहुंच प्राप्त कर सकते हैं। फिल्म निमार्ताओं को फिल्म निर्माण और वितरण के लिए धन जुटाने में होने वाली समस्याएँ। राज्य सरकारों और अन्य हितधारकों के साथ काम करना। समूह सर्वोत्तम प्रथाओं की पहचान करेगा। साथ ही, यह भारतीय सिनेमा के दीर्घावधि विकास के लिए एक संपूर्ण नीतिगत रूपरेखा का भी सुझाव देगा। अध्ययन समूह पूरे देश के सभी संबंधित हितधारकों से परामर्श करेगा। यह अपनी रिपोर्ट मंत्रालय को तीन महीनों के भीतर सौंपेगा। राज्यों द्वारा अपनाने के लिए मॉडल राज्य सिनेमा नियम सिनेमा और थिएटर का नियमन राज्य सूची के अंतर्गत आता है।

पृथ्वी पर तीन दशकों के सौर तूफानों के तापीय संकेतों से अंतरिक्ष मौसम पूर्वानुमान के लिए नए सुराग मिलते हैं

भारतीय खगोल भौतिकविदों ने इस बात की नई जानकारी हासिल की है कि अंतरग्रहीय कोरोनल मास इजेक्शन (आईसीएमई) नामक बड़े सौर विस्फोट सूर्य से पृथ्वी तक की अपनी यात्रा के दौरान ऊष्मीय रूप से कैसे विकसित होते हैं, और यह ऊष्मीय अवस्था पृथ्वी के चुंबकीय वातावरण को बाधित करने की उनकी क्षमता को कैसे प्रभावित करती है, जो रेडियो संचार, विमानन मार्गों और बिजली ग्रिड को प्रभावित करती है। सूर्य के बाहरी वायुमंडल से निकलने वाले चुंबकीय प्लाज्मा के विशाल विस्फोट (आईसीएमई) अंतरग्रहीय अंतरिक्ष में यात्रा करते हैं। जब ये आईसीएमई हमारी ओर आते हैं और पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र से टकराते हैं, तो वे इसे विक्षुब्ध कर सकते हैं और भूचुंबकीय तूफान उत्पन्न कर सकते हैं। इन तूफानों का उपग्रह संचालन, जीपीएस और रेडियो संचार, विमानन मार्गों और बिजली ग्रिड पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, साथ ही पृथ्वी के ऊपरी वायुमंडल में रंग-बिरंगी प्राकृतिक रौशनियां (अरोरा) भी उत्पन्न होते हैं। सूर्य की गतिविधि का स्तर 11 साल के चक्र में बदलता रहता है, और इन चक्रों के चरम के दौरान अधिक आईसीएमई उत्पन्न होते हैं। वर्तमान चक्र, संख्या 25, का चरम 2025 में था। भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के अधीन एक स्वायत्त संस्थान, भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान (आईआईए), बेंगलुरु की एक शोध टीम ने सूर्य से 1 खगोलीय इकाई (एयू) (पृथ्वी के निकट) पर आईसीएमई के तापीय व्यवहार का पहला दीर्घकालिक सांख्यिकीय अध्ययन किया। इस अध्ययन में 1995 से 2024 तक तीन सौर चक्रों (23, 24 और 25 के उदय चरण) में फैले 29 वर्षों के सार्वजनिक रूप से उपलब्ध प्रेक्षणों का उपयोग किया गया। सौम्यरंजन खुंटिया और वागेश मिश्रा द्वारा किए गए विश्लेषण से सौर गतिविधि चक्र के विभिन्न चरणों और सौर तूफानों की भू-प्रभावशीलता से जुड़े आईसीएमई के लिए विशिष्ट ऊष्मा गतिकीय अवस्थाओं का पता चला। पहले के अधिकांश अध्ययनों में आईसीएमई की गति, चुंबकीय संरचना या विशिष्ट घटनाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया था, लेकिन आईसीएमई के तापीय विकास, यानी अंतरग्रहीय यात्रा के दौरान वे किस प्रकार ऊष्मा प्राप्त करते हैं या खोते हैं, इस विषय पर अभी तक पर्याप्त जानकारी नहीं है। यह नया अध्ययन एल1 (पृथ्वी से 15 लाख किलोमीटर दूर, सूर्य की दिशा में स्थित एक बिंदु) पर उपग्रहों से प्राप्त सौर पवन प्लाज्मा के प्रत्यक्ष मापन का उपयोग करके और एक बहुरूपी ढांचा लागू करके आईसीएमई की तापीय स्थिति को घटना-दर-घटना के आधार पर निर्धारित करके इस कमी को पूरा करता है।

इस अध्ययन में, वैज्ञानिकों ने ओम्नी डेटाबेस (नासा गोडार्ड स्पेस फ्लाइट सेंटर में स्पेस फिजिक्स डेटा फैसिलिटी द्वारा अनुरक्षित) का उपयोग किया, जो एल1 के निकट कई अंतरिक्ष यानों से प्राप्त मापों को मिलाकर पृथ्वी के बो शॉक (वह सीमा जहां तीव्र सौर पवन पहली बार पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र से टकराती है और अचानक विक्षेपित हो जाती है) पर सौर पवन की स्थितियों का विवरण प्रदान करता है। यह डेटासेट नासा सीडीएवेब रिपॉजिटरी से प्राप्त किया गया था। यह डेटा सूर्य से 1 खगोलीय इकाई की दूरी पर पृथ्वी के निकट पहुंचने पर आईसीएमई के गुणों के मापों का एक समृद्ध स्रोत है। वैज्ञानिकों ने गणना की कि प्रत्येक आईसीएमई चुंबकीय इजेक्टा (एमई) के लिए घनत्व के साथ दबाव/तापमान कैसे बदलता है, जिसे तकनीकी रूप से पॉलीट्रोपिक इंडेक्स कहा जाता है, जिसने पृथ्वी के निकट आने पर इन विशाल इजेक्टा के आंतरिक प्लाज्मा के विकास को समझने में मदद की। इस आम धारणा के विपरीत कि सीएमई (सीएमई) विस्तार के साथ ठंडी हो जाती हैं, यह अध्ययन दशार्ता है कि आईसीएमई (आईसीएमई) ऊष्मा गतिक रूप से सक्रिय होती हैं (ऊर्जा हस्तांतरण में भाग लेती हैं)। लगभग 45 प्रतिशत चुंबकीय इजेक्टा 1 एयू पर ऊष्मीकरण के संकेत प्रदर्शित करते हैं, विशेष रूप से सौर अधिकतम के निकट, जो सक्रिय पारगमन तापन प्रक्रियाओं का संकेत देते हैं। विश्लेषण से यह भी पता चलता है कि सौर चक्र 23 में अधिक तापीय अवस्थाओं से सौर चक्र 24 में अधिक शीतलन-प्रधान अवस्थाओं की ओर बदलाव हुआ है। सौर गतिविधि के साथ यह व्यवस्थित परिवर्तन दशार्ता है कि सीएमई का तापीय विकास सौर चुंबकीय वातावरण की वैश्विक स्थिति से प्रभावित होता है, जो सूर्यभौतिकी और अंतरिक्ष मौसम विज्ञान के लिए एक और महत्वपूर्ण नई समझ है। मंथली नोटिसिस ऑफ द रॉयल एस्ट्रोनॉमिकल सोसाइटी (एमएनआरएएस) में प्रकाशित अध्ययन पृथ्वी पर देखे गए सौर तूफानों की तीव्रता या भू-प्रभावशीलता और आईसीएमई की तापीय अवस्था के बीच संबंध स्थापित करता है। सबसे भू-प्रभावी तूफान तापन अवस्था (कम गामा) में आईसीएमई से जुड़े होते हैं और इनकी विशेषता मजबूत चुंबकीय क्षेत्र, कम प्लाज्मा बीटा (चुंबकीय दबाव प्रभुत्व का संकेत), संकुचित आवरण क्षेत्र और बढ़ी हुई विस्तार गति होती है। चित्र : (ए) एससी23, 24 और एससी25 के उदय चरण में तापन और शीतलन एमई की वार्षिक घटना। सुपरइम्पोज्ड एपोच एनालिसिस (एसईए) (बी) पॉलीट्रोपिक इंडेक्स (गामा) और (सी) एसवाईएम-एच पैरामीटर के माध्य मानों को दशार्ता है, जो प्री-आईसीएमई, शीथ, एमई और पोस्ट-आईसीएमई क्षेत्रों में हैं। वक्र दशार्ते हैंः भूरा रंग उच्च-प्रभाव वाले आईसीएमई के लिए और हरित-नीला (सियान) रंग मध्यम-प्रभाव वाले आईसीएमई के लिए। ग्रे या स्लेटी (धूसर) रंग की ऊर्ध्वाधर रेखाएं प्रारंभिक शीथ क्षेत्र को चिह्नित करती हैं, और काली रेखाएं एमई क्षेत्र की सीमाओं को चिह्नित करती हैं। यह संयुक्त तापीय-चुंबकीय दृष्टिकोण एक बहुआयामी नैदानिक ढांचा प्रदान करता है जो अंतरिक्ष मौसम के प्रभावों के पूर्वानुमान में सुधार कर सकता है।"पृथ्वी की ओर आने वाले आईसीएमई के तापीय व्यवहार को समझना अंतरिक्ष मौसम की भविष्यवाणी के लिए

दिल्ली में राष्ट्रीय सम्मेलन: डॉ. मयंक गोयल ने रखे यूपी में हीटवेव प्रबंधन के प्रयास

बागपत रेड क्रॉस के कोषाध्यक्ष ने किया यूपी का प्रतिनिधित्व, विशेषज्ञों ने मॉडल को बताया अनुकरणीय

समाज जागरण

नई दिल्ली/बागपत। जयपी वसंत कॉन्टिनेंटल, नई दिल्ली में भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी द्वारा IFRC और ब्रिटिश रेड क्रॉस के सहयोग से "Learning Exchange on Heat Resilience&Preparedness" कार्यक्रम हुआ। इसमें बागपत रेड क्रॉस के कोषाध्यक्ष डॉ. मयंक गोयल ने उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए हीटवेव प्रबंधन और जागरूकता के कार्यों को राष्ट्रीय मंच पर रखा। कार्यक्रम में देशभर के रेड क्रॉस प्रतिनिधि और आपदा प्रबंधन विशेषज्ञ शामिल हुए। हीट एक्शन प्लान, पूर्व चेतावनी प्रणाली और सामुदायिक भागीदारी पर चर्चा हुई। डॉ. गोयल ने बताया कि यूपी में ORS वितरण, पेयजल व्यवस्था, वाटर मिस्ट सुविधा, पुलिस व फील्ड स्टाफ को राहत सामग्री और जन-जागरूकता अभियान चलाए गए। विशेषज्ञों ने इन पहलों को अन्य राज्यों के लिए प्रेरणादायक मॉडल बताया। उन्होंने जिला धिकारी अस्मिता लाल, मुख्य संयोजक अभिमन्यु गुप्ता और राज्य शाखा सचिव रामानंद कटियार के मार्गदर्शन के लिए आभार जताया। कार्यक्रम में हीटवेव के प्रभाव को कम करने और समुदायों को हीट रेजिलिएंट बनाने का संकल्प लिया गया।

दस दिवसीय योग शिविर का समापन, अतिथियों ने दिया संस्कारवान शिक्षा पर जोर

समाज जागरण

छपरौली। नगर स्थित ऐम एजुकेशन पब्लिक स्कूल में चल रहे दस दिवसीय निःशुल्क योग एवं मेडिटेशन शिविर का भव्य समापन मंगलवार को हुआ। समारोह में आसन, सूर्य नमस्कार, भूमि नमस्कार, जूडो-कराटे, डंबल-लेजियम, लाठी, पिरामिड और लकड़ी मलखम का विशेष प्रदर्शन किया गया। सम्मानित अतिथियों को स्मृति चिन्ह, पगड़ी और पटका पहनाकर सम्मानित किया गया। शिविर में भाग लेने वाले शिक्षकों व शिक्षार्थियों को प्रमाणपत्र और स्मृति चिन्ह दिए गए। वियतनाम से आए मुख्य अतिथि डॉ. शिवम मिश्रा ने कहा, "माता निमार्ता भवति। संस्कारों को पोषित करने वाली वैदिक शिक्षण संस्थाएं ही मानव निर्माण की कार्यशाला हैं। विद्यार्थी जीवन का लक्ष्य संस्कारों से पोषित शिक्षा लेना होना चाहिए। विशिष्ट अतिथि डॉ. तेजबीर सिंह खोखर ने कहा कि युवा पीढ़ी का नशे की ओर बढ़ना दुर्भाग्यपूर्ण है। बच्चों को दुगुर्णों से बचाकर संस्कारवान बनाने से ही अच्छा समाज बनेगा। ऐसे शिविर निरंतर होने चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रवर्धन और संचालन जितेंद्र आर्य ने किया। इस दौरान विश्वास त्यागी, कपिल आचार्य, हरेन्द्र फौजी, रवि शास्त्री, डीजीसी भूपेन्द्र वशिष्ठ, कैप्टन धर्मेंद्र, सोनू कश्यप, नरेन्द्र आर्य,

धर्मेंद्र, विशाल योगी, आरआरडी उपाध्याय, हिमांशु, रामकुमार, ब्रजेश शर्मा, आलोक शास्त्री, जोनी शर्मा, मुकेश, डॉ. रविन्द्र, सविता आर्य, संगीता आदि उपस्थित रहे।

बड़ौत में जिला महिला कांग्रेस का हस्ताक्षर अभियान, महिलाओं ने 33% आरक्षण लागू करने की मांग की

दिल्ली रोड स्थित जिला पार्टी कार्यालय पर हुआ कार्यक्रम; ऑल इंडिया महिला कांग्रेस समन्वयक ज्योत्सना गोगिया बोलीं- सड़क से संसद तक उठाएंगे आवाज

समाज जागरण बड़ौत।

बड़ौत। नगर के दिल्ली रोड स्थित जिला महिला कांग्रेस कमेटी बागपत की अध्यक्ष उर्मिला सिंह के नेतृत्व में जिला पार्टी कार्यालय पर ओबीसी कांग्रेस की महिलाओं ने महिला आरक्षण लागू करने की मांग को लेकर शहर में हस्ताक्षर अभियान चलाया। अभियान की मुख्य अतिथि ऑल इंडिया महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय समन्वयक ज्योत्सना गोगिया ने कहा कि सोनिया गांधी एवं राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण के लिए हो रहे कार्य उचित कदम हैं, लेकिन भाजपा सरकार की गलत नीतियों से बेरोजगारी और सुरक्षा बढ़ी है। रसोई गैस, पेट्रोल-डीजल के दाम आसमान छू रहे हैं जिससे घर चलाना मुश्किल हो गया है। उन्होंने केंद्र सरकार से महंगाई पर नियंत्रण, महिलाओं को 33% आरक्षण और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग की। जिला अध्यक्ष उर्मिला चौधरी ने कहा कि बागपत में पोस्टकार्ड, मिस कॉल और सिग्नेचर अभियान चलाकर भाजपा पर हल्ला बोलते हुए महिला आरक्षण बिल लागू करने की मांग की गई। इस मौके पर पूनम चौधरी, पायल चौधरी, गुड़िया, शबनम, सकीना, राखी, सनम,
रजिया सुल्ताना, बेगम जमीला, फरजाना आदि मौजूद रहीं।

दुकान के बाहर कूड़ा डालते सफाईकर्मी का वीडियो वायरल, कार्रवाई की मांग

समाज जागरण
कांधला।(फुरकान जंग)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीस्वच्छ भारत मिशन के तहत देशभर में स्वच्छता का संदेश दे रहे हैं और इस अभियान पर करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं। इसके बावजूद कस्बे में नगर पालिका के एक सफाईकर्मी द्वारा एक दुकान के बाहर कूड़ा डालने का वीडियो वायरल हुआ है। सफाई कर्मी के द्वारा कूड़ा डालते हुए वीडियो सीसीटीवी कैमरे में कैद होने के बाद सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। दुकानदार ने संबंधित सफाईकर्मी के खिलाफ कार्रवाई और कूड़ा हटवाने की मांग की है।नगर पालिका द्वारा नगर की साफ-सफाई के लिए अलग-अलग वार्डों और गलियों में सफाईकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। मंगलवार को कैराना बस स्टैंड के समीप स्थित एक दुकानदार ने सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर साझा करते हुए आरोप लगाया कि एक सफाईकर्मी प्रतिदिन आसपास से कूड़ा एकत्र कर उसकी दुकान के बाहर डाल देता है। इससे दुकान के सामने गंदगी का अंबार लग जाता है और ग्राहकों को भी परेशानी का सामना करना पड़ता है।दुकानदार नदीम का आरोप है कि कई बार मना करने के बावजूद सफाईकर्मी अपनी हरकत से बाज नहीं आ रहा है। उन्होंने सफाई कर्मी की हरकत का वीडियो सोशल मीडिया पर जारी कर नगर पालिका प्रशासन से संबंधित कर्मचारी के खिलाफ कार्रवाई करने और समस्या का समाधान कराने की मांग की है।पालिका अध्यक्ष नजमुल इस्लाम ने कहा कि नगर में किसी भी कीमत पर गंदगी फैलने नहीं दी जाएगी। यदि वायरल वीडियो की जांच में सफाईकर्मी की लापरवाही सामने आती है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जयंती संस्मरण पखवाड़ा: बड़ौत में भाजपा जिला कार्यकर्ता सम्मेलन संपन्न, राज्यमंत्री जसवंत सिंह सैनी बोले- मिशन 2027 के लिए जुट जाएं

समाज जागरण बड़ौत।

बड़ौत। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जयंती संस्मरण पखवाड़ा के अंतर्गत भारतीय जनता पार्टी, जिला बागपत द्वारा नगर के दिगम्बर जैन इंटर कॉलेज स्थित अजितनाथ सभागार में जिला कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पंडित दीनदयाल उपाध्याय, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और भारत माता के चित्रों के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया और अध्यक्षता जिलाध्यक्ष नीरज शर्मा ने की। मुख्य अतिथि प्रदेश सरकार में राज्यमंत्री व जनपद प्रभारी मंत्री जसवंत सिंह सैनी ने कहा कि डॉ. मुखर्जी का जीवन राष्ट्र की एकता-अखंडता को समर्पित रहा और उनके बलिदान को देश नहीं भूल सकता। उन्होंने कश्मीर में धारा-370 का विरोध किया, जिसके विचारों को आगे बढ़ाते हुए पीएम मोदी के नेतृत्व में धारा-370 हटाई गई। सैनी ने कार्यकर्ताओं से मिशन 2027 के लिए अभी से जुटकर बागपत की तीनों विधानसभाओं पर प्रचंड बहुमत से कमल खिलाने का आह्वान किया। बड़ौत विधायक केपी मलिक ने कहा कि भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी डॉ. मुखर्जी की प्रेरणा से बनी है और 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान में कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढ़कर वृक्षारोपण किया। जिलाध्यक्ष नीरज शर्मा ने बूथ कार्यकर्ता को पार्टी की असली ताकत बताते हुए 2027 में यूपी में फिर भाजपा सरकार बनाने का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री अमित चौधरी ने किया और इसमें चन्द्रमोहन, योगेश धामा, लोकेश दीक्षित, अमित राणा, शिवेंदु दत्त शर्मा सहित सैकड़ों पदाधिकारी-कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बागपत कांग्रेस नेताओं ने दिल्ली में राजेंद्र पाल गौतम को यूपी कांग्रेस प्रभारी बनने पर दी बधाई

पूर्व जिलाध्यक्ष चौ. रामकुमार सिंह और शहर अध्यक्ष रामहरि पंवार कार्यकर्ताओं संग २४ अकबर रोड पहुंचे; पुष्प भेंट-मिष्ठान्न खिलाकर जताई खुशी

समाज जागरण बड़ौत।

बड़ौत। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पूर्व प्रदेश महासचिव एवं निवर्तमान जिला अध्यक्ष बागपत चौधरी राम कुमार सिंह और युवा नेता बड़ौत शहर कांग्रेस अध्यक्ष रामहरि पंवार ने कार्यकताओं के साथ 24 अकबर रोड दिल्ली पहुंचकर कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी, सांसद प्रियंका गांधी और प्रतिपक्ष नेता राहुल गांधी के निर्देश पर अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष, दिल्ली में रहे पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं जनपद बागपत के ग्वाली खेड़ा निवासी राजेंद्र पाल गौतम को उत्तर प्रदेश कांग्रेस का प्रभारी बनाए जाने पर पुष्प भेंट कर मिष्ठान्न खिलाते हुए शुभकामनाएं दीं। कांग्रेसजनों में खुशी की लहर है। बधाई देने वालों में रविंद्र तोमर, धर्मपाल सिंह, प्रमेन्द्र आदि उपस्थित रहे।

बड़ौत तहसील में छात्रों का प्रदर्शन, कोचिंग-लाइब्रेरी खोलने की मांग को लेकर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

समाजसेवी मोहित चौहान के नेतृत्व में नारेबाजी; छात्रों ने कहा- प्रतियोगी परीक्षा सिर पर, फीस जमा के बाद भी संस्थान सील से भविष्य अधर में

समाज जागरण बड़ौत।

बड़ौत। मंगलवार को बड़ौत तहसील में समाजसेवी मोहित चौहान के नेतृत्व में बड़ी संख्या में छात्रों ने प्रदर्शन करते हुए एसडीएम भावना सिंह को ज्ञापन सौंपा। छात्रों ने बताया कि शहर के अंदर सभी कोचिंग सेंटर, कंप्यूटर सेंटर और लाइब्रेरी मानक पूरे कराकर खोलने के आदेश कराए जाएं, क्योंकि प्रतियोगी परीक्षाएं सिर पर हैं और संस्थानों पर सील लगने से उनका भविष्य अधर में लटक गया है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि सभी छात्र-छात्राओं ने कोचिंग सेंट्रो पर अपनी फीस जमा कर रखी है, ऐसे में बंदी से उन्हें भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। नारेबाजी करते हुए तहसील परिसर पहुंचे छात्रों ने दिशा-निर्देश देकर सभी सेंटर चालू करने की मांग की। ज्ञापन देने वालों में अभिनव कुमार, गौरव चौधरी, प्रशांत चौधरी, गोविंद सिंह, अमित चौहान, विनीत कुमार, आर्यन कुमार, कमल कुमार, नदीम चौधरी, शहजाद चौधरी, सुरेंद्र सिंह, दीपक कुमार, रमेश तोमर, विक्रांत तोमर, जितेंद्र तोमर आदि छात्र मौजूद रहे।

शाहपुर विकास खण्ड में इनाम खां को दी गई भावपूर्ण विदाई, सेवानिवृत्ति पर कर्मियों ने किया सम्मान

खंड विकास अधिकारी परसुराम की अध्यक्षता में विदाई समारोह; मितेंदर कुमार और हरीश चंद्रा ने मधुर व्यवहार व कर्तव्यनिष्ठा की सराहना की

समाज जागरण बड़ौत।

शाहपुर। शाहपुर क्षेत्र के विकास खण्ड में खण्ड विकास अधिकारी परसुराम की अध्यक्षता में और फिरोज चंद्रा के संचालन में विदाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर इनाम खां को विकास खण्ड परिवार की ओर से भावपूर्ण विदाई दी गई। मितेंदर कुमार ने उनके मधुर व्यवहार की प्रशंसा की, वहीं हरीश चंद्रा ने इनाम खां को कर्तव्यनिष्ठ बताया। सहायक विकास अधिकारी अजय कुमार ने प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित करते हुए सेवानिवृत्ति पर हार्दिक शुभकामनाएं दीं। बीडीओ साहब ने भी उनके अच्छे व्यवहार की सराहना की। इस मौके पर ओमदत्त एडीओ, धर्मदत एडीओ, रितु जेई, संजीव कुमार, देसपाल सिंह, ओअरविन्द मलिक, ललित बालियान, अनुज मलिक, शशांक मलिक, पुनीत मलिक, मनु शर्मा, शिव कुमार सैनी, रचना, लक्ष्य भाट्टीया, प्रवीण कुमार, रामेश्वर प्रधान, इकराम, रिटायर्ड नायब तहसीलदार इरशाद,
इरफान अली, सुधीर कुमार, राजू, बिट्ठू, लोचन, लव कुमार, अमित, रोहित, विनय कुमार आदि उपस्थित रहे।

वारंटियों के खिलाफ पुलिस का अभियान, छह अभियुक्त गिरफ्तार कर भेजे जेल

समाज जागरण
कांधला।(फुरकान जंग)

पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जनपदभर में चलाए जा रहे वारंटी एवं वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी अभियान के तहत पुलिस ने कार्रवाई करते हुए छह वारंटियों को गिरफ्तार कर लिया। सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। मंगलवार थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार ने बताया कि वरिष्ठ अधिकारियों के निदेशार्नुसार थाना क्षेत्र में वारंटियों और वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के दौरान पुलिस टीम ने थाना क्षेत्र के अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर छह अभियुक्तों को गिरफ्तार किया।गिरफ्तार किए गए आरोपियों में गांव गढ़ी दौलत निवासी अभिषेक पुत्र विजयपाल, आरिफ पुत्र इरफान और सामा उर्फ ओसामा पुत्र इरफान, कस्बा कांधला के मोहल्ला रायजादगान निवासी भूरा पुत्र सेवाराम एवं गजल पुत्र रणवीर, तथा मोहल्ला मौलानान निवासी गुलजार उर्फ गुल्लू पुत्र सरफराज शामिल हैंथाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि सभी गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध न्यायालय से वारंट जारी थे। आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करने के बाद सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। उन्होंने कहा कि वारंटियों और वांछित अपराधियों के विरुद्ध पुलिस का विशेष अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

बड़ौत में नेहरू रोड पर विद्युत ट्रांसफार्मर धू-धू कर जला, अफरा-तफरी का माहौल

सी-फील्ड के पास ट्रांसफार्मर में लगी आग, ओवरलोडिंग की आशंका; सुरक्षा में काटी बिजली, कोई हताहत नहीं

समाज जागरण बड़ौत।

बड़ौत। नगर के नेहरू रोड पर सी-फील्ड के पास रखा विद्युत ट्रांसफार्मर मंगलवार को अचानक धू-धू कर जल उठा। ट्रांसफार्मर से उठती ऊंची लपटें और धुएं का गुबार देखकर आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आग ने तेजी से विकराल रूप ले लिया। सूचना पर बिजली विभाग को जानकारी दी गई और सुरक्षा की दृष्टि से विद्युत आपूर्ति बंद कराई गई, जिससे बड़ा हादसा टल गया। घटना के कारण आसपास के क्षेत्र की बिजली आपूर्ति प्रभावित रही। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है, प्रारंभिक तौर पर तकनीकी खराबी या ओवरलोडिंग की आशंका जताई जा रही है। राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। बिजली विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और जल्द ट्रांसफार्मर बदलकर विद्युत आपूर्ति बहाल करने की बात कही।

जनता वैदिक कॉलेज बड़ौत में प्रो. गजेन्द्र प्रताप सिंह ने संभाला कार्यवाहक प्राचार्य का पदभार

प्रबन्ध समिति की बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित; निवर्तमान प्राचार्य डॉ. वीरेन्द्र प्रताप सिंह की सेवानिवृत्ति के बाद वरिष्ठतम शिक्षक को मिला कार्यभार

समाज जागरण

बड़ौत (बागपत)। जनता वैदिक कॉलेज, बड़ौत में मंगलवार को प्रशासनिक स्तर पर बड़ा बदलाव हुआ। प्रबन्ध समिति की आवश्यक बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव संख्या 02 पारित कर निवर्तमान प्राचार्य डॉ. वीरेन्द्र प्रताप सिंह की सेवानिवृत्ति के क्रम में उ.प्र. राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 एवं चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ परिनियमावली की धारा 13.20 के

तहत व्यवस्था सुनिश्चित की गई। इसके तहत महाविद्यालय के वरिष्ठतम शिक्षक प्रो. (डॉ.) गजेन्द्र प्रताप सिंह, विभागाध्यक्ष कृषि प्रसार विभाग, को जनता वैदिक कॉलेज बड़ौत के कार्यवाहक प्राचार्य का समस्त कार्यभार आधिकारिक रूप से हस्तांतरित किया गया। इस अवसर पर प्रबन्ध समिति के सदस्यों और कॉलेज स्टाफ ने डॉ. वीरेन्द्र प्रताप सिंह को विदाई दी तथा प्रो. गजेन्द्र प्रताप सिंह को कार्यभार संभालने पर बधाई दी।

शाहपुर में वाल्मीकि विचार गोष्ठी, शिक्षा-रोजगार और नशा मुक्ति पर जोर

वाल्मीकि धर्मशाला में हुई समाज की बैठक; मुख्य अतिथि डॉ. धर्मवीर और प्रो. अजय कुमार बहोत ने वीरसेन कैप्टन को पगड़ी पहनाकर किया सम्मानित

समाज जागरण बड़ौत।

शाहपुर। शाहपुर क्षेत्र के वाल्मीकि धर्मशाला में भारतीय समाज वाल्मीकि कल्याण मंदिर समिति के तत्वाधान में समाज की मीटिंग आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता वीरसेन कैप्टन ने की और संचालन अर्जुन राजोरिया ने किया। मुख्य अतिथि डॉ. धर्मवीर और प्रोफेसर अजय कुमार बहोत ने वीरसेन कैप्टन को पगड़ी पहनाकर एवं सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया।

गोष्ठी में केपी डिगान ने शिक्षा, रोजगार और नशा मुक्ति पर बल दिया। जिला महामंत्री राममेहर सिंह ने बच्चों को शिक्षित करने पर जोर दिया, जबकि अमर सिंह ने समाज को संगठित करने और रामपाल सिंह एडवोकेट ने बेरोजगारी दूर करने का आह्वान किया। इस अवसर पर अजीत डिगान, लक्ष्मण चौहा, संजय सोदाई, रविन्द्र अटाली, राधे श्याम सिंह, साधु राम, ओमपाल मेहरा, सुनील लखा, राजेश गिरी महाराज, सुनील डिगान, अनुज कुमार, प्रदीप रामकिशोर, पर्चा अमरीश, धवन शुभम, सचिन धवन, राजकुमार, मोहर सिंह आदि उपस्थित रहे।

आज 1 जुलाई, 2026 से लागू होगा वीबी-जी राम-जी अधिनियम; "कोई भी पात्र ग्रामीण श्रमिक एक भी दिन काम से वंचित न रहे" : श्री शिवराज सिंह चौहान

ग्रामीण परिवारों को मिलेगा 125 दिनों के रोजगार का वैधानिक अधिकार: शिवराज सिंह चौहान देशभर में सुचारु क्रियान्वयन के लिए सभी तैयारियां पूरी: शिवराज सिंह चौहान वीबी-जी राम-जी अधिनियम के निर्बाध क्रियान्वयन के लिए राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों को ₹95, 692.31 करोड़ की अंतरिम राशि पहले ही आवंटित

विकसित भारतझगारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) [वीबी-जी राम-जी] अधिनियम, 2025 1 जुलाई, 2026 से पूरे देश के ग्रामीण क्षेत्रों में लागू होगा। यह अधिनियम ग्रामीण रोजगार, आजीविका सुरक्षा और गांवों के सतत विकास को नई मजबूती देगा। इसके तहत पात्र ग्रामीण परिवारों के लिए रोजगार की वैधानिक गारंटी 100 दिनों से बढ़ाकर 125 दिन कर दी गई है। अधिनियम के देशव्यापी क्रियान्वयन से पहले केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कोई भी पात्र ग्रामीण श्रमिक एक भी दिन काम से वंचित न रहे, यह सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के साथ मिलकर अधिनियम के सुचारु क्रियान्वयन के लिए सभी प्रशासनिक, वित्तीय और तकनीकी तैयारियां पूरी कर ली हैं। श्री चौहान ने कहा, "हमारी प्राथमिकता है कि कोई भी पात्र ग्रामीण श्रमिक एक भी दिन काम से वंचित न रहे। केंद्र और राज्यों ने मिलकर वीबी-जी राम-जी अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली हैं। पर्याप्त वित्तीय संसाधन उपलब्ध करा दिए गए हैं, पूरी व्यवस्था तैयार है और चल रहे सभी कार्य बिना किसी बाधा के जारी रहेंगे। रोजगार की गारंटी को 125 दिनों तक बढ़ाने से ग्रामीण परिवारों की आजीविका और मजबूत होगी, टिकाऊ सामुदायिक परिसंपत्तियों का निर्माण होगा तथा विकसित भारत के लक्ष्य को गति मिलेगी।"देशभर में अधिनियम के सुचारु क्रियान्वयन के लिए केंद्र सरकार ने राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को ₹95, 692.31 करोड़ की अंतरिम राशि पहले ही आवंटित की जा चुकी है। इससे अधिनियम लागू होने के पहले दिन से ही रोजगार उपलब्ध कराने, समय पर मजदूरी का भुगतान सुनिश्चित करने और विकास कार्यों को बिना किसी बाधा के जारी रखने में मदद मिलेगी। सरकार ने नए ढांचे में निर्बाध बदलाव (सीमलेस ट्रांजिशन) सुनिश्चित किया है। पहले से चल रहे सभी कार्य जारी रहेंगे। जिन श्रमिकों का ई-केवाईसी पूरा हो चुका है, उनके मौजूदा जॉब कार्ड ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्ड जारी होने तक मान्य रहेंगे, ताकि रोजगार और मजदूरी भुगतान में किसी प्रकार की रुकावट न आए। इस अधिनियम में ग्राम पंचायतों की भूमिका को और अधिक मजबूत किया गया है। इसके तहत टिकाऊ परिसंपत्तियों का निर्माण, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण, जल संरक्षण, कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों को बढ़ावा, ग्रामीण आधारभूत ढांचे का विकास, स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं का सशक्तिकरण, विभिन्न सरकारी योजनाओं का बेहतर समन्वय तथा प्रौद्योगिकी आधारित पारदर्शी व्यवस्था पर विशेष जोर दिया गया है। वीबी-जी राम-जी अधिनियम का लागू होना ग्रामीण विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे गांवों में आजीविका के अवसर बढ़ेंगे, टिकाऊ परि संपत्तियों का निर्माण होगा और आत्मनिर्भर, समृद्ध एवं सशक्त ग्रामीण भारत के निर्माण को नई गति मिलेगी। राष्ट्रीय ग्रामीण विकास सम्मेलन में राज्यों ने वीबी-जी राम-जी के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जताई प्रतिबद्धता आपको बता दें कि नई दिल्ली में 28-29 जून को आयोजित राष्ट्रीय ग्रामीण विकास सम्मेलन में 29 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के ग्रामीण विकास मंत्रियों ने भाग लिया। सभी राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों ने अधिनियम को जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई तथा बताया कि आवश्यक तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई हैं।

हूल दिवस पर विधायक सविता महतो ने वीर शहीद सिदो-कान्हु, फूलो-झानो की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दी श्रद्धांजलि

समाज जागरण, संवाददाता

चांडिलः हूल दिवस के अवसर पर मंगलवार को ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र की विधायक सविता महतो ने झामुमो नेताओं एवं कार्यकताओं के साथ चांडिल गोलचक्कर स्थित वीर शहीद सिदो-कान्हु की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद उन्होंने चौका के टुईटुंगरी मोड़ स्थित वीरांगना फूलो-झानो की प्रतिमा पर भी माल्यार्पण किया। वहीं नीमडीह प्रखंड के पाढ़कीडीह तथा कुकड़ू प्रखंड के सिंदूरपुर और हाईतिरुल गांव में स्थापित वीर शहीद सिदो-कान्हु की प्रतिमाओं पर भी श्रद्धासुमन अर्पित कर नमन किया। इस दौरान सिंदूरपुर में विधायक सविता महतो ने वीर शहीद सिदो-कान्हुके आदमकद मूर्ति का अनावरण किया। इस अवसर पर विधायक सविता महतो ने कहा कि वीर शहीदों का बलिदान कभी व्यर्थ नहीं जाएगा। उनके सपनों का झारखंड बनाने के लिए हम सभी को मिलकर कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि 30 जून 1855 को जल, जंगल और जमीन की रक्षा तथा शोषण और अत्याचार के खिलाफ अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध हूल विद्रोह का बिगुल फूंकने वाले अमर वीर शहीद सिदो-कान्हु, चांद-भैरव, फूलो-झानो सहित हजारों शहीदों का बलिदान सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। उन्होंने सभी वीर शहीदों को हूल जोहार अर्पित करते हुए कहा कि झारखंड के वीर सपूतों का संघर्ष आने वाली पीढ़ियों को न्याय, स्वाभिमान और अधिकारों की रक्षा के लिए प्रेरित करता रहेगा। इस मौके पर अनुमंडल पदाधिकारी नितिन शिवम गुप्ता, डीएसपी शिव प्रकाश कुमार, बीडीओ तालेश्वर रविदास, जिला परिषद सदस्य पिंकी लायेक, झामुमो केंद्रीय सदस्य चारु चांद किस्कू, ओम प्रकाश लायेक, काबलू महतो, जिला सचिव बैद्यनाथ टुडू, प्रखंड अध्यक्ष कृष्णा किशोर महतो, सचिन गोप, कित्तीवास महतो, अरुण टुडू, धर्मु गोप, अर्जुन सिंह मुंडा, समर भुईयां, अजीत सिंह मुंडा, श्रीकांत महतो, नव किशोर हांसदा सहित बड़ी संख्या में झामुमो नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

नारायण प्राइवेट आईटीआई, लुपुंगडीह-चांडिल में हूल दिवस श्रद्धापूर्वक मनाया गया

सिद्धू कानू के संघर्ष को भारत भुला नहीं सकता - डॉ जटाशंकर पांडे

समाज जागरण, संवाददाता

चांडिल : नारायण प्राइवेट आईटीआई, लुपुंगडीह-चांडिल में हूल दिवस श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में संस्थान के संस्थापक डॉ. जटाशंकर पांडे ने महान स्वतंत्रता सेनानी सिद्धो-कान्हू, चाँद एवं भैरव मुर्मू के अद्वितीय बलिदान एवं संघर्ष को स्मरण करते हुए उनके जीवन पर विस्तार से प्रकाश डाला।

डॉ. पांडे ने कहा कि 30 जून 1855 को सिद्धो-कान्हू के नेतृत्व में प्रारंभ हुआ हूल आंदोलन अंग्रेजी शासन, जमींदारी प्रथा एवं महाजनी शोषण के विरुद्ध आदिवासी समाज का ऐतिहासिक जनविद्रोह था।

यह आंदोलन भारत के स्वतंत्रता संग्राम की महत्वपूर्ण कड़ी माना जाता है। सिद्धो-कान्हू, चाँद एवं भैरव ने अपने प्राणों का बलिदान देकर जल, जंगल और जमीन की रक्षा तथा स्वाभिमान के लिए संघर्ष का अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत किया।

उन्होंने कहा कि हूल दिवस हमें अपने इतिहास, संस्कृति और वीर स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग एवं बलिदान से प्रेरणा लेने का अवसर प्रदान करता है। युवाओं को उनके आदर्शों को अपनाते हुए राष्ट्र निर्माण एवं सामाजिक समरसता के लिए कार्य करना चाहिए।

डॉ जटाशंकर पांडे ने उल्लेख करते हुए ये भी कहा कि हूल क्रांति (1855) का नेतृत्वऐतिहासिक सभाः 30 जून 1855 को भोगनाडीह में उनके आह्वान पर 50,000 से अधिक संथाल पारंपरिक हथियारों (तीर-धनुष, भाला) के साथ एकत्र हुए।

सिदो-कान्हू ने "अपना देश, अपना राज्य" और अंग्रेजों के खिलाफ 'करेंगे या मरेंगे' का नारा दिया।

उनके नेतृत्व में आदिवासियों ने ब्रिटिश छावनियों, रेल लाइनों और जमींदारों के महलों पर हमला कर दिया।

इस कुशल नेतृत्व के आगे आधुनिक हथियारों से लैस ब्रिटिश सेना को भी शुरूआत में पीछे हटना पड़ा था।

कार्यक्रम में संस्थान के शिक्षकगण, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राओं ने महान वीर शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर मुख्य रूप से उपस्थित रहे एडवोकेट निखिल कुमार प्राचार्य जयदीप पांडे शांति राम महतो प्रकाश महतो, देवाशीष मंडल, शुभम साहू, शशि भूषण महतो, पवन महतो,कृष्णा पद महतो, गौरव महतो, एवं भारी संख्या में लोग मौजद रहे।

हूल दिवस पर आजसू पार्टी ने दी शहीद सिदो-कान्हू को श्रद्धांजलि

समाज जागरण, संवाददाता

अंग्रेजी हुकूमत, जमींदारों के शोषण और अन्याय के विरुद्ध 1855 की ऐतिहासिक 'हूल क्रांति' का शंखनाद करने वाले अमर क्रांतिकारी शहीद सिदो-कान्हू, चांद-भैरव तथा वीरांगनाओं फूलो-झानो के बलिदान दिवस

'हूल दिवस' के अवसर पर मंगलवार को आजसू पार्टी ने श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके योगदान को याद किया।

चांडिल के चिलगु स्थित आजसू पार्टी के प्रधान कार्यालय में केंद्रीय महासचिव हरेलाल महतो के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में कार्यकताओं ने शहीद सिदो-कान्हू के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर हरेलाल महतो ने कहा कि भारत की आजादी की लड़ाई में झारखंड के वीर सपूतों का योगदान अतुलनीय और प्रेरणादायी रहा है। अंग्रेजी शासन के अत्याचार, शोषण और अन्याय के विरुद्ध सिदो-कान्हू, चांद-भैरव तथा फूलो-झानो ने जिस साहस और त्याग का परिचय दिया, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

उन्होंने कहा कि आज की युवा पीढ़ी को हूल क्रांति के इतिहास और हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष से अवगत कराना समय की आवश्यकता है, ताकि उनके बलिदान और आदर्शों को सदैव स्मरण रखा जा सके।

कार्यक्रम में पूर्व चांडिल प्रमुख अमला मुर्मू, भीम महापात्र, देवराज महतो, हिमेश महतो सहित आजसू पार्टी के कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नारायण प्राइवेट आईटीआई, लुपुंगडीह-चांडिल में हूल दिवस श्रद्धापूर्वक मनाया गया

सिद्धू कानू के संघर्ष को भारत भुला नहीं सकता - डॉ जटाशंकर पांडे

समाज जागरण, संवाददाता

चांडिल : नारायण प्राइवेट आईटीआई, लुपुंगडीह-चांडिल में हूल दिवस श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में संस्थान के संस्थापक डॉ. जटाशंकर पांडे ने महान स्वतंत्रता सेनानी सिद्धो-कान्हू, चाँद एवं भैरव मुर्मू के अद्वितीय बलिदान एवं संघर्ष को स्मरण करते हुए उनके जीवन पर विस्तार से प्रकाश डाला।

डॉ. पांडे ने कहा कि 30 जून 1855 को सिद्धो-कान्हू के नेतृत्व में प्रारंभ हुआ हूल आंदोलन अंग्रेजी शासन, जमींदारी प्रथा एवं महाजनी शोषण के विरुद्ध आदिवासी समाज का ऐतिहासिक जनविद्रोह था।

यह आंदोलन भारत के स्वतंत्रता संग्राम की महत्वपूर्ण कड़ी माना जाता है। सिद्धो-कान्हू, चाँद एवं भैरव ने अपने प्राणों का बलिदान देकर जल, जंगल और जमीन की रक्षा तथा स्वाभिमान के लिए संघर्ष का अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत किया।

उन्होंने कहा कि हूल दिवस हमें अपने इतिहास, संस्कृति और वीर स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग एवं बलिदान से प्रेरणा लेने का अवसर प्रदान करता है। युवाओं को उनके आदर्शों को अपनाते हुए राष्ट्र निर्माण एवं सामाजिक समरसता के लिए कार्य करना चाहिए।

डॉ जटाशंकर पांडे ने उल्लेख करते हुए ये भी कहा कि हूल क्रांति (1855) का नेतृत्वऐतिहासिक सभाः 30 जून 1855 को भोगनाडीह में उनके आह्वान पर 50,000 से अधिक संथाल पारंपरिक हथियारों (तीर-धनुष, भाला) के साथ एकत्र हुए।

सिदो-कान्हू ने "अपना देश, अपना राज्य" और अंग्रेजों के खिलाफ 'करेंगे या मरेंगे' का नारा दिया।

उनके नेतृत्व में आदिवासियों ने ब्रिटिश छावनियों, रेल लाइनों और जमींदारों के महलों पर हमला कर दिया।

इस कुशल नेतृत्व के आगे आधुनिक हथियारों से लैस ब्रिटिश सेना को भी शुरूआत में पीछे हटना पड़ा था।

कार्यक्रम में संस्थान के शिक्षकगण, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राओं ने महान वीर शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर मुख्य रूप से उपस्थित रहे एडवोकेट निखिल कुमार प्राचार्य जयदीप पांडे शांति राम महतो प्रकाश महतो, देवाशीष मंडल, शुभम साहू, शशि भूषण महतो, पवन महतो,कृष्णा पद महतो, गौरव महतो, एवं भारी संख्या में लोग मौजद रहे।

हूल दिवस पर झामुमो ने वीर शहीद सिदो-कान्हू को दी श्रद्धांजलि, विक्टर सोरेन बोले - उनकी विरासत को मिटाने की हर कोशिश होगी विफल

समाज जागरण चांद कुमार लायेक (ब्यूरो चीफ)

जमशेदपुर हूल दिवस के अवसर पर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के जिला संपर्क कार्यालय में वीर शहीद सिदो-कान्हू, चाँद-भैरव तथा फूलो-झानो को श्रद्धापूर्वक याद किया गया। इस अवसर पर आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में झामुमो के नेताओं एवं कार्यकताओं ने वीर शहीद सिदो-कान्हू की प्रतिमा और तस्वीर पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने संथाल हूल आंदोलन के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए शहीदों के बलिदान को आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बताया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए झामुमो के पूर्वी सिंहभूम जिला अध्यक्ष विक्टर सोरेन ने कहा कि वर्ष 1855 में वीर सिदो-कान्हू, चाँद-भैरव और फूलो-झानो के नेतृत्व में शुरू हुआ संथाल हूल भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास का एक महत्वपूर्ण अध्याय है। उन्होंने कहा कि अंग्रेजी शासन की दमनकारी नीतियों के खिलाफ आदिवासी समाज ने संगठित होकर जो संघर्ष किया, उसने ब्रिटिश शासन की नींव को हिला दिया था। यह आंदोलन केवल राजनीतिक आजादी का संघर्ष नहीं था, बल्कि जल, जंगल और जमीन की रक्षा, सामाजिक सम्मान और स्वाभिमान की लड़ाई भी था।

विक्टर सोरेन ने कहा कि इन महान क्रांतिकारियों ने अपने समाज और आने वाली पीढ़ियों के अधिकारों की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। उनका बलिदान आज भी पूरे झारखंड और देशवासियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि हूल दिवस केवल एक स्मृति दिवस नहीं, बल्कि अन्याय और शोषण के खिलाफ संघर्ष का संकल्प दोहराने का अवसर भी है।

इस दौरान उन्होंने सरकार पर भी निशाना साधते हुए कहा कि आजादी के सात दशक बाद भी यदि लोगों को अपने ही वीर शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए प्रशासन से अनुमति लेनी पड़े और बॉन्ड भरना पड़े, तो यह लोकतांत्रिक व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है। उन्होंने कहा कि सत्ता के अहंकार में डूबी सरकार को यह नहीं भूलना चाहिए कि अब न तो ब्रिटिश साम्राज्यवाद का दौर है और न ही राजतंत्र का शासन। लोकतंत्र में जनता की भावनाओं और महान स्वतंत्रता सेनानियों के सम्मान का पूरा ध्यान रखा जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि वीर सिदो-कान्हू की विरासत को मिटाने या उनके इतिहास को कमजोर करने की किसी भी कोशिश को झारखंड की जनता कभी सफल नहीं होने देगी। राज्य के लोगों के दिलों में इन महान शहीदों के प्रति सम्मान सदैव बना रहेगा और उनकी गौरवगाथा आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचती रहेगी।

कार्यक्रम में झामुमो के 20 सूत्री सदस्य प्रमोद लाल ने भी अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि वीर शहीद सिदो-कान्हू ने आदिवासी समाज के सम्मान, अधिकार और स्वाभिमान की रक्षा के लिए ऐतिहासिक संघर्ष किया था। उनके नेतृत्व में हुआ हूल आंदोलन सामाजिक न्याय, समानता और आत्मसम्मान का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि समाज और राज्य के समग्र विकास के लिए शहीदों द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलना आवश्यक है।

प्रमोद लाल ने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि वे हूल आंदोलन के इतिहास का अध्ययन करें और वीर शहीदों के बलिदान से प्रेरणा लेकर समाज के विकास और अपने अधिकारों की रक्षा के लिए सकारात्मक भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि इतिहास से मिलने वाली प्रेरणा ही भविष्य को मजबूत बनाती है।

श्रद्धांजलि कार्यक्रम में उपस्थित सभी नेताओं, पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने वीर शहीदों के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया तथा उनके आदर्शों पर चलने का सामूहिक संकल्प लिया। कार्यक्रम का वातावरण देशभक्ति, आदिवासी गौरव और शहीदों के प्रति सम्मान की भावना से ओत-प्रोत रहा। अंत में सभी ने हूल आंदोलन के महानायकों के संघर्ष और बलिदान को सदैव स्मरण रखने तथा उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प दोहराया।

मेहरमा में धूमधाम से मनाया गया हुल दिवस

समाज जागरण

गोड्डा मेहरमा प्रखंड में मंगलवार को फूल दिवस धूमधाम से मनाई गई इस दौरान झामुम कार्यकताओं ने स्थानीय मेला मैदान से रैली निकाला जो सिदो-कान्हू अमर रहे, फूलों झानो अमर रहे, चांद भैरव अमर रहे, दिशोम गुरु शिबू सोरेन अमर रहें, भगवान बिरसा मुंडा अमर रहें, हेमंत सोरेन जिन्दाबाद, झारखंड मुक्ति मोर्चा जिन्दाबाद सहित अन्य का नारा लगाते हुए स्थानीय

बाराहाट बजार होते हुए पिरोजपुर चौक पर पहुंचकर राम बाबा मंजू मरंडी एवं हडमा किस्कू के द्वारा आदिवासी रीति रिवाज से पूजा अर्चना किया गया। तत्पश्चात कार्यकताओं ने वीर शहीद शिरो कानों की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर तथा पुष्पित कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया।इस दौरान पार्टी के जिला कोषाध्यक्ष महेंद्र उराव, निवर्तमान बीससूत्री अध्यक्ष शशांक शेखर सिन्हा,झामुमो प्रखंड अध्यक्ष शत्रुघ्न सिंह, जिला समिति सदस्य गुलजारी लाल दास, धर्मेन्द्र तीर्कि, पंकज दास, ईश्वर मरंडी,सुधांशु पासवान, हरीनंदन उरांव, ताला टुडू, मिथलेश दास व सामाजिक कार्यकर्ता पंकज कुमार अतुल ने माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया तथा उनके बताए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया।प्रखंड अध्यक्ष शत्रुघ्न सिंह की ओर से उपस्थित गणमान्य को अंग वस्त्र से सम्मानित किया गया। बीडीओ अभिनव कुमार, मनरेगा बीपीओ अजीत सिंह व अन्य प्रखंड कर्मियों ने भी वीर शहीद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धासुमन सुमन अर्पित किया।

हिमांशु हत्याकांड में बड़ी कार्रवाईः बिष्टुपुर थाना प्रभारी आलोक दुबे निलंबित, निरंजन कुमार बने नए थाना प्रभारी

समाज जागरण चांद कुमार लायेक (ब्यूरो चीफ)

जमशेदपुर बिष्टुपुर थाना क्षेत्र स्थित डीडी (ऊ) बार के सामने हुए चर्चित हिमांशु हत्याकांड मामले में पूर्वी सिंहभूम पुलिस प्रशासन ने बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई करते हुए तत्कालीन जिम्मेदार अधिकारियों पर सख्त रुख अपनाया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) ने मामले में बिष्टुपुर थाना प्रभारी आलोक दुबे की जिम्मेदारी तय करते हुए उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। एसएसपी की ओर से जारी आदेश में स्पष्ट कहा गया है कि थाना प्रभारी के रूप में अपने कर्तव्यों के निर्वहन में लापरवाही बरतने के कारण उनके विरुद्ध यह कार्रवाई की गई है।

एसएसपी के आदेश के साथ ही पुलिस निरीक्षक निरंजन कुमार को तत्काल प्रभाव से बिष्टुपुर थाना का नया थाना प्रभारी नियुक्त किया गया है। उन्हें जल्द से जल्द पदभार ग्रहण कर थाना क्षेत्र की कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा लंबित मामलों की प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है।

गौरतलब है कि डीडी बार के सामने हुए हमले में गंभीर रूप से घायल हिमांशु की इलाज के दौरान मौत हो गई थी। इस घटना के बाद पूरे शहर में आक्रोश का माहौल बन गया था और पुलिस की कार्यशैली को लेकर कई सवाल खड़े हुए थे। घटना के बाद यह आरोप लगाए गए कि पुलिस समय पर प्रभावी कार्रवाई करने और स्थिति को नियंत्रित करने में अपेक्षित तत्परता नहीं दिखा सकी। इसी कारण मामले की विभागीय समीक्षा की गई, जिसमें विभिन्न स्तरों पर जिम्मेदारियों का आकलन किया गया।

इस मामले में यह पहली कार्रवाई नहीं है। इससे पहले घटनास्थल पर पहुंची गश्ती दल के तीन पुलिसकर्मियों को भी कर्तव्य में लापरवाही के आरोप में निलंबित किया जा चुका है। अब थाना प्रभारी पर की गई कार्रवाई को पुलिस विभाग की जवाबदेही तय करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इससे यह स्पष्ट संदेश गया है कि किसी भी स्तर पर लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

पुलिस मुख्यालय के निदेशों के अनुरूप पूरे मामले की गंभीरता से समीक्षा की गई, जिसके बाद यह निर्णय लिया गया। विभागीय कार्रवाई के दौरान उपलब्ध तथ्यों, घटनाक्रम तथा संबंधित अधिकारियों की भूमिका का परीक्षण किया गया। जांच में सामने आए निष्कर्षों के आधार पर थाना प्रभारी के विरुद्ध निलंबन की कार्रवाई की गई।

हिमांशु हत्याकांड पहले से ही शहर का चर्चित मामला बना हुआ है। घटना के बाद मृतक के परिजनों, स्थानीय लोगों तथा विभिन्न सामाजिक और राजनीतिक संगठनों ने दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी और पुलिस की जवाबदेही तय करने की मांग उठाई थी। इसी बीच पुलिस अधिकारियों पर हुई लगातार कार्रवाई को विभाग की सख्त कार्यशैली के रूप में देखा जा रहा है।

नवनियुक्त थाना प्रभारी निरंजन कुमार के सामने अब क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने, अपराध नियंत्रण को प्राथमिकता देने तथा इस चर्चित मामले की जांच को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने की चुनौती होगी। वहीं पुलिस विभाग ने संकेत दिया है कि हिमांशु हत्याकांड की जांच निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से जारी रहेगी तथा यदि जांच के दौरान किसी अन्य अधिकारी या कर्मी की भूमिका संदिग्ध या लापरवाहीपूर्ण पाई जाती है तो उसके विरुद्ध भी नियमानुसार कठोर विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

एसएसपी की इस कार्रवाई के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि पुलिस विभाग कानून-व्यवस्था से जुड़े मामलों में जवाबदेही तय करने के लिए गंभीर है और कर्तव्य निर्वहन में किसी भी प्रकार की लापरवाही करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को किसी भी स्तर पर राहत नहीं दी जाएगी।

आद्रा नक्षत्र में नबीनगर के सोखा बाबा मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब, लगा भव्य मेला

समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

नबीनगर (बिहार)आद्रा नक्षत्र के पावन अवसर पर सोमवार को नबीनगर के सुप्रसिद्ध सोखा बाबा मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। मंदिर परिसर के बाहर में भव्य मेले का आयोजन किया गया, जहां सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा।मंदिर परिसर में प्रसाद, फूल-माला की दुकानें सजी रहीं।

मेले में आए श्रद्धालु बच्चों के खिलौने, सौंदर्य सामग्री, जलेबी , चाट और पकौड़ी की दुकानों पर खूब भीड़ लगाए दिखे। पूरा माहौल भक्तिमय और उत्साह से भरा रहा।मान्यता है कि किसान आद्रा नक्षत्र में सोखा बाबा की पूजा-अर्चना कर खेती का कार्य शुरू करते हैं। भक्तों का विश्वास है कि सोखा बाबा की पूजा से मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है और फसल अच्छी होती है। सोखा बाबा का एक नाम माधो दास भी है। आद्रा नक्षत्र मे दूर-दराज से किसान परिवार भी दर्शन के लिए पहुंचे।स्थानीय लोगों में सोखा बाबा की महिमा को लेकर गहरी आस्था है। कहा जाता है कि विषैले जीव-जंतु के काटने पर जो भी भक्त इस मंदिर परिसर में आता है, वह ठीक होकर घर लौटता है। यही वजह है कि लोग मंदिर परिसर की मिट्टी लेकर जाते हैं और अपने घरों में छिड़काव करते हैं। मान्यता है कि इससे विषैले जीव-जंतु घर से दूर भाग जाते हैं।भक्तों की भारी भीड़ को देखते हुए स्थानीय प्रशासन और मंदिर समिति ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए थे। स्वयंसेवकों ने भी व्यवस्था संभालने में सहयोग किया। 22 जून से शुरू हुए आद्रा नक्षत्र 6 जुलाई तक है। इस बीच सोखा बाबा मंदिर में किसानों सहित अन्य भक्त जन दूर दूर से आद्रा नक्षत्र में पूज अर्चना करने आते है।सोखा बाबा का मुख्य प्रसाद गुड़ है। भक्त जन प्रत्येक सोमवार को अवश्य इस मंदिर में दर्शन करने आते है।

पटना इस्कॉन मंदिर में धूमधाम से मनाया गया श्री जगन्नाथ स्नान उत्सव

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ राजधानी के बुद्ध मार्ग स्थित इस्कॉन मंदिर में सोमवार को ज्येष्ठ पूर्णिमा के अवसर पर भगवान श्री जगन्नाथ का वार्षिक स्नान उत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर मंदिर परिसर 'हरे कृष्ण' के संकीर्तन से गुंजायमान रहा। कार्यक्रम की शुरूआत वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुई। भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा का पंचगव्य और सहस्त्र जल धाराओं से महाभिषेक किया गया। इस दिव्य दृश्य को देखने के लिए मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। अभिषेक के बाद प्रभु को 'छप्पन भोग' अर्पित किया गया। तत्पश्चात, महाआरती हुई और भक्तों के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया। स्नान यात्रा के बाद भगवान जगन्नाथ ने पारंपरिक 'गजावेश' में भक्तों को दर्शन दिए। इस्कॉन टीएमसी के सदस्य राधापति चरण दास ने बताया कि गजावेश की परंपरा के पीछे एक सुंदर कथा है। भगवान ने अपने भक्त गणपति भट्ट को गणेश के स्वरूप में दर्शन दिए थे, तभी से इस शुभ दिन पर महाप्रभु को गजावेश से अलंकृत करने की परंपरा चली आ रही है।इस्कॉन टीएमसी के को-चेयरमैन रमण मनोहर दास ने बताया कि ज्येष्ठ पूर्णिमा, जिसे स्नान पूर्णिमा भी कहा जाता है, का विशेष धार्मिक महत्व है। पौराणिक मान्यता है कि राजा इंद्रद्युम्न ने ही प्रथम बार इस स्नान उत्सव की शुरूआत की थी। उन्होंने बताया कि अब भगवान अगले 15 दिनों तक 'अनासर काल' में रहेंगे और विश्राम करेंगे। इस दौरान भक्तों को उनके दर्शन नहीं होंगे। इसके बाद आषाढ़ शुक्ल द्वितीया को प्रभु अपनी मौसी के घर जाने के लिए रथ पर सवार होकर नगर भ्रमण पर निकलेंगे। इस भव्य आयोजन में वेणू विनोद दास सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। मंदिर परिसर में दिनभर भक्तिमय माहौल रहा और भक्तों ने प्रभु की महिमा का गुणगान किया।

पटना जंक्शन से गिरफ्तार हुआ कुख्यात पांडव सेना का सरगना संजय सिंह

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ बिहार एसटीएफ ने मंगलवार सुबह एक बड़ी कार्रवाई करते हुए राज्य के टॉप कुख्यात अपराधियों की सूची में शामिल और 'पांडव सेना' के सरगना संजय सिंह को पटना जंक्शन से गिरफ्तार कर लिया। लंबे समय से पुलिस की पकड़ से दूर चल रहा संजय सिंह दिल्ली से अपनी पत्नी और बच्चों के साथ बिक्रमशिला एक्सप्रेस से पटना लौट रहा था। गुप्त सूचना के आधार पर एसटीएफ ने जीआरपी के सहयोग से स्टेशन पर घेराबंदी कर उसे दबोच लिया। पटना जिले के मसौढ़ी थाना क्षेत्र के निमा गांव निवासी संजय सिंह का आपराधिक इतिहास तीन दशक (1996-2025) पुराना है। एसटीएफ के अनुसार, उस पर हत्या, नरसंहार, रंगदारी, अपहरण, लूट और अवैध खनन जैसे गंभीर आरोप हैं। उसके खिलाफ बिहार के अलावा झारखंड के हजारीबाग और रांची सहित कई जिलों के थानों में दो दर्जन से अधिक प्राथमिकी दर्ज हैं। वह अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत भी कई मामलों में वांछित रहा है। पुलिस के लिए संजय सिंह की गिरफ्तारी इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि वह बिहटा थाना कांड संख्या 672/2025 (एके-47 बरामदगी) में मुख्य आरोपी था। इस मामले के बाद से ही पुलिस को उसकी सरगर्मी से तलाश थी।

पटना के बाढ़ में मानवता शर्मसार

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के बाढ़ नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड संख्या-21 स्थित नौवा टोली में मंगलवार की सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। काली मंदिर के पास बने कूड़ेदान में एक नवजात शिशु का शव मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। इस अमानवीय घटना ने स्थानीय लोगों को झकझोर कर रख दिया है और हर कोई इसे घिनौना कृत्य बताकर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहा है।घटना की जानकारी तब मिली जब नगर परिषद के सफाईकर्मी सुबह अपनी नियमित ड्यूटी पर वार्ड-21 पहुँचे। कचरा उठाने के दौरान उनकी नजर कूड़ेदान पर पड़ी, जहाँ एक कपड़े में लिपटा हुआ कुछ संदिग्ध वस्तु दिखाई दी। सफाईकर्मियों ने जब सावधानी से कपड़े को हटाया, तो वे नवजात का शव देखकर स्तब्ध रह गए। उन्होंने तुरंत इसकी सूचना स्थानीय लोगों और मोहल्ले के निवासियों को दी। देखते ही देखते मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई।

वाराणसी एयरपोर्ट का एक्स अकाउंट है।

समाज जागरण रंजीत तिवारी

वाराणसी । जिले के लाल बहादुर शास्त्री अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे की साइबर सुरक्षा में बड़ी सेंधमारी का मामला सामने आया है। वाराणसी एयरपोर्ट का आधिकारिक 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) अकाउंट हैकर्स द्वारा हैक कर लिया गया है। सुरक्षा कारणों से माइक्रोब्लॉगिंग साइट द्वारा फिलहाल इस अकाउंट को सस्पेंड कर दिया गया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, वाराणसी एयरपोर्ट के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर अचानक कुछ संदिग्ध गतिविधियां देखी गईं। इसके तुरंत बाद ही हैंडल को सस्पेंड कर दिया गया। वर्तमान में

यदि कोई यूजर एयरपोर्ट के एक्स हैंडल को सर्च करता है, तो स्क्रीन पर केवल अकाउंट सस्पेंडेड का संदेश ही दिखाई दे रहा है।इस गंभीर साइबर हमले का संज्ञान लेते हुए एयरपोर्ट प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई की है। वाराणसी एयरपोर्ट के निदेशक पुनीत गुप्ता ने पुष्टि की है कि प्रारंभिक तकनीकी पड़ताल के बाद मामले की लिखित शिकायत स्थानीय साइबर थाने में दर्ज करा दी गई है। वाराणसी पुलिस की साइबर सेल टीम ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस अब आईपी एड्रेस और अन्य तकनीकी सुरागों के जरिए यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि सुरक्षा में यह चूक कैसे हुई और इसके पीछे किस हैकर या साइबर गिरोह का हाथ है।

इस बीच, एयरपोर्ट प्रशासन ने सभी यात्रियों और आम जनमानस से अपील की है कि साइबर सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विशेष सावधानी बरतें। जब तक एयरपोर्ट का आधिकारिक 'एक्स' अकाउंट पूरी तरह से बहाल नहीं हो जाता, तब तक उस प्लेटफॉर्म पर वाराणसी एयरपोर्ट के नाम से चल रही किसी भी अपुष्ट जानकारी, संदिग्ध लिंक या पोस्ट पर क्लिक न करें।यात्रियों को सलाह दी गई है कि उड़ानों की जानकारी और अन्य आवश्यक सूचनाओं के लिए वे एयरलाइंस की वेबसाइट्स या अन्य अधिकृत माध्यमों का ही उपयोग करें।

अनुसूचित जाति एवं जनजाति स्वाभिमान सम्मेलन हुआ सम्पन्न।

समाज जागरण रंजीत तिवारी

वाराणसी। मंगलवार को उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति एवं जनजाति विकास समिति द्वारा प्रसिद्ध समाजसेवी नरेंद्र कुमार शास्त्री जी के 95वा जयंती समारोह स्वाभिमान सम्मेलन कार्यक्रम नरेंद्र कुमार शास्त्री अनुसूचित जाति छात्रावास कैंट वाराणसी में विधायक त्रिभुवन राम ने प्रतिभाग लेकर कहा कि अनुसूचित जाति व जनजाति वर्ग के हितों

की रक्षा हर स्तर पर किया जाना आज की जरूरत है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि असीम अरुण राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार उत्तर प्रदेश, प्रदीप टमटा पूर्व सांसद राज्यसभा उत्तराखंड ने कहा कि अधिकारों की लड़ाई समाज करती रही और आंदोलन तक हुआ लेकिन समय पूरा हो चला है उनका मान - सम्मान व स्वाभिमान की रक्षा करते हुए नए सपने पूरे किए जाएंगे। कार्यक्रम के आयोजक डॉ0 राजेश चौधरी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। उक्त अवसर पर भारी संख्या में माताएं बहने नौजवान साथी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

डॉ. सोनेलाल पटेल के जयंती मनाने की तैयारी तेज

समाज जागरण रंजीत तिवारी

रामेश्वर वाराणसी। रोहनिया विधानसभा क्षेत्र स्थित मोहन सराय कनेरी स्थित जिला कार्यालय पर अपना दल के संस्थापक डॉ .सोनेलाल पटेल जी की जयंती कार्यक्रम को ऐतिहासिक और सफल बनाने हेतु एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई । इस बैठक में जयंती समारोह की रूपरेखा तैयार करने

और कार्यक्रमों के सफल क्रियान्वयन पर विस्तृत चर्चा की गई । बैठक की अध्यक्षता विधानसभा प्रभारी राष्ट्रीय सचिव श्री मेघनाथ पटेल ने की। इस अवसर पर जन स्वाभिमान दिवस का आयोजन किया गया है।रोहनिया विधायक डॉ सुनील पटेल ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए विभिन्न कार्यकताओं को जिम्मेदारियां सौंपी। बैठक में भी निर्णय लिया गया की कार्यक्रम में अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी ताकि समाज के हर वर्ग तक उनका संदेश पहुंचा जा सके ।इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष बसंत लालपटेल , जोन अध्यक्ष डॉ प्रेम पटेल , दिनेश पटेल , चंद्रशेखर पटेल , कार्य प्रभारी राजकुमार वर्मा जिला अध्यक्ष युवा मंच मानस सिंह ,राष्ट्रीय सचिव अजीत पटेल,श्री देवी सनी सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आज से चौखंडी रेलवे फाटक बंद

समाज जागरण रंजीत तिवारी

रामेश्वर वाराणसी। जंसा क्षेत्र स्थित चौखंडी रेलवे फाटक पर रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) निर्माण कार्य के चलते 1 जुलाई से फाटक को सभी प्रकार के वाहनों के आवागमन के लिए बंद कर दिया गया है। यह प्रतिबंध दोपहिया, चारपहिया सहित सभी वाहनों पर लागू रहेगा। प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि वाराणसी की ओर से आने-जाने वाले वाहन चालक वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें। वहीं हाथी बाजार, कालिका धाम, रामेश्वर एवं आसपास के क्षेत्रों से आने-जाने वाले लोग देहली विनायक, भाऊपुर तथा बड़ौरा बाजार मार्ग से आवागमन सुनिश्चित करें।

चौखंडी में रेलवे ओवरब्रिज निर्माण कार्य को सुचारु रूप से पूरा कराने और यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए यह परिवर्तन किया गया है। प्रशासन ने नागरिकों से सहयोग की अपील करते हुए निर्धारित वैकल्पिक मार्गों का ही उपयोग करने का अनुरोध किया है, ताकि किसी प्रकार की असुविधा या जाम की स्थिति उत्पन्न न हो।

वाराणसी मंडल मे सहकारिता सप्ताह का आयोजन शुरू

समाज जागरण रंजीत तिवारी

वाराणसी सहकारिता मंत्रालय भारत सरकार की स्थापना के 05 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 29 जून से 06जुलाई तक "सहकारिता सप्ताह" का आयोजन वाराणसी मंडल के प्रत्येक जनपदों में कराया जा रहा है।

तदक्रम में "सहकारिता सप्ताह" के अन्तर्गत निर्धारित तिथिवार कार्यक्रमों के अनवरत सफल आयोजन कराये जाने हेतु जनपदवार नोडल अधिकारी नामित किये गये हैं।

जनपद जौनपुर में मुकेश कुमार श्रीवास्तव अपर जिला सहकारी अधिकारी,जनपद वाराणसी एवं चंदौली में नीरज आनंद अपर जिला सहकारी अधिकारी एवं आलोक कुमार यादव सहायक विकास अधिकारी, जनपद गाजीपुर में अमित मिश्रा अपर जिला सहकारी अधिकारी को नोडल अधिकारी नामित किया गया है।

यह जानकारी देते हुए संयुक्त आयुक्त एवं संयुक्त निबंधक वाराणसी मंडल ने बताया कि सहकारिता सप्ताह के अंतर्गत दिनांक 01 जुलाई 2026 को प्रत्येक जनपदों में 100-100 महिलाओं को प्राथमिक सहकारी समितियों की सदस्यता दिलाई

जाएगी।

दिनांक 01 से 03 जुलाई तक एजेंडानुसार डी0सी0डी0सी0 की मीटिंग में जिलाधिकारी महोदय से अनुमोदन प्राप्त करना है, जिसके अंतर्गत पुरानी समितियों में 10-10 लाख रुपए की कैश क्रेडिट लिमिट स्वीकृत करायी जानी है।

दिनांक 2 जुलाई 2026 को समितियों पर पेंटिंग, निबंध लेख प्रतियोगिता का आयोजन कराया जाना है।

दिनांक 3 जुलाई 2026 को सहकारिता क्षेत्र में डिजिटल पेमेंट को बढ़ावा देना है। एवं जन जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत समितियों पर कृषकों का चौपाल लगाना है।

दिनांक 4 एवं 5 जुलाई 2026 को शपथ ग्रहण के माध्यम से सहकारी सदस्यों को संकल्प दिलाना है।

दिनांक 6 जुलाई 2026 को जनप्रतिनिधियों को सहकारी संस्थाओं का विजिट कराना है।

उपरोक्त जानकारी संयुक्त आयुक्त एवं संयुक्त निबंधक सहकारिता वाराणसी मंडल द्वारा समिति एवं जनहित में दी गई।

सफाई कर्मचारी ग्राम पंचायत में संचारी रोग नियंत्रण का कार्य जिम्मेदारी संग निभायें

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी मंगलवार को विकास खंड सभागार में सफाई कर्मियों की बैठक 1 जुलाई से 31 जुलाई तक संचारी रोग नियंत्रण माह के संबंध में आयोजित की गई। जिसमें रोस्टर के अनुसार नालियों की सफाई झाड़ियां की कटाई, जल जमाव का निस्तारण, स्प्रे कार्य , फॉगिंग कार्य के प्रति सजग जिम्मेदारी निभाने का निर्देश दिया गया।

सहायक विकास अधिकारी पंचायत कमलेश कुमार सिंह के अनुसार ब्लाक में 9 ग्राम पंचायतकोइरान ,बेलवरिया, भगवानपुर ,पुआरीकला

, काजीसराय ,राजापुर , औरा ,मुर्दहा व सहमलपुर जो डेंगू के हॉटस्पॉट है, उसकी विशेष सफाई करने के निर्देश दिए गए। साथ ही इन ग्राम पंचायत में पिछले वर्षों में जो डेंगू के मरीज थे उनके घरों के आसपास फॉगिंग व स्प्रे कार्य करने का निर्देश दिया गया।

प्रतिदिन कार्य की फोटो ब्लाक कार्यालय को उपलब्ध कराएंगे।

चिकित्सकीय कार्य सेवा और समर्पण का पर्याय डॉ. टी.पी.सिंह

समाज जागरण रंजीत तिवारी

वाराणसी। डॉक्टर्स डे की पूर्व संध्या पर काशी सेवा शोध समिति तथा काशी हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वाधान में एक संगोष्ठी का आयोजन हुआ। काशी हॉस्पिटल भिखारीपुर डीएलडब्ल्यू के सभागार में आयोजित संगोष्ठी को संबोधित करते हुए अस्पताल के निदेशक तथा काशी सेवा शोध समिति के सचिव डॉक्टर टी पी सिंह ने कहा कि चिकित्सीय कार्य सेवा और समर्पण का पर्याय हैं। यह कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। यह क्षेत्र व्यवसाय नहीं अपितु एक मिशन है जिसमें चिकित्सक का अभिष्ट लक्ष्य और उद्देश्य रोगी को स्वास्थ्य लाभ प्रदान करना होता है। कहा कि चिकित्सा और रोगी का संबंध सद्भाव, सुश्रुषा,सेवा के अधीन होता है। जिसमें भावना,संवेदना,आरोग्य, सहयोग का पक्ष प्रबल होता है।चिकित्सक अपना सर्वस्व लगाकर रोगी को ठीक करना चाहता है। डॉक्टर टी पी सिंह ने कहा कि वह और उनकी समिति नर सेवा नारायण सेवा के सिद्धांत को व्यावहारिक धरातल पर लाने का प्रयास करती है।

इस अवसर पर संगोष्ठी को संबोधित

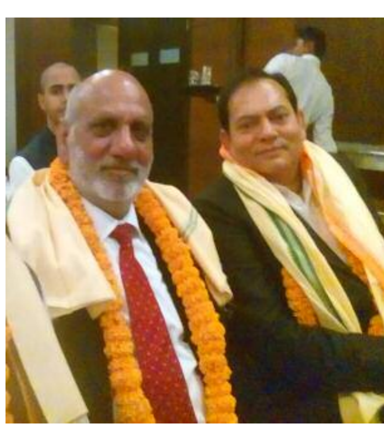

करते हुए हेरिटेज चिकित्सा संस्थान की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ हर्षिता राय ने कहा कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम करना एक सुखद एहसास है। कहां की चिकित्सक को तब तसल्ली और खुशी प्राप्त होती है जब वह एक पीड़ित रोगी के चेहरे पर सुख के मुस्कान को देखते हैं।डा हर्षित राय ने कहा कि आधी आबादी को भी अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक होने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि काशी सेवा शोध समिति इस क्षेत्र में व्यापक अभियान चला रही है और वाराणसी तथा आसपास के जनपदों में लोगों को स्वस्थ स्वास्थ्य के प्रति सचेत कर रही है। कहा की प्रत्येक परिवार को चाहिए कि वह अपने घर की बालिकाओं, किशोरी और महिलाओं के स्वास्थ्य के प्रति सजग रहे। उन्होंने पोषण युक्त खान-पान से लेकर यम नियम व्यायाम को भी स्वस्थ स्वास्थ्य के लिए लाभदायक बताया।

इस अवसर पर संगोष्ठी में ख्यातिलब्ध हड्डी रोग विशेषज्ञ डा राहुल सिंह,डा राकेश,डा केशव प्रसाद,डा विकास त्रिवेदी,डा शुभांगी श्रीवास्तव ने भी संबोधित किया। संगोष्ठी में भिखारीपुर के पूर्व ग्राम प्रधान सुरेंद्र बहादुर सिंह, काशी विद्यापीठ के पूर्व प्रमुख अशोक सिंह, ओंकार सिंह, वरिष्ठ अधिवक्ता प्रमोद सिंह,धर्मेंद्र,अनिल सिंह के साथ भारी संख्या में आसपास के लोग उपस्थित रहे।

फास्ट फूड का प्रशिक्षण लेकर आत्मनिर्भर बनेंगी समूह की महिलाएं-आशीष कुमार यादव

समाज जागरण

मीरजापुर /राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के तहत ग्राम पंचायत बरौधा के पंचायत भवन में स्वयं सहायता समूह की 35 महिलाओं को स्वरोजगार के लिए फास्ट फूड निर्माण का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण के छठे दिन महिलाओं ने बर्गर, सैंडविच, पावभाजी, कटलेट, बिरयानी, फ्राइड राइस, भेलपुरी, पानीपुरी, दहीपुरी, छोला-भटूरा तथा विभिन्न प्रकार की चाट बनाने की बारीकियां सीखीं। प्रशिक्षक रागिनी सिंह ने बताया कि प्रशिक्षण का उद्देश्य महिलाओं को स्वरोजगार के लिए दक्ष बनाना है, ताकि वे स्वयं का व्यवसाय शुरू कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकें। प्रशिक्षण में शामिल महिलाएं पूरे उत्साह और लगन के साथ विभिन्न व्यंजनों को तैयार करना

सीख रही हैं।

पंचायत सचिव आशीष कुमार यादव ने बताया कि केंद्र सरकार की राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन योजना आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं के जीवन स्तर को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को मात्र एक प्रतिशत ब्याज दर पर डेढ़ लाख रुपये तक का ऋण उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे वे अपना व्यवसाय स्थापित कर आजीविका के क्षेत्र में आगे बढ़ सकेंगी। इस दौरान बरोंधा के प्रधान प्रतिनिधि गोपाल कोल, तेंदुई के प्रधान, राजेश्वर प्रसाद शशांक शेखर सिंह, बालमुकुंद तिवारी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

बनारस के पास मौजूद हैं जन्नत जैसे ये 5 वॉटरफॉल्स, मॉनसून में बढ़ जाती है खूबसूरती

मॉनसून के इस सुहावने मौसम में अगर आप बाबा विश्वनाथ की नगरी बनारस आ रहे हैं, तो इसके आस-पास छिपे खूबसूरत वॉटरफॉल्स और हिल स्टेशन जैसे नजारों को देखना बिल्कुल न भूलें. वाराणसी से महज 50 से 90 किलोमीटर के दायरे में स्थित मिजार्पुर का लखनिया दरी, 100 फीट की ऊंचाई वाला सिद्धनाथ दरी, सोनभद्र का 'मिनी गोवा' कहा जाने वाला अबाड़ी गांव और चंदौली का दूधिया पानी वाला राजदरी वॉटरफॉल इन दिनों पर्यटकों के पसंदीदा ठिकाने बन चुके हैं. मात्र 2500 से 3000 रुपये के बजट में आप इन अद्भुत प्राकृतिक जगहों पर अपने परिवार और दोस्तों के साथ बेहतरीन वीकेंड बिता सकते हैं.

मॉनसून के इस मौसम में अगर आप हरियाली और पहाड़ों के खूबसूरत नजारे देखना चाहते हैं, तो बनारस शहर से सिर्फ 50 किलोमीटर दूर मिजार्पुर के 'लखनिया दरी' जरूर आएं. यहां ऊंचे पहाड़ों के बीच से गिरता हुआ पानी का झरना देखने को मिलता है. ऐसा लाजवाब नजारा आपको किसी बड़े हिल स्टेशन जैसा अहसास कराएगा. काशी विश्वनाथ मंदिर से टैक्सी या बाइक उठाकर आप सिर्फ 90 मिनट में यहां पहुंच सकते हैं.

कबीर प्राकट्य महोत्सव का हुआ भव्य समापन

दीये से दीया जलाएं का संदेश लेकर लौटे श्रद्धालु

समाज जागरण रंजीत तिवारी

रामेश्वर वाराणसी। स्ववेंद महामंदिर धाम की दिव्य भूमि पर आयोजित सद्गुरु कबीर प्राकट्य महोत्सव का समापन एक आध्यात्मिक उत्सव के रूप में संपन्न हुआ। यह अवसर केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि आत्मजागृति, मानवीय एकता और विचार-क्रांति का प्रेरणास्रोत बन गया।

हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में समापन दिवस एक भाव-विह्वल क्षण में परिवर्तित हो गया जब संत प्रवर श्री विज्ञान देव जी महाराज ने मंच से उद्घोष किया ह्चलो दीप वहाँ जलाएं, जहाँ अभी अंधेरा है। उन्होंने कहा कि जब तक हम अपने भीतर

के अंधकार को नहीं समझते, तब तक बाहर का प्रकाश भी अधूरा है। कबीर साहेब की वाणी हमें बाहर नहीं, भीतर झाँकने का दृष्टिकोण देती है।सद्गुरू आचार्य श्री स्वतंत्र देव जी महाराज ने विवेक, धैर्य, क्षमा एवं शांति को मानव का आभूषण बताते हुए उसको व्यवहारिक जीवन में प्रयोग करने का सन्देश दिया। मानव- मानव में परस्पर प्रेम एवं सद्भावना अत्यावश्यक है। तपती दोपहरी में भी श्रद्धा की शीतलता कम न हुई। जगह-जगह शीतल जल की प्याऊ, छाया व्यवस्था और स्वास्थ्य सेवाएँ महोत्सव के प्रबंधन की उत्कृष्टता को दर्शा रही थीं।

चिकित्सक सेवा की भावना के साथ कार्य कर सेवक की भूमिका निभाएं:सीएमओ

सीएमओ ने पीएचसी हरहुआ का किया औचक निरीक्षण, परिवेश देख सन्तोष जताया।

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी। चिकित्सक सेवा भावना के साथ कार्य करते हुए एक सेवक की भूमिका में कार्य करे।

उक्त बातें आज मंगलवार को सीएमओ वाराणसी डॉ0 मुकेश कुमार द्वारा पीएचसी हरहुआ का औचक निरीक्षण करने व व्यवस्थाओं का अवलोकन करने के पश्चात सन्तोष जताते हुए व्यक्त किया।

निरीक्षण के दौरान प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ0 संतोष कुमार से राष्ट्रीय कार्यक्रम मे हरहुआ की उपलब्धि, चल रहे पल्स पोलियो अभियान के बारे में जानकारी प्राप्त की। और ओटी, सेफ हाउस, ओपीडी, लैब का निरीक्षण किया।

ओपीडी में डॉ0 नंद आसरे डॉ0 राजकुमार व डॉ0 मनु चतुर्वेदी द्वारा देखे जा रहे मरीजो को मिलने वाली दवा व जांच और स्वास्थ्य सुविधाओं के बारे में मरीजों व कार्यरत कर्मचारियों से जानकारी ली।

वार्ड में भर्ती मरीजों में कुसुम उम्र 45 वर्ष निवासी हरहुआ डायरिया, गरीब उम्र 75 वर्ष निवासी अनौरा ब्लड प्रेशर और पाखंडी कनौजिया उम्र 85 वर्ष निवासी अहरक हार्ट अटैक से पीड़ित की चढ़ रहे पानी बोतल को देखा और पूछताछ किया।

औषधि भंडार में मेडिसिन के रख रखाव के बारे में फार्मासिस्ट राकेश कुमार से जानकारी प्राप्त कर स्टाक अपडेट रखने के निर्देश दिए।

प्रभारी चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया कि समय से सभी अधिकारी /कर्मचारी उपस्थित रहकर मरीज का इलाज सेवा भावना के साथ करें और सरकार की योजनाओं को जन मानस तक पहुंचाने का कार्य करें। अस्पताल व परिसर की साफ सफाई और रिकॉर्ड के रख रखाव पर संतोष व्यक्त किया। और निर्देशित किया कि साफ सफाई का विशेष ध्यान रखा जाए। आश्वासन दिया कि अस्पताल का वातावरण बेहतर है जरूरत संसाधनों की उपलब्धता कराई जाएगी।

सीएमओ के साथ डॉ0 निकुंज वर्मा एनेस्थेटिक व संजय साहू स्टेनोग्राफर भी साथ रहे।

जाते-जाते पल्स पोलियो के लक्ष्य को शत प्रतिशत समय के अंदर पूरा कराएं और लापरवाह कर्मचारियों के प्रति सख्ती अपनाने का निर्देश दिया।

रेलवे ट्रैक पर अज्ञात युवक का मिला शव

समाज जागरण रंजीत तिवारी

रामेश्वर वाराणसी। जंसा थाना क्षेत्र के सारंगपुर गांव के समीप मंगलवार सुबह रेलवे ट्रैक पर एक अज्ञात युवक का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर जंसा पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार युवक का शव रेलवे की दोनों पटरियों के बीच पड़ा था। उसके सिर और पैरों पर गंभीर चोट के निशान मिले हैं। प्रथम दृष्टया पुलिस को आशंका है कि युवक की मौत किसी ट्रेन की चपेट में आने से हुई है। मृतक की उम्र लगभग 25 से 30 वर्ष के बीच आंकी जा रही है। उसने लाल रंग की टी-शर्ट पहन रखी थी।

पुलिस ने मृतक की तलाशी ली, लेकिन उसके पास से कोई पहचान पत्र या अन्य ऐसा सामान नहीं मिला, जिससे उसकी पहचान हो सके।

जंसा पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आसपास के लोगों से पूछताछ की, लेकिन मृतक की शिनाख्त नहीं हो सकी। इसके बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस मृतक की पहचान कराने के प्रयास में जुटी है तथा मामले की सभी पहलुओं से जांच कर रही है।

सुअर से टकराए बाइक सवार मां बेटे की हालत गंभीर

समाज जागरण

मीरजापुर /ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र के सेमरा कलां गांव में मंगलवार सुबह सात बजे के करीब सड़क पर अचानक आए सुअर से टकराकर बाइक सवार मां बेटे गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने घायल मां बेटे को उपचार हेतु एंबुलेंस से पीएचसी हलिया भिजवाया। जहां चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद दोनों की हालत गंभीर देखते हुए मंडलीय चिकित्सालय रेफर कर दिया। क्षेत्र के ऊंटी गांव निवासी 20 वर्षीय राजू दुबे अपनी 40 वर्षीया मां प्रियंका दुबे के साथ बाइक से ड्रमंडगंज बाजार जा रहे थे। जैसे ही सेमरा कलां गांव चौराहे के पास पहुंचे तो सड़क पर अचानक आए सुअर से टकराकर सड़क पर गिर पड़े। हादसे में महिला के सिर में गंभीर चोटें आई हैं। घटनास्थल पर मौजूद गलरा गांव निवासी मनकामना मिश्र व गलरिया गांव निवासी हरिशंकर पटेल ने एंबुलेंस सेवा 108 पर फोनकर घायल मां बेटे को पीएचसी हलिया भिजवाया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद मां बेटे की हालत गंभीर देखते हुए डा॰ रीना सिंह ने मंडलीय चिकित्सालय रेफर कर दिया।

सेंचुरी क्षेत्र से गिट्टी लदा ट्रक पकड़ा, वन विभाग ने किया सीज

समाज जागरण

मीरजापुर /कैमूर वन्यजीव विहार हलिया रेंज के सेंचुरी क्षेत्र बडौही से मध्य प्रदेश की तरफ से गिट्टी लदे ट्रक को वन विभाग की टीम ने सोमवार की देर शाम पकड़कर सीज कर दिया।वन विभाग को मुखबिर से सूचना मिली थी कि प्रतिबंधित सेंचुरी क्षेत्र से गिट्टी का अवैध परिवहन किया जा रहा है। सूचना पर रेंज टीम वन दरोगा सिद्धार्थ मौर्य फारेस्ट गार्ड रामदास आदिवासी, शीतला बक्स सिंह ने बडौही इलाके में घेराबंदी कर ट्रक को पकड़ा। जांच में ट्रक में गिट्टी लदी पाई गई। टीम ने ट्रक को कब्जे

में लेकर रेंज कार्यालय लाकर सीज कर दिया। वाहन चालक के खिलाफ वन संरक्षण अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है रेंजर संतोष कुमार राय ने बताया कि सेंचुरी क्षेत्र में किसी भी प्रकार का खनन और खनिज परिवहन पूर्णतः प्रतिबंधित है। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। क्षेत्र में गश्त बढ़ा दी गई है।

अग्निवीर जवान जगमोहन सिंह राजपूत का हुआ भव्य स्वागत, स्वागत यात्रा में उमड़ा जनसैलाब

समाज जागरण जिला संवाददाता
उदय सिंह लोधी

दमोह/पटेरा। क्षेत्र के होनहार युवा जगमोहन सिंह राजपूत भारतीय सेना की अग्निवीर योजना के अंतर्गत चयनित होकर पंजाब रेजीमेंट से सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण करने के बाद मंगलवार को अपने गृह ग्राम पहुंचे। उनके आगमन पर क्षेत्रवासियों ने गर्मजोशी के साथ भव्य स्वागत किया। हिंडोरिया से ग्राम तिंदनी तक निकाली गई स्वागत यात्रा में बड़ी संख्या में ग्रामीण, युवा, जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक शामिल हुए।

स्वागत यात्रा के दौरान जगह-जगह पुष्पवर्षा कर वीर जवान का अभिनंदन किया गया। भारत माता की जय, वंदे मातरम् और भारतीय सेना

के जयघोष से पूरा क्षेत्र देशभक्ति के रंग में रंग गया। लोगों ने फूल-मालाओं से उनका सम्मान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

अग्निवीर जवान जगमोहन सिंह राजपूत के प्रशिक्षण पूर्ण कर गृह ग्राम पहुंचने से परिवार, नाते-रिश्तेदारों और पूरे गांव में हर्ष का माहौल है। परिजनों ने मिठाई बांटकर अपनी खुशी साझा की, जबकि शुभचिंतकों एवं ग्रामीणों ने पुष्पमालाओं से स्वागत कर उन्हें बधाई दी और उनके सफल सैन्य जीवन व उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

ग्रामीणों ने कहा कि जगमोहन सिंह राजपूत का भारतीय सेना में चयन पूरे क्षेत्र के लिए गर्व और सम्मान का विषय है। उनकी इस उपलब्धि से क्षेत्र के युवाओं को राष्ट्रसेवा के लिए नई प्रेरणा मिलेगी। स्वागत यात्रा के दौरान देशभक्ति का उत्साह देखते ही बन रहा था और पूरे मार्ग पर लोगों ने वीर जवान का अभिनंदन किया।

बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी, जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, युवा एवं महिलाएं उपस्थित रहीं। सभी ने अग्निवीर जवान का सम्मान करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य, सफल सैन्य जीवन एवं राष्ट्रसेवा के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

ओम हॉस्पीटल
सभी स्वास्थ्य बीमा योजना (TPA & Cashless) की सुविधा
नार्मल व सिजेरियन डिलीवरी, रसौली के ऑपरेशन, ब्रैस्ट की गांठ
Reatm Prolapse Uterus, इन्फेटिलिटी
डॉ. गौरव अग्रवाल
लैप्रोस्कोपिक सर्जन रियायती दरों पर दूरबीन विधि (HD Camera) द्वारा पित्त की थैली अपेन्डिक्स, हर्निया, पाइल्स, भगदंर आदि सभी प्रकार की शल्य चिकित्सा।
पता - एस. एन. रोड, फिरोजाबाद मो. 9756434534, 8433465564
डॉ. पूनम अग्रवाल
रसौली (Fibroid) treatment Specialist)

सभी जनपद वासियों को डॉक्टर डे की हार्दिक शुभकामनाएं
कमलेश नर्सिंग होम एवं कमलेश पैथोलॉजी
डॉ उपेंद्र गर्ग
डॉ मिली अग्रवाल
NATIONAL DOCTOR'S DAY
पता - जलेसर रोड के पास जनपद फिरोजाबाद

एमडी (मेडीसिन) पूर्व फिजिशियन जिला अस्पताल फिरोजाबाद
NATIONAL DOCTOR'S DAY
पता - आवास व क्लिनिक 1/673, सुहाग नगर सेक्टर-1 फिरोजाबाद
डॉ दिनेश कुमार गुप्ता

समस्त देशवासियों को डॉक्टर डे की हार्दिक शुभकामनाएं
अमन मेडिकल स्टोर
अमन मार्बल
अमन इलेक्ट्रॉनिक्स
NATIONAL DOCTOR'S DAY
प्रो- धर्मेंद्र यादव
पता- छिगामाल बाग सदर बाजार फिरोजाबाद

BHARAT IMAGING & DIAGNOSTIC
M.B.B.S., M.D. (Radiology)
ConsultantRadiologist
Ex. Senior Consultant:
Brahm Shakti Hospital & Research Center, New Delhi Shalimar Diagnostic Center, New Delhi Shakti Imaging, New Delhi Dr. Pankaj Scanning & Pathology Research Center Agra & Mathura
Dr. M. A. ANSARI
Addras- Near Central Choraha Dist-Firojabad

पटना पुलिस ने किया अपहरण कांड का पदार्फाश

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ राजधानी पटना पुलिस ने अपहरण के एक संगीन मामले का सफल उद्भेदन करते हुए अपहत व्यक्ति को कैमूर जिले से सकुशल बरामद कर लिया है। इस मामले में मुख्य आरोपी समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। घटना को लेकर पटना पुलिस की त्वरित और प्रभावी कार्रवाई की सराहना की जा रही है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, मामला 29 जून 2026 को शास्त्रीनगर थाने में दर्ज (कांड संख्या 552/26) किया गया था। जांच के दौरान यह चौंकाने वाला तथ्य सामने आया कि अपहरण का मूल कारण पैसों का लेनदेन था। अपहृत व्यक्ति ने सासाराम निवासी सोनू कुमार से लगभग 13-14 लाख रुपये उधार लिए थे। बार-बार मांगने के बावजूद जब उसने रुपये नहीं लौटाए, तो सोनू कुमार ने इसे अपनी साख का सवाल बना लिया। सोनू कुमार ने अपने तीन सहयोगियों के साथ मिलकर एक सुनियोजित साजिश रची। आरोपियों ने आरा जिले से पीड़ित का अपहरण कर लिया और उसे अपने साथ ले गए।

सभी जनपद वासियों को लक्ष्मी फाउंडेशन परिवार की ओर से डॉक्टर डे की हार्दिक
संस्था द्वारा संचालित
लक्ष्मी हॉस्पीटल, फिरोजाबाद
लक्ष्मी चैरिटेबल ब्लड बैंक, फिरोजाबाद
लक्ष्मी चैरिटेबल ब्लड बैंक, एटा
लक्ष्मी चैरिटेबल ब्लड बैंक, मैनपुरी
लक्ष्मी डायग्नोस्टिक सेन्टर, फिरोजाबाद
लक्ष्मी इमेजिंग सेन्टर, फिरोजाबाद
NATIONAL DOCTOR'S DAY
लक्ष्मी सिकरवार
पता - नगला बरी चौराहा फिरोजाबाद
रोहित सिकरवार

डॉ. जैन का इमेजिंग एवं डायग्नोस्टिक
एम.बी.बी.एस., डी.एम.आर.डी., (डी.एन.बी.)
पूर्व। सीनियर रेजिडेंट बत्रा हॉस्पिटल एंड मेडिकल रिसर्च सेंटर, नई दिल्ली सलाहकार रेडियोलॉजिस्ट पूर्व। वरिष्ठ सलाहकार मेघा इमेजिंग एवं डायग्नोस्टिक सेंटर, नई दिल्ली पूर्व। वरिष्ठ सलाहकार एडवांस इमेजिंग एवं पैथोलॉजी सेंटर, आगरा
पता- स्टेशन रोड बस स्टैंड के सामने फिरोजाबाद
डॉ नवनीत जैन

समस्त देशवासियों एवं शहर वासियों को डॉक्टर डे की हार्दिक शुभकामनाएं
NATIONAL DOCTOR'S DAY
डॉ -एस डी आनंद
लेबर कॉलोनी फिरोजाबाद

सभी जनपद वासियों को डॉक्टर डे की हार्दिक शुभकामनायें।
भारत प्रसिद्ध डा. शेख गोल्ड मैडलिस्ट
सबसे पुराना दवाखाना
गुप्त रोग विशेषज्ञ
हर तरफ निराश रोगी मिले, हर गुरुवार
कोटला चुंगी के पास, फिरोजाबाद - 283 203

प्रत्येक प्रकरण का संवेदनशीलता के साथ परीक्षण कर निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए : कलेक्टर प्रताप नारायण यादव

जनसुनवाई में 242 आवेदनों पर हुई सुनवाई, अधिकारियों को दिए त्वरित निराकरण के निर्देश

समाज जागरण जिला संवाददाता उदय सिंह लोधी

दमोह। कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय के कक्ष क्रमांक-10 (व्यारमा) में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में जिले के विभिन्न ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों की समस्याएं गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुनीं। जनसुनवाई के दौरान कुल 242 आवेदनों पर सुनवाई की गई तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को प्रत्येक प्रकरण का निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण एवं प्रभावी निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई के दौरान प्रशासन द्वारा नागरिकों की सुविधा के लिए विभिन्न सेवाएं भी उपलब्ध कराई गईं। इस अवसर पर 18 लोगों के आधार अपडेट किए गए, जबकि 180 नागरिकों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। वहीं प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से जुड़े 6 आवेदनों का मौके पर ही ऑनलाइन परीक्षण कर हितग्राहियों को उनकी समस्याओं का वास्तविक कारण बताया गया। आवश्यक जानकारी और मार्गदर्शन मिलने पर आवेदकों ने संतोष व्यक्त किया। इसके अलावा विभिन्न सामाजिक एवं स्थानीय समस्याओं से जुड़े कुछ सामूहिक आवेदन भी प्रशासन को सौंपे गए।

चार वर्ष पुराने ऋण विवाद पर लिया संज्ञान

जनसुनवाई में विकासखंड तेंदूखेड़ा के ग्राम पतलौनी निवासी मुन्ना ने अपने पिता कोदू सिंह से संबंधित सहकारी बैंक माड़नखेड़ा शाखा के लगभग चार वर्ष पुराने ऋण विवाद का मामला कलेक्टर के समक्ष रखा। आवेदक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों और तथ्यों का अवलोकन करने के बाद कलेक्टर ने मामले को गंभीरता से लेते हुए निष्पक्ष जांच कर नियमानुसार त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

सभी विभागों को दिए समयबद्ध निराकरण के निर्देश

जनसुनवाई में राजस्व, सामाजिक न्याय, पंचायत, स्वास्थ्य, विद्युत, नगरपालिका, पुलिस, कृषि सहित विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतें एवं आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर श्री यादव ने अधिकारियों से कहा कि प्रत्येक आवेदन आमजन की अपेक्षाओं और अधिकारों से जुड़ा होता है, इसलिए सभी प्रकरणों का संवेदनशीलता के साथ परीक्षण कर उनका समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि नागरिकों को अनावश्यक कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें और उन्हें शीघ्र न्याय एवं राहत मिले, यह प्रशासन की प्राथमिकता है। जनसुनवाई के दौरान संबंधित विभागों के जिला अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे और प्राप्त आवेदनों के त्वरित निराकरण की प्रक्रिया प्रारंभ की गई।

बिना लाइसेंस उर्वरक बेचने पर बड़ी कार्रवाई, 41 बोरी एनपीके खाद जब्त, एफआईआर दर्ज

- कलेक्टर प्रताप नारायण यादव के निर्देश पर तेंदूखेड़ा में सघन निरीक्षण अभियान के दौरान हुई कार्रवाई
- किराना दुकान से अवैध रूप से किया जा रहा था उर्वरक का भंडारण एवं विक्रय

समाज जागरण जिला संवाददाता उदय सिंह लोधी

दमोह। जिले में किसानों को गुणवत्तापूर्ण उर्वरक की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा कालाबाजारी पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से कलेक्टर प्रताप नारायण यादव के निर्देशन में चलाए जा रहे सघन निरीक्षण अभियान के तहत तेंदूखेड़ा विकासखंड में अवैध उर्वरक विक्रय के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई। प्रशासन और कृषि विभाग की संयुक्त टीम ने बिना लाइसेंस उर्वरक का भंडारण एवं विक्रय करते पाए जाने पर 41 बोरी एनपीके (12:32:16) उर्वरक जब्त कर संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराई है।

उप संचालक कृषि जे.एल. प्रजापति ने बताया कि तहसीलदार तेंदूखेड़ा विवेक व्यास के नेतृत्व में गठित टीम ने ग्राम सर्रा निवासी राकेश जैन उर्फ पल्लई जैन की किराना दुकान का औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान दुकान में बिना वैध लाइसेंस के उर्वरक का भंडारण एवं विक्रय किया जाना पाया गया। नियमों के उल्लंघन पर टीम ने मौके से 41 बोरी एनपीके (12:32:16) उर्वरक जब्त कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की। जांच में आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 की धारा 3/7 एवं उर्वरक (नियंत्रण) आदेश, 1985 की धारा 7/19 के प्रावधानों का उल्लंघन पाए जाने पर वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी एवं उर्वरक निरीक्षक जी.पी. बैन द्वारा थाना तारादेही में संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराई गई है।

कृषि विभाग ने स्पष्ट किया है कि किसानों के हितों से किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बिना लाइसेंस उर्वरक का भंडारण, परिवहन अथवा विक्रय करने वालों के विरुद्ध इसी प्रकार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

उप संचालक कृषि श्री प्रजापति ने बताया कि जिलेभर में उर्वरक विक्रेताओं की लगातार जांच की जा रही है। किसानों से भी अपील की गई है कि वे केवल अधिकृत विक्रेताओं से ही उर्वरक खरीदें और यदि कहीं अवैध भंडारण, कालाबाजारी या बिना लाइसेंस बिक्री की जानकारी मिले तो तत्काल कृषि विभाग या जिला प्रशासन को सूचित करें, ताकि दोषियों के विरुद्ध त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई की जा सके।

फतेहपुर में बिजली संकट गहराया: तीन दिन से अंधेरे में दर्जनभर गांव, आक्रोशित ग्रामीणों ने फिर लगाया चक्काजाम

समाज जागरण जिला संवाददाता उदय सिंह लोधी

बटियागढ़/दमोह- स्थानीय विद्युत विभाग की घोर लापरवाही और उदासीनता के चलते हटा क्षेत्र के फतेहपुर स्थित अजब धाम क्षेत्र में बिजली संकट पूरी तरह गहरा गया है। पिछले तीन दिनों से एक दर्जन से अधिक गांवों में बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप है, जिससे भीषण गर्मी और उमस के बीच ग्रामीणों का जीना मुहाल हो गया है। विद्युत विभाग के खिलाफ ग्रामीणों का आक्रोश अब सड़कों पर फूट पड़ा है। सोमवार रात के बाद, मंगलवार को लगातार दूसरे दिन आक्रोशित ग्रामीणों ने हटा-रजपुरा मार्ग पर चक्काजाम कर दिया।

आश्वासन निकला खोखला, आक्रोश में बदले हालात

प्राप्त जानकारी के अनुसार, बिजली गुल होने से परेशान ग्रामीणों ने सोमवार की रात भी हटा-रजपुरा मार्ग पर जाम लगाकर प्रदर्शन किया था। उस दौरान मौके पर पहुंचे जिम्मेदार अधिकारियों ने जल्द से जल्द बिजली आपूर्ति सुचारू करने का झुनझुना थमाते हुए समझाइश दी थी, जिसके बाद ग्रामीणों ने जाम खोल दिया था। लेकिन विभाग का यह आश्वासन खोखला साबित हुआ। मंगलवार दोपहर तक जब क्षेत्र की बत्ती गुल रही और बिजली बहाल करने के कोई जमीनी प्रयास नजर नहीं आए, तो ग्रामीणों का धैर्य जवाब दे गया। गुस्से से आगबबूला ग्रामीणों ने आज दोपहर एक बार फिर अजब धाम चौकी के सामने हटा-रजपुरा मार्ग पर बैठकर भारी चक्काजाम कर दिया

मौके पर पहुंचे प्रशासनिक अधिकारी, राहगीर परेशान

लगातार दूसरे दिन जाम की सूचना मिलते ही प्रशासन में हड़कंप मच गया। मौके पर नवागत मगरोंन थाना प्रभारी वंदना गौर, विद्युत विभाग के जेई बीएल पटेल, अजब धाम चौकी प्रभारी रघुवीर सिंह ठाकुर और नायब तहसीलदार कोमल चढ़ार भारी पुलिस बल के साथ पहुंचे। अधिकारियों द्वारा लगातार ग्रामीणों को समझाने और जल्द फॉल्ट

सुधारने का प्रयास करने की बात कही जा रही है, लेकिन ग्रामीण इस बार ठोस कार्रवाई और बिजली चालू होने तक हटने को तैयार नहीं दिखे। जाम के कारण मार्ग के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं, जिससे राहगीरों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों का कहना है कि- क्षेत्र के दर्जनभर गांवों में पिछले 72 घंटों से एक यूनिट बिजली भी नहीं सप्लाय हुई है।

बिजली न होने से नल-जल योजनाएं और वॉटर पंप ठप पड़े हैं, जिससे गांवों में पीने के पानी का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। भीषण उमस के बीच रात में बिजली न रहने से बच्चे और बुजुर्ग सो नहीं पा रहे हैं, वहीं संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ गया है।

अधिकारियों का अड़ियल रवैया:

ग्रामीणों का आरोप है कि शिकायत करने पर भी विद्युत विभाग के लाइनमैन या ऊंचे अधिकारी फोन नहीं उठाते और न ही समय पर मेंटेनेंस करते हैं।

> "बिजली आपूर्ति में तकनीकी खराबी (फॉल्ट) के कारण समस्या आई है। हमारी टीम लगातार काम कर रही है। ग्रामीणों को समझाकर जल्द ही जाम खुलवा लिया जाएगा और शाम तक हर हाल में बिजली व्यवस्था बहाल करने की कोशिश की जा रही है।"
> – बीएल पटेल, जेई, विद्युत विभाग

कब सुधरेगी हटा क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था?

यह कोई पहला मामला नहीं है जब हटा के ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह का बिजली संकट देखा गया हो। मेंटेनेंस के नाम पर घंटों की कटौती के बाद भी एक हल्के तूफान या बारिश में पूरा सिस्टम धराशायी हो जाता है। अब देखना यह होगा कि प्रशासन के इस नए आश्वासन के बाद फतेहपुर क्षेत्र को अंधेरे से मुक्ति मिलती है या ग्रामीणों को उग्र आंदोलन के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

जमीन विवाद से परेशान महिला जहर की गोलियां लेकर पहुंची जनसुनवाई, कलेक्ट्रेट में मचा हड़कंप...

समाज जागरण जिला संवाददाता उदय सिंह लोधी

दमोह। जिला कलेक्ट्रेट में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई उस समय तनावपूर्ण माहौल में बदल गई, जब पटेरा तहसील के भरताला गांव की रहने वाली नीतू राजपूत अपनी शिकायत के साथ जहरीली गोलियों का पैकेट लेकर अधिकारियों के सामने पहुंच गईं। महिला ने साफ चेतावनी दी कि यदि वर्षों से लंबित उसकी समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वह कोई बड़ा कदम उठाने को मजबूर होगी।

महिला ने एसडीएम और जिला पंचायत सीईओ के समक्ष आरोप लगाया कि पांच वर्ष पूर्व खरीदी गई जमीन का आज तक न तो नामांतरण हुआ और न ही उसे कब्जा मिल सका है। उनका कहना था कि दूसरे पक्ष का कब्जा होने के बावजूद

लगातार तहसील और कलेक्ट्रेट के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं, लेकिन हर बार सिर्फ सुनवाई की नई तारीख मिल जाती है।

जनसुनवाई के दौरान जैसे ही महिला ने अपने बैग से जहरीली गोलियों का पैकेट निकाला, वहां मौजूद लेडी टीआई रचना मिश्रा ने तत्काल सतर्कता दिखाते हुए गोलियां अपने कब्जे में लेने का प्रयास किया। हालांकि महिला ने पहले पैकेट वापस बैग में रख लिया। इसके बाद अधिकारियों ने शांतिपूर्वक उसकी पूरी बात सुनी और पटेरा तहसीलदार से चर्चा कर मामले में शीघ्र कार्रवाई का भरोसा दिलाया।

जनसुनवाई समाप्त होने के बाद पुलिस ने एहतियात के तौर पर महिला के पास मौजूद जहरीली गोलियां अपने कब्जे में ले लीं, ताकि किसी अप्रिय घटना की आशंका न रहे। प्रशासन ने बताया कि मामले की अगली सुनवाई 16 जुलाई को निर्धारित है और नियमानुसार कार्रवाई कर महिला की समस्या के समाधान का प्रयास किया जाएगा।

पटना के पालीगंज में संदिग्ध परिस्थितियों में 22 वर्षीय युवक की मौत, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के पालीगंज अनुमंडल अंतर्गत सरसी गांव में सोमवार की देर शाम एक 22 वर्षीय युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। मृतक की पहचान सरसी गांव निवासी वीरेंद्र राम के पुत्र दीपक कुमार के रूप में हुई है। युवक की अचानक हुई मौत से परिवार में कोहराम मचा है और ग्रामीण सदमे में हैं। मृतक के पिता वीरेंद्र राम ने बेटे की मौत को सामान्य मानने से इनकार करते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने बताया कि दीपक सोमवार शाम गांव के ही कुछ युवकों के साथ घर से बाहर निकला था। परिजनों का आरोप है कि उक्त युवकों ने दीपक को जबरन शराब पिलाई और इसके बाद उसकी हत्या कर दी। पिता का यह भी दावा है कि घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। परिजनों ने पुलिस से निष्पक्ष जांच कर दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पालीगंज थाना पुलिस ने तुरंत घटनास्थल का मुआयना किया। पालीगंज थानाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह ने बताया कि परिजनों के आरोपों को गंभीरता से लिया गया है। वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाने के लिए विशेष अनुसंधान दल (फॉरेंसिक टीम) को मौके पर बुलाया गया, ताकि घटनास्थल से पुख्ता प्रमाण एकत्र किए जा सकें। पुलिस का कहना है कि मामला पूरी तरह से वैज्ञानिक साक्ष्यों, पोस्टमार्टम रिपोर्ट और चिकित्सकीय परीक्षण पर आधारित होगा। अभी किसी भी आरोपी की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन जांच के दायरे में कई संदिग्ध शामिल हैं। दीपक की असामयिक मृत्यु से सरसी गांव में मातम का माहौल है। ग्रामीण इस घटना को लेकर स्तब्ध हैं और क्षेत्र की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठा रहे हैं। प्रशासन ने ग्रामीणों और परिजनों को निष्पक्ष जांच का भरोसा दिया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल, पुलिस घटना से जुड़े हर पहलू की बारीकी से जांच कर रही है और आरोपियों की तलाश में छापेमारी की तैयारी की जा रही है। क्या यह मामला केवल शराब का है या इसके पीछे कोई गहरी साजिश है, यह जांच रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगा।

मध्य प्रदेश ,शहडोल संभाग , दुर्गा मंदिर मार्केट अमलाई , जिला अनूपपुर के युवा रैपर सैयद अल्तमश (अर्श) की उड़ान: जिम्मेदारियों के बीच जिंदा रखा हिप-हॉप का सपना

समाज जागरण

मध्य प्रदेश के शहडोल संभाग जिला अनूपपुर के छोटे से कस्बे अमलाई के रहने वाले 22 वर्षीय सैयद अल्त मश (अर्श) आज अपनी मेहनत, संघर्ष और हिप-हॉप के प्रति जुनून की वजह से युवाओं के बीच तेजी से पहचान बना रहे हैं। पढ़ाई, नौकरी और संगीत–तीनों को साथ लेकर चलने वाले अल्तमश की कहानी उन युवाओं के लिए प्रेरणा है, जो परिस्थितियों के कारण अपने सपनों से समझौता कर लेते हैं।

सैयद अल्तमश ने अपनी शुरूआती शिक्षा कार्मेल कॉन्वेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल अमलाई से पूरी की। फिर ग्रीन बेल्स पब्लिक स्कूल बुढ़ार से इसके बाद उन्होंने इंदौर का रुख किया और देवी अहिल्या विश्व विद्यालय (DAVV) से बीबीए की पढ़ाई शुरू की। परिवार पर आर्थिक बोझ न पड़े, इसलिए उन्होंने मात्र 18 वर्ष की उम्र में नौकरी करना शुरू कर दिया। पढ़ाई के साथ-साथ उन्होंने अपनी मेहनत से खुद के खर्च उठाए और वर्तमान में वे U.K आधारित कंपनी Xtrim Global Solution में कार्यरत हैं।

लेकिन अल्तमश की असली पहचान उनकी संगीत यात्रा है। महज 11 साल की उम्र में उन्होंने हिप-हॉप डांस सीखना शुरू किया था। उस समय उनका सपना एक बेहतरीन डांसर बनने का था। हालांकि स्कूल की पढ़ाई पूरी होने के बाद जिम्मेदारियां बढ़ीं और उनका यह सपना पीछे छूट गया। लेकिन हिप-हॉप के प्रति उनका प्यार कभी कम नहीं हुआ। साल 2022 में उन्होंने रैप लिखना और अपना ओरिजिनल म्यूजिक बनाना शुरू किया। उन्होंने अपनी जिंदगी के संघर्ष, छोटे शहर की सोच, सपनों और हकीकत को अपनी कलम से शब्द दिए। उनके रैप में दिखने वाली सच्चाई और कच्चापन Rawness लोगों को सीधे जोड़ने लगा। आज सैयद अल्तमश अपने रैप वीडियो मुख्य रूप से Instagramपर साझा करते हैं, जहां उनके गानों को लगातार पसंद किया

जा रहा है। उनकी लोकप्रियता उस समय तेजी से बढ़ी जब उन्होंने अपने एक रैप में अपने गृहनगर अमलाई शहडोल का प्रतिनिधित्व किया। यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ और मध्य प्रदेश के कई हिस्सों में लोगों ने उनकी आवाज और लेखनी की सराहना की।

दिलचस्प बात यह है कि अब तक अल्तमश ने YouTube या Spotify जैसे बड़े म्यूजिक प्लेटफॉर्म पर अपना आधिकारिक कंटेंट रिलीज नहीं किया है। इसके बावजूद अमलाई और शहडोल सहित आसपास के क्षेत्रों में उन्होंने अपनी एक अलग पहचान और मजबूत फैन बेस तैयार कर लिया है। उनके प्रशंसकों का मानना है कि उनके रैप की सबसे बड़ी ताकत उनकी सच्ची कहानी, दमदार शब्द और युवाओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा देने वाला संदेश है। अल्तमश का कहना है कि वे सिर्फ गाने नहीं लिखते, बल्कि अपने शहर, अपनी मिट्टी और अपने संघर्ष को आवाज देते हैं। यही वजह है कि उनकी हर रचना में शहडोल संभाग की झलक साफ दिखाई देती है। अब सैयद अल्तमश अपने अब तक के सबसे बड़े प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। उन्होंने इस वर्ष 18 गानों का एक एल्बम रिलीज करने की योजना बनाई है। इस एल्बम का उद्देश्य केवल संगीत पेश करना नहीं, बल्कि शहडोल और पूरे मध्य प्रदेश की पहचान को देशभर तक पहुंचाना है। बताया जा रहा है कि एल्बम का हर ट्रैक किसी न किसी रूप में उनके शहर, वहां के लोगों, संघर्ष और स्थानीय संस्कृति को दर्शाएगा।

छोटे शहर से निकलकर बड़े सपने देखने वाले सैयद अल्तमश का सफर इस बात का उदाहरण है कि अगर जुनून और मेहनत साथ हों, तो जिम्मेदारियां भी मंजिल का रास्ता नहीं रोक सकतीं। स्थानीय युवाओं के बीच वे पहले ही एक उभरते हुए नाम बन चुके हैं, और यदि उनकी रफ्तार इसी तरह बनी रही, तो आने वाले वर्षों में वे न केवल मध्य भारत बल्कि पूरे देश के हिप-हॉप मंच पर अपनी अलग पहचान बनाने में सफल हो सकते हैं। सैयद अल्तमश का कहना है मेरी मेहनत के साथ साथ मेरे पिता रफीक अहमद (अज्जू) मेरा परिवार व वार्ड क्र० 7 के पार्षद पवन गलवानी (चीनी चाचा) साथ ही सभी नगर वाशियो का मुझे पूरा सहयोग व आशीर्वाद मिला है '

जल संवर्धन महाअभियान का समापन या अव्यवस्थाओं का महाउत्सव ?

पानी बचाने का संदेश देने वाले कार्यक्रम में पीने के पानी तक का संकट, धूप में तड़पते रहे छात्र-छात्राएं, पेड़ की छांव बनी सहारा

समाज जागरण

अनूपपुर। जिले में आयोजित जल संवर्धन महाअभियान के समापन समारोह का उद्देश्य जल संरक्षण का संदेश देना था, लेकिन विडंबना यह रही कि जिस कार्यक्रम में हजारों लोगों को आमंत्रित किया गया, वहां पीने के पानी तक की समुचित व्यवस्था नहीं की गई। कार्यक्रम में शामिल नौनिहाल, छात्र-छात्राएं, शिक्षक, सचिव और अन्य प्रतिभागी भीषण गर्मी में घंटों परेशान होते रहे, जबकि मंच पर विराजमान अधिकारी और जनप्रतिनिधि अपनी सुविधाओं में व्यस्त दिखाई दिए।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब जल संवर्धन का संदेश दिया जा रहा था, तब कार्यक्रम स्थल पर पीने के पानी की पर्याप्त व्यवस्था क्यों नहीं की गई? दूर-दराज से आए स्कूली बच्चे पेड़ों की छांव तलाशते रहे। कई छात्र भूखे-प्यासे धूप में खड़े रहे, तो कुछ मक्खियों और गर्मी के बीच जमीन पर बैठने को मजबूर हुए। लेकिन मंच पर बैठे जिम्मेदार अधिकारियों को शायद यह दृश्य दिखाई ही नहीं दिया। कार्यक्रम स्थल पर लगाया गया पंडाल भी आयोजन की वास्तविक आवश्यकता के मुकाबले बेहद छोटा साबित हुआ। जहां बड़ी संख्या में लोगों को बुलाया गया था, वहां मुश्किल से डेढ़ सौ लोग ही पंडाल के अंदर बैठ सके। बाकी सभी लोगों को खुले आसमान के नीचे तेज धूप में खड़ा रहना पड़ा। बैठने की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण दर्जनों ग्राम पंचायत सचिव, शिक्षक तथा लगभग पचास छात्र-छात्राएं पूरे कार्यक्रम के दौरान धूप में खड़े रहे। हैरानी की बात यह भी रही कि कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिला अधिकारी, महिला कर्मचारी, छात्राएं और महिला जनप्रतिनिधि मौजूद थीं, लेकिन उनके लिए मोबाइल शौचा लय जैसी बुनियादी सुविधा तक उपलब्ध नहीं कराई गई। इससे आयोजन की तैयारियों और संवेदन शीलता पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े हो गए हैं। इस पूरे आयोजन में जिला प्रशासन, विशेषकर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) की कार्यशैली भी सवालों के घेरे में रही। उपस्थित लोगों का कहना था कि जिले ने ऐसा सीईओ भी देखा जो प्रशासनिक शिष्टाचार और जनसंवे दनशीलता की मूल भावना तक भूल गया। जिस अधिकारी का दायित्व व्यवस्थाओं की निगरानी करना था, वही अव्यवस्थाओं पर मौन बना रहा। व्यंग्य यह है कि "जल बचाने" का पाठ पढ़ाने वाले कार्यक्रम में लोग "एक घूंट पानी" के लिए तरसते रहे। मंच पर भाषणों में व्यवस्थाओं की लंबी-लंबी बातें होती रहीं, लेकिन मैदान में खड़े बच्चों की प्यास और धूप से बेहाल चेहरों पर किसी की नजर नहीं पड़ी। ऐसा लगा मानो आयोजन जनता के लिए नहीं, बल्कि मंच की औपचारिकताओं के लिए किया गया हो। अब सवाल यह है कि करोड़ों रुपये के सरकारी अभियानों में यदि आम जनता, छात्र-छात्राओं और कर्मचारियों को न्यूनतम सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं कराई जा सकतीं, तो ऐसे आयोजनों की सफलता का दावा किस आधार पर किया जाता है? जिला प्रशासन को इस पूरे आयोजन की जिम्मेदारी तय करते हुए लापरवाही के लिए उत्तरदायी अधिकारियों से जवाब मांगना चाहिए, ताकि भविष्य में सरकारी कार्यक्रम केवल दिखावा नहीं, बल्कि वास्तव में जनहितकारी बन सकें।

हर्राटोला पंचायत में पत्नी सरपंच पति बना ठेकेदार

घटिया निर्माण और नियमों की अनदेखी के गंभीर आरोप, जांच कार्यवाही भगवान भरोसे

आशा कार्यकर्ता पद के साथ सरपंच की सीट भी संभाल रही निर्वाचित सरपंच रामदुलारी नत्थू सिंह

सरपंच रामदुलारी सिंह

सरपंच पति नत्थू सिंह

> अनूपपुर जिले की ग्राम पंचायत हराटोला में सरपंच रामदुलारी सिंह, उनके पति नत्थू सिंह और पंचायत सचिव के खिलाफ ग्रामीणों ने गंभीर आरोप लगाते हुए एसडीएम पुष्पराजगढ़ और जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ के मुख्यकार्यपालन अधिकारी को शिकायत सौंपे अब 1 महीना बीतने को है लेकिन जिम्मेदार अपने ही मस्ती में मस्त नजर आ रहे है। ग्रामीणों का आरोप है कि सरपंच बनने के बाद पंचायत के अधिकांश निर्माण कार्य उनके पति के माध्यम से कराए गए है,
> जिनमें भारी वित्तीय अनियमितता, घटिया निर्माण सामग्री का उपयोग और ग्राम सभा की मंजूरी के बिना कार्य कराए गए है कुछ कार्य ऐसे भी है जो सिर्फ कागजों में तो है पर जमीनी हकीकत में दिखाई ही नहीं पड़ते है। ग्रामीणों ने पूरे कार्यकाल की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है।

समाज जागरण

जिले की जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ के ग्राम पंचायत हराटोला एक बार फिर गंभीर आरोपों के कारण चर्चा में है। ग्रामीणों द्वारा सौंपे गए शिकायत पत्र में आरोप लगाया गया है कि सरपंच रामदुलारी सिंह के कार्यकाल में पंचायत के अधिकांश विकास कार्य उनके पति द्वारा ठेकेदारी के माध्यम से कराए गए है। शिकायतकताओं का दावा है कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता की अनदेखी की गई, फर्जी तरीके से भुगतान निकाला गया तथा ग्राम सभा की स्वीकृति के बिना योजनाओं को क्रियान्वित किया गया है। ग्रामीणों का यह भी आरोप है कि सरपंच रामदुलारी सिंह आशा कार्यकर्ता के रूप में भी कार्यरत हैं और अपने दोनों पदों का उपयोग कर प्रशासन को गुमराह करने का प्रयास किया जा रहा है। शिकायत में पूरे कार्यकाल के विकास कार्यों, भुगतान, गुणवत्ता और नियमों के पालन की निष्पक्ष जांच कराने तथा दोषियों पर कार्यवाही की मांग की गई है।

सरपंच बनने के बाद पति को ठेकेदारी देने का आरोप

ग्रामीणों का आरोप है कि सरपंच रामदुलारी सिंह के निर्वाचित होने के बाद पंचायत के लगभग सभी निर्माण कार्य उनके पति नत्थू सिंह के माध्यम से कराए गए है। शिकायतकताओं का कहना है कि पंचायत के कार्यों में पारदर्शिता नहीं बरती गई और ठेकेदारी जैसी व्यवस्था अपनाकर सरकारी धन का दुरुपयोग किया गया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि पंचायत प्रतिनिधि स्वयं या उनके निकट संबंधी पंचायत कार्यों में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष लाभ नहीं ले सकते, लेकिन इस सिद्धांत की अनदेखी की गई है। अब इस पूरे मामले की जांच भगवान भरोसे अधर में लटकते दिखाई पड़ रही है।

नियमों की अनदेखी और हितों के टकराव का आरोप

ग्रामीणों ने शिकायत करते हुए अधिकारियों के समक्ष कहा है कि पंचायत के निर्वाचित प्रतिनिधि को अपने पद का उपयोग निजी या पारिवारिक लाभ के लिए नहीं करना चाहिए। शिकायतकताओं का आरोप है कि यदि सरपंच के पति द्वारा पंचायत के कार्य कराए गए हैं तो यह हितों के टकराव का मामला हो सकता है। ग्रामीणों ने मांग की है कि प्रशासन यह जांच जल्द से जल्द करे कि क्या कार्यों का आवंटन और भुगतान पंचायत एवं वित्तीय नियमों के अनुरूप हुआ या नहीं तथा कहीं नियमों का उल्लंघन तो नहीं हुआ है अगर हुआ है तो नियमानुसार कार्यवाही सुनिश्चित की करे।

आशा कार्यकर्ता रहते शासन को गुमराह करने का आरोप

ग्रामीणों का आरोप है यह भी है कि सरपंच रामदुलारी सिंह वर्तमान में आशा कार्यकर्ता के रूप में भी कार्यरत हैं। ग्रामीणों का दावा है कि दोनों भूमिकाओं के कारण प्रशासनिक कार्यों में निष्पक्षता प्रभावित हुई है तथा शासन को भ्रामक जानकारी दी गई है। शिकायतकताओं ने मांग की है कि संबंधित विभाग यह स्पष्ट करे कि दोनों जिम्मेदारियों के निर्वहन में किसी प्रकार के सेवा नियमों या दिशा-निदेशों का उल्लंघन हुआ है या नहीं। इस संबंध में भी स्वतंत्र जांच की मांग की गई है।

घटिया निर्माण और लाखों की वित्तीय अनियमितता के आरोप

ग्रामीणों के अनुसार पंचायत में सड़क, पुल और अन्य विकास कार्यों में मानकों का पालन नहीं किया गया है। शिकायत में आरोप है कि गिट्टी और बोल्डर के स्थान पर घटिया सामग्री का उपयोग किया गया है कई सड़कों में बिना बेस डाले ही सड़क की ढलाई कर दी है है, जबकि भुगतान उच्च गुणवत्ता वाले कार्यों के नाम पर किया गया है। कुछ कार्यों में वास्तविक लागत से कई गुना अधिक राशि निकालने का भी आरोप लगाया गया है। ग्रामीणों ने तकनीकी जांच, माप पुस्तिका, भुगतान रजिस्टर और निर्माण सामग्री की जांच कराने की मांग की है।

पूरे कार्यकाल की जांच और कार्यवाही की मांग

ग्रामीणों ने सामूहिक हस्ताक्षरयुक्त ज्ञापन देकर सरपंच, सचिव और संबंधित अधिकारियों के पूरे कार्यकाल की जांच की मांग की है। शिकायतकताओं का कहना है कि पंचायत में हुए सभी विकास कार्यों का सामाजिक अंकेक्षण, वित्तीय ऑडिट और तकनीकी परीक्षण जल्द ही करवाया जाए और ग्राम पंचायत की जनता के समक्ष रखा जाए। यदि जांच में आरोप सही पाए जाते हैं तो दोषियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम तथा अन्य लागू वित्तीय नियमों के तहत कार्यवाही की जाए। साथ ही, जांच पूरी होने तक संदिग्ध निर्माण कार्यों के भुगतान और नए कार्यों पर रोक लगाने की मांग भी की गई है।

इनका कहना है

शिकायत प्राप्त हुई है जल्द ही जांच कर कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी, आशा कार्यकर्ता के संबंध में स्वास्थ्य विभाग को पत्राचार किया गया है जैसे ही दस्तावेज जानकारी प्राप्त होती है कार्यवाही नियमानुसार होगी।
हरीश चंद्र द्विवेदी मुख्य कार्यपालन अधिकारी पुष्पराजगढ़

बल्क वेस्ट जनरेटर को नोटिस देकर कराएं कचरा निस्तारण, अन्यथा लगाया जाए जुमार्ना

जिलाधिकारी ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन-2026 के क्रियान्वयन के लिए नगर पालिकाओ के अधिकारियो के साथ बैठक कर दिया आवश्यक दिशा निर्देश

समाज जागरण

मीरजापुर/ ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमावली के प्रभावी क्रियान्वयन के दृष्टिगत जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार ने आज जनपद के नगर पालिका/नगर पंचायतों के अधिकारियो व जिला पंचायत राज अधिकारी के साथ बैठक कर शहरी निकाय के साथ-साथ ग्रामीण स्थानीय निकायो में प्रभावी ढंग से लागू कर क्रियान्वयन कराने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि नगर/ ग्रामीण क्षेत्रो के पोर्टलो मैरिज हाल, अस्पताल, शिक्षण संस्थान, अपार्टमेंट एवं ऐसे व्यवसायिक प्रतिष्ठानो से जहां सौ किलो व उससे अधिक कचरा निकलता है वे बल्क वेस्ट जनित्र की श्रेणी में आते है ऐसे प्रतिष्ठानो को अधिशासी अधिकारी नगर पालिका के द्वारा एक सप्ताह के अन्दर नोटिस जारी कर अपने परिसर में ही गीले व सूखे कचरे का निस्तारण सुनिश्चित कराएं। किसी प्रतिष्ठान/संस्थान के द्वारा ऐसा न करने पर उन नियमानुसार प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि नियमावली में निहित जुमार्ना भी उल्लंघन करने वालो पर लगाया जाए तथा प्रतिष्ठान सील करने की भी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। स्वच्छ भारत मिशन के तहत कचरा प्रबंधन सबसे महत्वपूर्ण है। बल्क वेस्ट जनरेटर अपने स्वयं की जिम्मेदारी समझे तथा नियमानुसार कार्यवाही करे। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि डोर-टू डोर कूड़ा कलेक्शन के लिए निकाय क्षेत्रान्तर्गत रूट चार्ट तैयार कर समस्त घरो, दुकानो के द्वार तक जाकर ठोस अपशिष्ट का संग्रह किया जाए तथा उपरोक्त वाहन पर सम्बन्धित बी0 डब्लू0जी0 को भी बैठाकर लोगो को जन जागरूकता के लिए मोहल्लो में भेजा जाए। उन्होंने कहा कि उत्पन्न पृथक ठोस अपशिष्ट अर्थात गीला अपशिष्ट, सूखा अपशिष्ट, स्वास्थ्य कर अपशिष्ट तथा और विशेष देखभाल अपशिष्ट के पृथक-पृथक भंडारण के लिए उपयुक्त कंटेनर रखे जाए। उन्होंने कहा कि वार्ड में जाने वाले गाड़ियो में लगे जी0पी0एस0 पूर्णतया संचालित हो तथा समय-समय पर वरिष्ठ अधिकारियो द्वारा निरीक्षण सुनिश्चित किया जाए। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के नियमानुसार त्रैमासिक बैठक समय कराने के भी निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि अपशिष्ट प्रबंधन के निस्तारण के पश्चात कम्पोजिट खाद्य को बेचने की भी कार्यवाही सुनिश्चित करे ताकि उक्त स्थान पर पर्याप्त स्थान कूड़ा रखने के लिए हो। नगरो से उठाए गए कूड़ा, रिसाइक्लिंग प्लांट, गोपालपुर में भेजना सुनिश्चित किया जाए। अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 विनोद कुमार सिंह ने कहा कि ठोस अपशिष्ट कूड़ा प्रबंधन के लिए डोर टू डोर लगाई जाने वाली गाड़िया किस समय पर किस मोहल्ले में जायेंगी प्रति गाड़ीवार कार्य योजना बनाकर उपलब्ध कराया जाए ताकि इसका निरीक्षण भी कराया जा सके इसके लिए लोगो में जन जागरूकता भी लाया जाए। उन्होंने कहा कि मोहल्लो के बीच तालाबो से कूड़ा हटाकर उसका डिस्पोजल सुनिश्चित कराया जाए। अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद मीरजापुर ने बताया कि नगर पालिका मीरजापुर में डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन के लिए वर्तमान में 18 गाड़िया लगाई गई है कुल 38 वार्डो में 750 आउटसोर्सिंग/सविंदा/नियमित कर्मचारी कार्यरत है। सुपरवाइजर की निगरानी में विस्तृत कार्य योजना बनाकर कार्य कराया जा रहा है।

अपर जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक गाड़ियो का रूट चार्ट निर्धारित मकानो की संख्या भी आवंटित किया जाए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विशाल कुमार, नगर मजिस्ट्रेट अविनाश सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 कीर्ति कुमार मिश्रा, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद मीरजापुर गोवा लाल, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका अहरौरा, जिला पंचायत राज अधिकारी राम उदय यादव सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहें।

निजी भूमि पर बिना सूचना पानी टंकी निर्माण का आरोप, वृद्ध महिला ने उठाए प्रशासनिक कार्रवाई पर सवाल

अमृत 2.0 योजना के तहत निर्माण कार्य शुरू होने से पहले नहीं दिया गया नोटिस, सीमांकन में गड़बड़ी और मिलीभगत के आरोप

समाज जागरण अमलाई।

बरगवां क्षेत्र में एक वृद्ध महिला की निजी भूमि पर बिना पूर्व सूचना और वैधानिक प्रक्रिया पूरी किए पानी टंकी निर्माण शुरू किए जाने का मामला सामने आया है। इस घटना ने स्थानीय प्रशासन और नगर परिषद की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि उनकी निजी भूमि पर करोड़ों रुपये की लागत से पानी टंकी का निर्माण कराया जा रहा है, जबकि उन्हें न तो कोई नोटिस दिया गया और न ही भूमि अधिग्रहण अथवा निर्माण संबंधी कोई आधिकारिक जानकारी उपलब्ध कराई गई।

जानकारी के अनुसार, वृद्ध महिला इंद्रवती महरा, पत्नी स्वर्गीय कोदू राम महरा, की निजी स्वामित्व वाली भूमि आराजी खसरा क्रमांक 496/3 पर अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत पानी टंकी का निर्माण कार्य चल रहा है। पीड़ित परिवार का कहना है कि यह भूमि उनकी निजी संपत्ति है, इसके बावजूद संबंधित विभागों ने उनकी सहमति के बिना निर्माण कार्य शुरू करा दिया।

मामले में यह भी आरोप लगाया गया है कि पटवारी हल्का बकहो द्वारा कथित रूप से गलत नक्शा और सीमांकन तैयार कर अनूपपुर जिले की सीमा के भीतर स्थित इस भूमि को बकहो क्षेत्र का हिस्सा दशार्या गया। इसी आधार पर ठेकेदार को निर्माण कार्य की अनुमति दे दी गई। जबकि स्थानीय लोगों का दावा है कि संबंधित भूमि बरगवां राजस्व परिक्षेत्र में आती है और उसके समीप रेलवे साइडिंग भी स्थित है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि सीमांकन और राजस्व अभि लेखों की निष्पक्ष जांच कराई जाए तो पूरे मामले की वास्तविकता सामने आ सकती है। लोगों ने इस प्रकरण में प्रशासनिक लापरवाही के साथ-साथ मिलीभगत की आशंका भी जताई है।

पीड़ित पक्ष ने जिला प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कराने, निर्माण कार्य पर तत्काल रोक लगाने तथा दोषी अधिकारियों और संबंधित जिम्मेदार व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की है। वहीं इस घटना को लेकर क्षेत्र में नाराजगी का माहौल बना हुआ है और लोग प्रशासन से पारदर्शी एवं न्यायसंगत कार्रवाई की अपेक्षा कर रहे हैं।

शहडोल के निलंबित प्रधान आरक्षक विवेकानंद तिवारी का नया वीडियो वायरल, बोले– "अब मुझे रोकने का अधिकार नहीं रह गया"

समाज जागरण

शहडोल। शहडोल के निलंबित प्रधान आरक्षक विवेकानंद तिवारी एक बार फिर सुर्खियों में हैं। इस बार उन्होंने बिना वर्दी के एक ट्रैफिक जागरूकता वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया, जिसमें वाहन चालकों को इंडिकेटर के सही उपयोग के बारे में जानकारी देते हुए कहा, "अब मुझे रोकने का अधिकार नहीं रह गया।" यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। दावा किया जा रहा है कि महज 10 घंटे में इसे 1.5 करोड़ से अधिक व्यूज मिले, जो बाद में बढ़कर 2.1 करोड़ तक पहुंच गए।

बताया जा रहा है कि निलंबन के बाद विवेकानंद तिवारी ने विभाग को अपना इस्तीफा भी सौंप दिया है। हालांकि, उनके इस्तीफे पर अभी अंतिम निर्णय होना बाकी है।

विवेकानंद तिवारी का कहना है कि अब वे बिना वर्दी के भी देशभर में लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने का अभियान चलाएंगे। वहीं, सूत्रों के अनुसार उनकी पत्नी की आय से जुड़े मामलों की विभागीय जांच भी जारी है।

बनारस से मुंडन कराकर लौट रहे परिवार की कार खड़े ट्रक से टकराई, दंपति समेत 3 की मौत ट्रक चालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज

समाज जागरण

मीरजापुर /बनारस से मुंडन कराकर घर लौट रहे एक परिवार की अर्टिगा कार सड़क किनारे खड़े ट्रक से जा टकराई। दर्दनाक हादसे में पति-पत्नी समेत तीन लोगों की मौत हो गई। जबकि दो बच्चे और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हैं।घटना 28 जून की रात करीब 1:30 बजे ड्रमण्डगंज थाना क्षेत्र के भैसौड़ बलाय पहाड़ (लहुरिया दह) स्थित आरवीएस ढाबा के पास की है। विनय ताम्रकार पुत्र गुलाब दास ताम्रकार निवासी बरही, जिला कटनी (म.प्र.) ने थाना ड्रमण्डगंज में तहरीर दी है। बताया कि 26 जून को उनका चचेरा भाई विकास (37) पत्नी सपना उर्फ सोनम, बेटा शिवांश (2.5 वर्ष), बेटा मोक्ष (8 माह), बहन राधा ताम्रकार व भांजा हिमांशु के साथ अर्टिगा नं. MP21ZD7405 से मुंडन कराने वाराणसी गया था। वापसी में 28 जून की रात करीब 1:30 बजे भैसौड़ बलाय पहाड़ के पास ट्रक नं. UP67AT0054 का चालक बिना इंडिकेटर जलाए लापरवाही से सड़क पर ट्रक खड़ा किया था। अंधेरे में अर्टिगा पीछे से ट्रक में जा घुसी। 3 की मौत, 3 घायल जोरदार टक्कर में विकास व उनकी पत्नी सपना उर्फ सोनम की मौके पर ही मौत हो गई। इलाज के दौरान मेडिकल कॉलेज प्रयागराज में बहन राधा ताम्रकार ने भी दम तोड़ दिया। 2.5 साल का शिवांश, 8 माह का मोक्ष और भांजा हिमांशु गंभीर रूप से घायल हैं, जिनका इलाज चल रहा है। ड्रमण्डगंज थाने में सोमवार को मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच निरीक्षक राजेश राम को सौंपी गई है। हेड कांस्टेबल कमल कुमार ओझा ने तहरीर कंप्यूटर पर दर्ज की। पुलिस की अपील पुलिस ने हाईवे पर खड़े वाहनों को पार्किंग लाइट/इंडिकेटर के साथ खड़ा करने और रिफ्लेक्टर लगाने की अपील की है।

हैंडपंप पर पानी भरने गई महिला से मारपीट, जातिसूचक गालियां देकर सिर फोड़ा मुकदमा दर्ज।

समाज जागरण

मीरजापुर /ड्रमण्डगंज थाना क्षेत्र के मलीपुर नौगवां गांव में सरकारी हैंडपंप पर पानी भरने गई महिला के साथ जातिसूचक गालियां देकर मारपीट की गई। हमले में महिला का सिर फट गया। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रार्थिनी मनिता पत्नी रिंकू सोनकर, निवासी मलीपुर नौगवां, थाना ड्रमण्डगंज ने थानाध्यक्ष को तहरीर दी है। बताया कि 29 जून की सुबह करीब 8 बजे वह सड़क किनारे सरकारी हैंडपंप पर पानी भरने गई थी।तभी हैंडपंप के पास मौजूद विपक्षीगण ननकू बिंद पुत्र स्व0 कैर बिंद, बल्ले बिंद पुत्र स्व0 कैर बिंद निवासी मलीपुर नौगवां और एक रिश्तेदार ननकू बिंद का साला रामपति बिंद पुत्र अज्ञात निवासी पिपरा, थाना हलिया ने जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए मां-बहन की भद्दी-भद्दी गालियां दीं और पानी भरने से मना करने लगे। लाठी-डंडे से हमला पीड़िता ने बताया कि जब उसने एक बाल्टी पानी भर लिया तो आरोपियों ने लाठी-डंडे से मारकर लहूलुहान कर दिया। हमले में उसके सिर में चोट आई है। आसपास के लोगों ने बीच-बचाव कर उसकी जान बचाई। आरोपियों ने जान से मारने की धमकी भी दी।

ड्रमण्डगंज थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है। जांच का जिम्मा सीओ लालगंज, उप पुलिस अधीक्षक को सौंपा गया है। तहरीर हे0का0 कमल कुमार ओझा द्वारा कंप्यूटर पर दर्ज की गई। पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

प्रथम प्रयास में पीएचडी में चयनित हुए अक्षय पटेल, क्षेत्र का बढ़ाया मान

समाज जागरण

मीरजापुर / राजगढ़ क्षेत्र के धनसी रिया निवासी अक्षय पटेल ने प्रथम प्रयास में ही पीएचडी में चयनित होकर अपने परिवार एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया है। वह विजय राम सिंह एवं माता सावित्री देवी के पुत्र हैं।

अक्षय पटेल ने अपनी हाईस्कूल की शिक्षा किसान इंटर कॉलेज, राजगढ़ से तथा इंटरमीडिएट की शिक्षा रामसूरत मालती इंटर कॉलेज, राजगढ़ से प्राप्त की। इसके पश्चात उन्होंने कृषक पीजी कॉलेज, ददरा, राजगढ़ से बीएससी एग्रीकल्चर तथा टीडी कॉलेज, जौनपुर से एमएससी एग्रीकल्चर की पढ़ाई पूरी की।अपनी मेहनत, लगन और निरंतर प्रयास के बल पर अक्षय पटेल ने प्रथम प्रयास में ही यह महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। उनकी इस सफलता से परिवार, शुभचिंतकों एवं पूरे क्षेत्र में हर्ष का माहौल है।

अक्षय पटेल को इस शानदार उपलब्धि पर हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभ कामनाएं।

अवैध रूप से शराब/मादक पदार्थो के बड़े कारोबारियो पर अभियान चलाकर करे कार्यवाही -जिलाधिकारी

शराब की लाइसेंसी दुकानो पर मानक के अनुरूप लगाए सी0सी0टी0वी0 कैमरा-आवेररेटिंग पर भी रखे कड़ी निगरानी

समाज जागरण

मीरजापुर /जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार की अध्यक्षता में आज कले क्टेज्ट सभागार में नार्को क्वार्डिनेशन की बैठक सम्बन्धित अधिकारियो के साथ आहूत की गई। जिसमें जनपद में नशे व अवैध मादक पदार्थो की तस्करी/बिक्री पर कड़ा अंकुश लगाने तथा नशा मुक्ति के लिए चलाए जा रहे अभियान के प्रगति की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने पुलिस व आबकारी विभाग को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रत्येक लाइसेंसी शराब की दुकानो पर मानक के अनुरूप सी0सी0टी0वी0 कैमरो लगे हो तथा किसी दुकान ओवर रेटिंग न हो इस पर कड़ी निगरानी रखी जाए। उन्होंने कहा कि अवैध शराब की तस्करी/बिक्री/बनाने वाले बड़े कारोबारियो पर अभियान चलाकर कड़ी कार्यवाही की जाए। आबकारी विभाग व पुलिस विभाग संयुक्त रूप से अवैध कच्ची शराब की भट्यिो को हटाने तथा सम्बन्धित के विरूद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया कि मेडिकल स्टोरो पर यह सुनिश्चित करे कि प्रतिबन्धित दवाईयों की ब्रिकी न होने पाए। वन विभाग के क्षेत्रो में भी अभियान चलाकर निगरानी रखी जाए वन क्षेत्र कतिपय गांवो में अवैध कच्ची शराब बनाने की शिकायते यदि मिलती है तो उन पर कड़ी कार्यवाही की जाए। संयुक्त निदेशक अभियोजन को निर्देशित करते हुए कहा कि एन0डी0पी0एस0 के तहत मुकदमों में कड़ी पैरवी करते हुए दोषियो को कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जाए। मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया कि अवैध शराब/मादक पदार्थ के सेवन से प्रभावित व्यक्ति यदि अस्पतालो में उपचार कराने आता है तो उसे प्रभावी ढंग से समुचित उपचार दिया जाए तथा किसी शराब माफिया अथवा शराब माफिया के संलिप्ता के शंका पाई जाती है तो तत्काल पुलिस को भी सूचना दी जाए। बैठक में अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 विनोद कुमार सिंह, नगर मजिस्ट्रेट अविनाश सिंह, संयुक्त निदेशक अभियोजन गजराज मिश्रा, क्षेत्राधिकारी नगर, मुख्य चिकि त्साधिकारी डा0 कीर्ति कुमार मिश्रा, के अलावा अन्य सम्बन्धित अधि कारी उपस्थित रहें।

सोनभद्र में दो माह बाद एक जुलाई से पुनः चलेगी नियमित कोर्ट

- इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश के अनुपालन में एक मई से 30 जून तक चल रही थी प्रातःकालीन कोर्ट

- जिले की भौगोलिक स्थिति के साथ ही अत्यधिक गर्मी पड़ने के मद्देनजर प्रति वर्ष मार्निंग कोर्ट का होता है संचालन

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश के अनुपालन में सोनभद्र की अदालतों में दो माह मार्निंग कोर्ट चल रही थी, लेकिन अब पुनः नियमित कोर्ट चलेगी। एक जुलाई बुधवार से सुबह 10 बजे से कोर्ट का संचालन शुरू हो जाएगा। जिसकी वजह से न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं, कर्मचारियों एवं वादकारियों के नित्य क्रिया में एकबार फिर से परिवर्तन

करना पड़ेगा जिससे शुरूआत में परेशानी होगी। बता दें कि सोनभद्र जिले की भौगोलिक स्थिति अन्य जिलों से भिन्न है। जिसके चलते दो महीने मई और जून माह में भयंकर गर्मी पड़ती है। सोनभद्र बार एसोसिएशन एवं डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के संयुक्त प्रस्ताव पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सोनभद्र में दो माह अर्थात एक मई से 30 जून तक के लिए मार्निंग कोर्ट संचालित करने का निर्देश दिया था। जिसकी वजह से प्रातः 6:30 बजे से दोपहर बाद 1:30 बजे तक मार्निंग कोर्ट चल रही थी। यह आदेश जनपद न्यायालय सोनभद्र व अधीनस्थ न्यायालयों, वाह्य न्यायालय अनपरा स्थित ओबरा, दुद्धी व ग्राम न्यायालय घोरावल पर लागू था। लेकिन अब एक जुलाई बुधवार से पुनः पहले की तरह सुबह 10 बजे से नियमित कोर्ट का संचालन होगा। इससे एकबार फिर से न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं, कर्मचारियों व वादकारियों को अपने दिनचर्या में बदलाव करना पड़ेगा, जिससे शुरूआत में कुछ दिनों तक परेशानी होगी, बाद में सुचारू रूप से चलने लगेगा।

एनटीपीसी प्रबंधन ने महुआबारी में चस्पा किया नोटिसः 7 दिन में जवाब का निर्देश, पुनर्वास के मुद्दे पर गरमाई बहस

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। एनटीपीसी रिहंद द्वारा अधिग्रहित भूमि पर बने कथित अवैध निर्माणों के विरुद्ध कार्रवाई एक बार फिर तेज हो गई है। मंगलवार को सिरसोती गावँ के महुआबारी में कई मकानों पर एनटीपीसी प्रबंधन की ओर से नोटिस चस्पा कर संबंधित लोगों को नोटिस प्राप्त होने की तिथि से सात दिनों के भीतर अपना पक्ष प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया। साथ ही नोटिस में नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने की चेतावनी भी दी गई है।नोटिस चस्पा होने के बाद महुआबारी में लोगों के बीच असमंजस और चिंता का माहौल है। मौके पर पहुंचे मीडिया प्रतिनिधियों से बातचीत में एनटीपीसी के लॉ अधिकारी प्रदीप कुमार ने बताया कि फिलहाल संबंधित लोगों से सात दिनों के भीतर अपना लिखित जवाब मांगा गया है। उन्होंने कहा कि जवाब मिलने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। हालांकि, जब उनसे प्रभावित परिवारों के पुनर्वास और वैकल्पिक आवास की व्यवस्था के संबंध में सवाल किया गया तो उन्होंने इस विषय पर कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया। इससे प्रभावित परिवारों की चिंताएं और बढ़ गई हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि वे किसी भी प्रकार की कानूनी प्रक्रिया का विरोध नहीं कर रहे हैं, लेकिन बिना उचित पुनर्वास और सुरक्षित आवास उपलब्ध कराए अपने आशियाने छोड़ना उनके लिए संभव

नहीं है। उनका कहना है कि दशकों से रह रहे परिवारों के भविष्य को सुरक्षित किए बिना बेदखली की कार्रवाई मानवीय दृष्टि से उचित नहीं होगी। प्रभावित परिवारों ने बताया कि वे पहले भी एनटीपीसी प्रबंधन के सामने अपना पक्ष रख चुके हैं। इसके अलावा जिलाधिकारी एवं उपजिलाधिकारी से भी हस्तक्षेप कर न्यायसंगत समाधान की मांग की गई है, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल सामने नहीं आई है। उल्लेखनीय है कि एनटीपीसी रिहंद द्वारा जारी नोटिस में स्पष्ट कहा गया है कि ग्राम महुआबारी स्थित अधिग्रहित भूमि पर किए गए कथित अवैध निर्माणों को एक सप्ताह के भीतर स्वयं हटा लिया जाए। अन्यथा एनटीपीसी प्रबंधन नियमानुसार ध्वस्तीकरण की कार्रवाई करेगा, जिसकी समस्त जिम्मेदारी संबंधित व्यक्ति की होगी। नोटिस चस्पा होने से महुआबारी में विस्थापन और पुनर्वास का मुद्दा चर्चा के केंद्र में आ गया है। अब लोगों की नजरें प्रशासन और एनटीपीसी प्रबंधन के अगले कदम पर टिकी हैं। प्रभावित परिवारों को उम्मीद है कि अंतिम निर्णय से पहले उनकी समस्याओं और पुनर्वास की मांग पर गंभीरता से विचार किया जाएगा।

महिलाओं के विरुद्ध अपराधों पर सख्त कार्रवाई, दुष्कर्म का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) अनिल कुमार के पर्यवेक्षण, क्षेत्राधिकारी नगर रणधीर मिश्रा के नेतृत्व तथा प्रभारी निरीक्षक थाना रॉबर्ट्सगंज के कुशल मार्गदर्शन में वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है।

आज दिनांक 30.06.2026 को उ0नि0 मानवेन्द्र सिंह मय पुलिस टीम के साथ मु0अ0सं0 350/2026, धारा 333, 64(1), 351(3) बी.एन.एस. थाना रॉबर्ट्सगंज, जनपद सोनभद्र से संबंधित वांछित

अभियुक्त की तलाश एवं चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान मुखबिर खास से सूचना प्राप्त हुई कि उक्त मुकदमे का वांछित अभियुक्त रितिक रोशन उर्फ लालू ग्राम मधुपुर स्थित दोमुहवा पुल के पास कहीं बाहर जाने की फिराक में मौजूद है। सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया गया। आवश्यक वैधानिक कार्रवाई पूर्ण करते हुए माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। पूछताछ में अभियुक्त ने अपना नाम ऋतिक रोशन उर्फ लालू पुत्र राम अवध मौर्य, निवासी ग्राम नागनार हरैया, थाना रॉबर्ट्सगंज, जनपद सोनभद्र, उम्र लगभग 24 वर्ष बताया। अभियुक्त ने बताया कि उसे अपने विरुद्ध दर्ज मुकदमे की जानकारी हो गई थी तथा गिरफ्तारी से बचने के उद्देश्य से वह बाहर जाने की तैयारी में था।

सोनभद्र पुलिस द्वारा महिलाओं के विरुद्ध अपराधों में संलिप्त अभियुक्तों के विरुद्ध कठोर एवं प्रभावी कार्रवाई निरंतर जारी है।

मरीजों की जिंदगी से खिलवाड़ पर बड़ा एक्शन, अस्पतालों में छापेमारी के बाद 2 सीज

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। दुद्धी कस्बे में अवैध रूप से संचालित निजी अस्पतालों के खिलाफ मंगलवार को जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग ने संयुक्त अभियान चलाकर बड़ी कार्रवाई की। उपजिलाधिकारी निखिल यादव के नेतृत्व में गठित टीम ने कई निजी अस्पतालों पर छापेमारी की, जिसमें गंभीर अनियमितताएं सामने आने पर दो अस्पतालों को सीज कर दिया गया। साथ ही अस्पताल संचालकों के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग की ओर से एफआईआर दर्ज कराई गई।

कार्रवाई में नोडल अधिकारी डॉ. गुलाब शंकर यादव, सीएचसी अधीक्षक डॉ. शाह आलम, बीपीएम संदीप सिंह तथा कस्बा इंचार्ज अमित कुमार सिंह भी शामिल रहे। टीम ने रेलवे स्टेशन रोड सहित कस्बे के विभिन्न निजी अस्पतालों का निरीक्षण किया। जांच के दौरान एक अस्पताल बाहर से बंद मिला, लेकिन पीछे के रास्ते से मरीजों का आना-जाना जारी था और अंदर इलाज किया जा रहा था। वहीं दूसरे अस्पताल में बिना मानकों के बच्चा वार्ड संचालित होता मिला। इन

अनियमितताओं को देखते हुए दोनों अस्पतालों को तत्काल सीज कर दिया गया। संयुक्त टीम ने पहले से सील समृद्धि अस्पताल का भी निरीक्षण किया, जहां संदिग्ध गतिविधियों की सूचना पर कर्मचारियों से पूछताछ की गई। सेवा सदन अस्पताल में अभिलेखों की जांच की गई, जबकि शिवा अस्पताल में बिना सूचना मरीज भर्ती मिलने और ऑपरेशन थिएटर में निर्धारित मानकों का पालन न होने पर ऑपरेशन थिएटर सील कर दिया गया। इंडियन बैंक के सामने स्थित एक निजी अस्पताल में भी चौंकाने वाला मामला सामने आया। अस्पताल बाहर से बंद था, लेकिन अंदर एक आदिवासी परिवार का बच्चा भर्ती मिला। अधिकारियों ने बच्चे को सुरक्षित सरकारी अस्पताल भिजवाया। उपजिलाधिकारी निखिल यादव ने कहा कि मरीजों की जिंदगी से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। बिना मानक संचालित अस्पतालों, अवैध इलाज और नियमों के उल्लंघन के मामलों में कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि निजी अस्पतालों तक मरीज पहुंचाने में कथित रूप से संलिप्त आशा और एएनएम कर्मियों की भी पहचान की जा रही है। यदि जांच में उनकी संलिप्तता सामने आती है तो उनके विरुद्ध भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

1 जुलाई से 15 अगस्त तक चलेगा रोवर द्वारा पैमाइश अभियान, आधुनिक तकनीक से होगी सटीक पैमाइश

जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से अभियान का लाभ उठाने की अपील

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश सरकार की ऐतिहासिक पहल के अंतर्गत धारा-24 के तहत 1 जुलाई 2026 से 15 अगस्त 2026 तक जनपद की सभी तहसीलों में रोवर (GNSS) तकनीक के माध्यम से भूमि पैमाइश अभियान संचालित किया जाएगा। जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने बताया कि प्रत्येक तहसील में रोवर उपलब्ध रहेगा, जिससे भूमि की वास्तविक स्थिति का कम समय में सटीक निर्धारण किया जा सकेगा। आधुनिक राजस्व अभिलेखों के अनुरूप होने वाली इस पैमाइश से सीमा विवाद, अनावश्यक मुकदमेबाजी एवं पैमाइश संबंधी त्रुटियों में कमी आएगी। जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से अपील की है कि जिनकी भूमि पैमाइश लंबित है, वे अभियान का अधिकतम लाभ उठाते हुए संबंधित तहसील से संपर्क कर रोवर के माध्यम से पैमाइश कराएं, जिससे सही रिकॉर्ड और सही अधिकार सुनिश्चित हो सके।

राष्ट्रीय लोकदल के संसदीय दल का गठन हुआ पूर्ण- अभय पटेल

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक कुछ दिन पूर्व आयोजित की गई थी, जिसमें राष्ट्रीय लोकदल के संसदीय दल के गठन का प्रस्ताव रखा गया था जिसे सर्वसम्मति से पास किया गया था, जो आज पूर्ण कर लिया गया। युवा राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश सचिव अभय पटेल ने संसदीय दल के अध्यक्ष एवं सभी सदस्यों तथा विशेष आमंत्रित सदस्यों को बधाई संदेश देते हुए उनके नये दायित्व हेतु उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। रालोद के संसदीय दल के अध्यक्ष के रूप में के०सी० त्यागी एवं सदस्य के रूप में जयंत चौधरी, मेजर जनरल बिशम्बर दयाल, तारीफ सिंह, मुंशीराम, अशोक यादव, मलूक नागर, राजकुमार सांगवान, राजपाल बालियान, अब्दुल सगीर खान, योगेश चौधरी, सुभाष गर्ग, डॉ० यशपाल बघेल, अनिल दुबे, श्रीमती रमा नागर, श्रीमती बबीता तोमर तथा विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में श्री युद्धवीर सिंह, श्री विजय पूनिया, सुखबीर गठीना, चन्द्रबली यादव को मनोनीत किया गया है।

श्रम विभाग एवं मानव तस्करी रोधी थाना (AHT) की संयुक्त टीम का बाल श्रम उन्मूलन अभियान

06 नाबालिग बच्चों को बाल श्रम से कराया गया मुक्त, संबंधित नियोक्ताओं के विरुद्ध की गई विधिक कार्रवाई

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित गोंड एवं पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देशन में जनपद में चलाए जा रहे बाल श्रम उन्मूलन अभियान के क्रम में आज दिनांक 30.06.2026 को श्रम विभाग एवं थाना मानव तस्करी रोधी (AHT), सोनभद्र की संयुक्त टीम द्वारा कस्बा डाला, चोपन, ओबरा सहित विभिन्न स्थानों पर सघन अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान विभिन्न प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया, जिसमें 06 नाबालिग बच्चों को बाल श्रम से मुक्त कराया गया। टीम द्वारा संबंधित नियोक्ताओं के विरुद्ध बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम तथा अन्य

प्रासंगिक विधिक प्रावधानों के अंतर्गत आवश्यक विधिक कार्रवाई की गई। जनपद पुलिस एवं श्रम विभाग द्वारा बाल श्रम, मानव तस्करी एवं बाल अधिकारों के संरक्षण के संबंध में समय-समय पर ऐसे संयुक्त अभियान चलाए जाते रहेंगे, ताकि बच्चों को शिक्षा, सुरक्षा एवं सम्मानजनक वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।

औद्योगिक परियोजनाओं के बीच पर्यावरण संरक्षण का मुद्दा गरमाया, आदिवासियों के हक और पर्यावरण पर खतरा!

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। जिले में प्रस्तावित औद्योगिक परियोजनाओं और पर्यावरण संरक्षण को लेकर विवाद गहरा गया है। किसान नौजवान संघर्ष मोर्चा के संयोजक संदीप मिश्रा ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को एक ज्ञापन भेजा है, जिसमें वन विभाग के कुछ अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। ज्ञापन में बड़े पैमाने पर पेड़ों की कथित अवैध कटान और वन संरक्षण नियमों की अनदेखी का जिक्र है। मोर्चा ने आरोप लगाया है कि वर्ष 2024 के शासनादेश में निर्धारित नियमों का पालन किए बिना पेड़ों की कटाई की जा रही है। संगठन का दावा है कि जिन पेड़ों को संरक्षण मिलना चाहिए, उन्हें भी काटा जा रहा है और संबंधित अधिकारी इस पर कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। संयोजक संदीप मिश्रा ने कहा कि जिले में

प्रस्तावित औद्योगिक परियोजनाओं के लिए वन क्षेत्र और हरित संपदा को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इस पर समय रहते रोक नहीं लगी, तो पर्यावरणीय संतुलन प्रभावित होगा। इससे स्थानीय आदिवासी समुदाय की आजीविका और प्राकृतिक संसाधनों पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। ज्ञापन में मुख्यमंत्री से इस पूरे मामले की उच्चस्तरीय और निष्पक्ष जांच कराने की मांग की गई है। इसके साथ ही, जांच में दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों के विरुद्ध प्रशासनिक एवं कानूनी कार्रवाई करने तथा कथित अवैध पेड़ कटान पर तत्काल रोक लगाने की भी अपील की गई है। किसान नौजवान संघर्ष मोर्चा ने चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन ने शीघ्र कार्रवाई नहीं की, तो संगठन पर्यावरण संरक्षण और आदिवासियों के अधिकारों की रक्षा के लिए व्यापक जनआंदोलन शुरू करेगा। इस मामले में फिलहाल वन विभाग की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

ओबरा में बाल श्रम पर प्रशासन का बड़ा एक्शन, 5 नाबालिग बच्चों को कराया मुक्त

समाज जागरण/ आदिवासी सुनील त्रिपाठी

सोनभद्र। जनपद के ओबरा में बाल श्रम उन्मूलन के लिए प्रशासन ने एक बड़ा अभियान चलाया। शासन के निर्देश पर ओबरा नगर में यह कार्रवाई की गई, जिसके तहत विभिन्न प्रतिष्ठानों से कुल 5 नाबालिग बच्चों को बाल श्रम से मुक्त कराया गया। श्रम प्रवर्तन अधिकारी मनोज शर्मा के नेतृत्व में एक टीम ने पुलिस बल के साथ ओबरा नगर के विभिन्न प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया। टीम ने नगर पंचायत ओबरा के अंतर्गत गजराज नगर सहित तीन अलग-अलग स्थानों पर सघन छापेमारी की। छापेमारी के दौरान गजराज नगर में मुकेश जायसवाल नामक व्यक्ति के प्रतिष्ठान पर भी कार्रवाई की गई। यहाँ नियमों को ताक पर रखकर नाबालिग बच्चों से काम कराया जा रहा था। श्रम विभाग की टीम ने मौके पर ही सभी आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी की। श्रम प्रवर्तन अधिकारी मनोज शर्मा ने बताया कि बाल श्रम कानून का उल्लंघन करने वाले नियोजकों के खिलाफ सख्त वैधानिक कार्रवाई की जा रही है और यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

जन चौपाल में पढ़ी जा रही आवास पात्रता सूची, ग्रामीण दर्ज करा सकेंगे आपत्ति

समाज जागरण/ आदिवासी सुनील त्रिपाठी

सोनभद्र। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत आवास प्लस सर्वेक्षण-2024 की पात्रता सूची जनपद की ग्राम पंचायतों में जन चौपाल के माध्यम से पढ़कर सुनाई जा रही है। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ के निर्देश पर शुरू की गई इस प्रक्रिया का उद्देश्य पात्र एवं जरूरतमंद परिवारों का निष्पक्ष और पारदर्शी चयन सुनिश्चित करना है।

जन चौपाल के दौरान पात्रता सूची ग्रामीणों के समक्ष सार्वजनिक रूप से प्रस्तुत की जा रही है, ताकि प्रत्येक व्यक्ति सूची का अवलोकन कर सके। यदि किसी नाम को लेकर तथ्यात्मक आपत्ति हो तो ग्रामीण उसे मौके पर दर्ज करा सकते हैं। प्राप्त आपत्तियों की जांच कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जन चौपाल की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी एवं निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराई जाए। साथ ही ग्रामीणों को अपनी बात रखने और आपत्ति दर्ज कराने

का पूरा अवसर दिया जाए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप योजना का लाभ केवल वास्तविक और पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने जनपदवासियों से अपील की कि वे जन चौपाल में सक्रिय भागीदारी करें और यदि सूची में किसी प्रकार की त्रुटि या आपत्ति हो तो समयबद्ध तरीके से उसे दर्ज कराएं, ताकि पात्र परिवारों को योजना का लाभ मिल सके।

जनता के बीच समन्वय बढ़ाने को लेकर बीजपुर पुलिस ने लगाई जनचौपाल

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। बीजपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत जलजलिया गांव में मंगलवार को थानाध्यक्ष राजेश कुमार सिंह की अध्यक्षता में एक जनचौपाल का आयोजन किया गया।इस चौपाल के दौरान थानाध्यक्ष ने सीधे ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याओं को सुना और मौके पर ही उनके निस्तारण का भरोसा दिलाया। साथ ही उन्होंने शासन द्वारा चलाई जा रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए ग्रामीणों को जागरूक किया।ग्रामीणों को संबोधित करते हुए थानाध्यक्ष ने कहा कि पुलिस हमेशा जनता की सुरक्षा और सहयोग के लिए तत्पर है।उन्होंने अपील की कि यदि किसी भी ग्रामीण को किसी प्रकार की कोई समस्या या परेशानी हो तो वे बिना किसी डर या

हिचक के तत्काल पुलिस से संपर्क कर सकते हैं।चौपाल में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से थानाध्यक्ष ने ग्रामीणों से विशेष अपील की उन्होंने कहा यदि क्षेत्र में कोई भी अनजान या संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दे तो उसकी सूचना तुरंत पुलिस को दें।किसी भी भ्रामक जानकारी या अफवाह पर ध्यान न दें और कानून व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें।इस जनचौपाल में भारी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे जिन्होंने पुलिस प्रशासन की इस पहल की सराहना की।ग्रामीणो ने कहा कि चौपाल के माध्यम से पुलिस और जनता के बीच के समन्वय को और मजबूती मिली है।

मांची क्षेत्र में नाले के तेज बहाव में बह गए तीन लोग, एक का शव बरामद एक घायल, एक बालक लापता

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। मांची थाना क्षेत्र के चरगड़ा गांव में बरसाती नाले के तेज बहाव में तीन लोग बह गए, जिसमे से एक का शव बरामद हुआ, एक घायलावस्था में मिला जबकि एक बालक अभी भी लापता है। जानकारी के अनुसार मांची थाना क्षेत्र के चरगड़ा गांव के तीन लड़के बबलू (18) पुत्र मुमताज, अलीहसन (6) पुत्र मुमताज, और सुकतार (18) पुत्र कैमुदिन गांव के ही पास परवा नाले में मंगलवार को पिकनिक मनाने गए हुए थे कि करीब दो बजे एकाएक जोरदार बारिश होने लगी, तभी अचानक बारिश का पानी एकाएक नाले में उफान के साथ बहने लगा , सभी लोग जब तक कुछ समझ पाते तब तक तीनों पानी के तेज बहाव के साथ बह गये। कुछ समय बाद गांव में किसी तरह सुचना हुई तो हड़कंप मच गया। गांव के लोगों द्वारा खोजबीन की गयी तो एक घंटे बाद घायल अवस्था में बबलू मिला और दो घंटे बाद सुकतार मृत अवस्था में मिला। वहीं बालक अलीहसन का अभी तक कोई पता नहीं चल सका, फिलहाल ग्रामीणों द्वारा खोजबीन जारी है। वहीं सूचना के बाद घर के लोगों का रो-रो कर बुरा हाल है, ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दे दी है, पुलिस मौके पर पहुंच कर जांच पड़ताल में जुटी हुई है,और बालक की तलाश की जा रही है।

भारतीय रेलवे ने दक्षिण पूर्वी रेलवे में लगभग 1,700 रूट किलोमीटर तक फैले ₹200 करोड़ की ऑप्टिकल फाइबर केबल परियोजना को मंजूरी दी

रेलवे संचार को तेज और ज्यादा भरोसेमंद बनाने के लिए आद्रा, चक्रधरपुर, खड़गपुर और रांची डिवीजन में 48-फाइबर ओएफसी बैकबोन बिछाया जाएगा भारतीय रेलवे के डिजिटल संचार नेटवर्क को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए, भारतीय रेलवे ने दक्षिण पूर्वी रेलवे में ₹200 करोड़ की लागत से बाकी बची 48-फाइबर ऑप्टिकल फाइबर केबल (ओएफसी) लगाने को मंजूरी दे दी है। यह परियोजना दक्षिण पूर्वी रेलवे के चार बड़े डिवीजनों में 1,696.2 रूट किलोमीटर (आरकेएम) तक 48-फाइबर ओएफसी कनेक्टिविटी देगी। इससे संचार नेटवर्क मजबूत होगा, जो सुरक्षित, कुशल और तकनीक पर आधारित रेलवे ऑपरेशन में मदद करता है।

संचार नेटवर्क को मजबूत करना

मंजूर किए गए काम में इन डिवीजनों में ओएफसी लगाना शामिल हैः आद्रा डिवीजनः 545.4 आरकेएम चक्रधरपुर डिवीजनः 392.3 आरकेएम खड़गपुर डिवीजनः 339.9 आरकेएम रांची डिवीजनः 418.6 आरकेएम इन सभी कार्यों से दक्षिण पूर्वी रेलवे के 1,696.2 रूट किलोमीटर इलाके में संचार संबंधी ढांचा मजबूत होगा। सुरक्षित और आधुनिक रेल संचालन को बढ़ावा देना उन्नत फाइबर ऑप्टिक बैकबोन रेल संचालन के लिए एक मजबूत, उच्च क्षमता वाला संचार नेटवर्क प्रदान करेगा। यह संचार प्रणालियों की विश्वसनीयता और मजबूती को बढ़ाएगा, परिचालन डेटा के तीव्र प्रसारण में सहायता करेगा और स्टेशनों, नियंत्रण कार्यालयों और फील्ड इकाइयों के बीच समन्वय में सुधार करेगा। यह परियोजना आधुनिक रेलवे प्रौद्योगिकियों को समर्थन देने, परिचालन दक्षता में सुधार करने और दक्षिण पूर्वी रेलवे नेटवर्क में भविष्य में क्षमता विस्तार के लिए डिजिटल आधार को मजबूत करने हेतु

भूमि विवाद को लेकर चल रहे विवाद में डीएम को शिकायत

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग)थानाभवन क्षेत्र के ग्राम हीण्ड में भूमि एवं आवासीय घेर को लेकर चल रहे विवाद में महिला ने अपने परिजनों के साथ डीएम को शिकायती पत्र देकर अभिलेखों की जांच कराकर कार्यवाही की मांग की है।

क्षेत्र के गांव हींड निवासी नसीरी पत्नी असगर ने डीएम को प्रार्थना पत्र देकर अभिलेखों की जांच कर न्याय दिलाने की मांग की है। प्रार्थना पत्र में बताया गया है कि उनके ससुर रिसाला पुत्र नब्बू के नाम दर्ज रिहायशी घेर भूमि तथा बाग एवं चकबंदी से बाहर भूमि को रिहायशी घेर नवीन परती (खाद के गड्ढे) के रूप में दर्ज कर दिया गया है, जिसे उन्होंने गलत बताया है। आरोप लगाया गया है कि उनके ससुर की मृत्यु के बाद जोत भूमि लगभग 50 बीघा को तहसील विभाग द्वारा परिवार के नाम दर्ज नहीं किया गया, जबकि परिवार अशिक्षित है और गांव के दबंगों द्वारा कब्जा किया गया है। प्रार्थना पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि जिस घेर में वह अपने परिवार सहित निवास कर रही हैं, वहां गांव प्रधान के पति द्वारा कथित रूप से रसोई, कोठे, आंगन एवं आम के पुराने पेड़ काटकर अवैध कब्जा किया गया तथा ताला लगा दिया गया। साथ ही परिवार के सदस्य इस्माइल को पुलिस से मिलकर जेल भिजवाने, सामान एवं जेवरात तथा मजदूरी के पैसे छीनने का भी आरोप लगाया गया है। आरोप लगाया कि इस प्रकार की घटनाएं कई बार हो चुकी हैं,

जिससे परिवार लगातार परेशान है। उन्होंने डीएम से मौके की जांच कराकर अभिलेखों में सुधार एवं न्याय दिलाने की मांग की है।

श्मशान घाट की भूमि की चारदीवारी निर्माण में बाधा उत्पन्न करने का आरोप

समाज जागरण

शामली। (फुरकान जंग) थाना झिंझाना क्षेत्र के अंतर्गत चौकी ऊन स्थित ग्राम पिंडौरा जहांगीरपुर में श्मशान भूमि की चारदीवारी निर्माण कार्य में बाधा उत्पन्न किए जाने का मामला सामने आया है। इस संबंध में ग्रामीणों ने डीएम को प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है।

प्रार्थना पत्र में बताया गया है कि ग्राम में ब्राह्मण समाज का श्मशान स्थित है, जिसकी चारदीवारी का निर्माण जिला पंचायत द्वारा कराया जा रहा है। ग्रामीणों के अनुसार राजस्व विभाग के लेखपाल द्वारा मौके पर पैमाइश कर निशानदेही भी कर दी गई थी। आरोप है कि इसके बावजूद कुछ पड़ोसी किसानों द्वारा निर्माण कार्य में बाधा उत्पन्न की जा रही है, जिससे कार्य रुक गया है। ग्रामीणों ने मांग की है कि प्रशासन द्वारा राजस्व टीम एवं पुलिस बल के साथ मौके पर पुनः पैमाइश कराई जाए तथा बाधा उत्पन्न करने वाले व्यक्तियों को रोका जाए, ताकि चारदीवारी का कार्य सुचारू रूप से पूर्ण हो सके। ग्रामीणों ने डीएम से मामले का संज्ञान लेकर शीघ्र समाधान की अपील की है।

सेवानिवृत्त हुए चार उपनिरीक्षकों सहित एक मुख्य आरक्षी को दी सम्मान पूर्वक विदाई

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग) पुलिस लाइन शामली में मंगलवार को आयोजित समारोह में एसपी एनपी सिंह ने अधिवर्षता आयु पूर्ण होने पर सेवानिवृत्त हुए चार उपनिरीक्षकों एवं एक मुख्य आरक्षी को सम्मानपूर्वक भावभीनी विदाई दी। इस अवसर पर उन्होंने सभी सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों की दीर्घ, अनुकरणीय एवं उत्कृष्ट सेवाओं की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल एवं स्वस्थ भविष्य की कामना की। एसपी ने कहा कि पुलिस सेवा केवल एक नौकरी नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति समर्पित जनसेवा का महत्वपूर्ण दायित्व है। सेवा अवधि के दौरान कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन, ईमानदारी और समर्पण के साथ किया गया कार्य हमेशा प्रेरणास्रोत बना रहता है। समारोह के दौरान एसपी ने सभी सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों को स्मृति-चिह्न, अंग वस्त्र तथा श्रीमद्भगवद्गीता की प्रति भेंट कर सम्मानित किया। वहीं सेवानिवृत्त अधिकारियों ने अपने सेवाकाल के अनुभव साझा करते हुए विभाग एवं वरिष्ठ अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया तथा वर्तमान पुलिसकर्मियों से निष्पक्षता और पूर्ण निष्ठा के साथ कर्तव्यों का निर्वहन करने का आह्वान किया। सवानिवृत्त होने वाले पुलिसकमिर्यो में उपनिरीक्षक दया शंकर, उपनिरीक्षक धर्मवीर सिंह, उपनिरीक्षक हरिओम शर्मा, उपनिरीक्षक विरेन्द्र कुमार कैन तथा मुख्य आरक्षी विजय सिंह शामिल रहे।

झपकी आने से हाईवे पर कार पिलर से टकराई, चालक गंभीर घायल

समाज जागरण
कांधला।(फुरकान जंग)

दिल्ली-सहारनपुर हाईवे पर गांव पंजोखरा के निकट कार चालक को नीद की झपकी आने के कारण एक कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बने पिलर से टकरा गई। हादसे में कार चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची 108 एंबुलेंस ने घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। मंगलवार को बागपत जनपद के थाना छपरौली क्षेत्र के गांव गुमंदपुर निवासी अमित कुमार पुत्र रामेश्वर कार से गांव पंजोखरा स्थित अपनी रिश्तेदारी में आ रहे थे। जैसे ही उनकी कार गांव के निकट पहुंची, तभी उन्हें अचानक नींद की झपकी आ गई।जिस कारण कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बने पिलर से जा टकराई।हादसे की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और चालक को क्षतिग्रस्त कार से बाहर निकालकर 108 एंबुलेंस को सूचना दी। एंबुलेंस कर्मियों ने घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। सूचना मिलने पर परिजन भी अस्पताल पहुंच गएचिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद चालक की गंभीर हालत को देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

ई-रिक्शा में शॉर्ट सर्किट से लगी आग, चालक व सवारियों ने कूदकर बचाई जान

समाज जागरण
कांधला।(फुरकान जंग)

थाना क्षेत्र के घसौली मार्ग पर चलते ई-रिक्शा में अचानक शॉर्ट सर्किट होने से भीषण आग लग गई। आग की लपटें उठते ही ई-रिक्शा में सवार यात्रियों और चालक में अफरा-तफरी मच गई। चालक और सभी सवारियों ने तत्काल ई-रिक्शा से कूदकर अपनी जान बचाई। घटना में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन ई-रिक्शा पूरी तरह जलकर क्षतिग्रस्त हो गया। क्षेत्र के गांव इस्लामपुर घसौली निवासी सोनू ई-रिक्शा चलाकर अपने परिवार का पालन-पोषण करता है। मंगलवार को वह कस्बे से सवारियां लेकर अपने गांव की

ओर जा रहा था। जैसे ही वह गांव के निकट पहुंचा, तभी ई-रिक्शा में अचानक शॉर्ट सर्किट हो गया। देखते ही देखते वाहन आग की लपटों चपेट में आ गया ।आग लगते ही चालक और सवारियों ने सूझबूझ का परिचय देते हुए तुरंत ई-रिक्शा से बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और काफी मशक्कत के बाद पानी डालकर आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक ई-रिक्शा बुरी तरह जल चुका था। ई रिक्शा चालक सोनू ने बताया कि ई-रिक्शा ही उसके परिवार की आजीविका का एकमात्र साधन था। वाहन जल जाने से उसके सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। पीड़ित ने प्रदेश सरकार और प्रशासन से आर्थिक सहायता प्रदान किए जाने की मांग की है।

आयुष मलिक धर्मान्तरण प्रकरण में नया मोड़, सनातन धर्म में वापसी

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग) जनपद में चर्चित आयुष मलिक धर्मांतरण प्रकरण ने एक बार फिर नया मोड़ ले लिया है। परिजनों के अनुसार धर्म परिवर्तन कर इस्लाम स्वीकार करने के बाद अपना नाम मोहम्मद अली रखने वाले आयुष मलिक ने अब पुनः सनातन धर्म में वापसी कर ली है। शामली के हनुमान धाम पर पहुंचे स्वामी यशवीर महाराज व पिता देवराज मलिक के साथ दर्जनों हिन्दू समाज के लोगों ने हनुमान चालीसा पढा और पिता का स्वागत किया।

शामली शहर के प्रसिद्ध मेडिकल व्यासायी देवराज मलिक के बेटे आयुष मलिक द्वारा हिन्दू धर्म छोडकर इस्लाम धर्म अपनाने के मामले में गत चार जून को विवाद खडा हो गया था। जिसमें हिन्दू संगठनों के लोगों ने जमकर हंगामा करते हुए हिन्दू समाज की महापंचायत करने की भी चेतावनी दी थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए पिता देवराज मलिक की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज करते हुए प्रेमिका चांदनी कुरैशी, पिता इस्लाम कुरैशी और फुफेरे भाई भोला कुरैशी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। अब मामले में नया मोड सामने आया है। आयुष मलिक के पिता देवराज मलिक ने बताया कि उनके बेटे ने घर वापसी कर ली है और पिछले लगभग सात दिनों से वह घर में पूजा-पाठ कर रहा है। उन्होंने कहा कि परिवार इस निर्णय से काफी प्रसन्न है और उन्होंने इस पूरे मामले में सरकार तथा मीडिया कर्मियों का धन्यवाद भी किया है। उधर, मामले से जुड़े बाबा यशवीर महाराज ने इसे सनातन धर्म की बड़ी जीत बताया है। उन्होंने दावा किया कि 7 जून को ही उन्हें विश्वास था कि आयुष अधिक समय तक इस्लाम धर्म में नहीं रहेगा। उनके अनुसार आयुष ने घर में इस्लाम से संबंधित वस्तुओं को हटा दिया है और घर में छोटा मंदिर स्थापित कर नियमित पूजा-अर्चना शुरू कर दी है। बाबा यशवीर महाराज ने यह भी जानकारी दी कि आयुष आगामी 15 दिनों तक मौन व्रत पर रहेगा और इस अवधि में किसी से मुलाकात नहीं करेगा। उन्होंने इसे आत्मचिंतन और धार्मिक साधना का समय बताया। इस बीच चांदनी कुरैशी को लेकर पूछे गए प्रश्न पर उन्होंने कहा कि यदि वह सनातन धर्म अपनाना चाहें तो उनका स्वागत है, हालांकि उन्होंने यह भी दावा किया कि चांदनी कभी आयुष की पत्नी नहीं रही। गौरतलब है कि आयुष मलिक के धर्म परिवर्तन के बाद क्षेत्र में विवाद की स्थिति बनी हुई थी और हिंदू संगठनों तथा परिजनों द्वारा विरोध

जताते हुए कथित धर्मांतरण के आरोप लगाए गए थे। अब आयुष मलिक की घर वापसी के दावे के बाद मामला एक बार फिर चर्चा में आ गया है।

सपा कार्यालय पर मनाई गई वीरांगना ऊदा देवी पासी की जयंती

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग) समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय पर मंगलवार को वीरांगना ऊदा देवी पासी की जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता सपा जिलाध्यक्ष चौधरी सुरेंद्र सिंह ताना ने की। इस दौरान पार्टी नेताओं और कार्यकताओं ने वीरांगना ऊदा देवी पासी के

चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा उनके अद्वितीय साहस और देशभक्ति को याद किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष चौधरी सुरेंद्र सिंह ताना ने कहा कि वीरांगना ऊदा देवी पासी ने 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में अदम्य साहस और वीरता का परिचय देकर देश की आजादी के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। उनका जीवन संघर्ष, साहस और राष्ट्रभक्ति की अमिट मिसाल है। उन्होंने कहा कि समाज को उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर सामाजिक न्याय, समानता और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने के लिए कार्य करना चाहिए। इस दौरान सभी ने वीरांगना ऊदा देवी पासी के बताए मार्ग पर चलने तथा सामाजिक समरसता एवं जनसेवा के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया। मौके पर शेर सिंह राणा, कलीम हसन आदि मौजूद रहे।

अवैध चाकू के साथ युवक गिरफ्तार

समाज जागरण

शामली। शहर कोतवाली पुलिस ने संदिग्ध व्यक्ति एवं वाहन चेकिंग अभियान के दौरान एक युवक को अवैध चाकू के साथ गिरफ्तार किया है। मंगलवार को कोतवाली पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक युवक को रोककर उसकी तलाशी ली तो उसकी जेब से अवैध चाकू बरामद हुआ। पकडे गए युवक ने अपना नाम महताब पुत्र मोहम्मद अजीज निवासी मक्का मस्जिद के पास मोहल्ला पंसारियान शामली बताया है। पुलिस ने युवक को जेल भेज दिया।

दो दिवसीय रोजगार मेले में 111 अभ्यार्थियों का चयन

समाज जागरण
शामली।(फुरकान जंग)

सीडीओ बृजेन्द्र शुक्ल के निदेशानुसार जनपद में आयोजित किए जा रहे दो दिवसीय रोजगार मेलों की श्रृंखला के अंतर्गत ऊन, कांधला एवं कैराना ब्लॉक में सुरक्षा जवान, कस्टोडियन एवं सुपरवाइजर पदों पर कुल 111 अभ्यर्थियों का चयन किया गया। जिला सेवायोजन अधिकारी अजय कुमार ने बताया कि ऊन ब्लॉक में 39, कांधला में 37 तथा कैराना में 35 अभ्यर्थियों का चयन विभिन्न पदों हेतु किया गया है। उन्होंने बताया कि एसआईएस, दिल्ली द्वारा सिक्योरिटी गार्ड सहित विभिन्न पदों के लिए साक्षात्कार प्रक्रिया आयोजित की जा रही है। उन्होंने जानकारी दी कि सुरक्षा जवान के 1000 पदों पर भर्ती के लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल पास/फेल निर्धारित की गई है, जबकि सुरक्षा सुपरवाइजर के 100 पदों के लिए इंटरमीडिएट योग्यता आवश्यक है। कस्टोडियन के 200 पदों पर भी चयन प्रक्रिया की जा रही है। चयनित अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण के उपरांत स्थायी रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। इसके अतिरिक्त उन्होंने बताया कि एक एवं 2 जुलाई को खंड विकास कार्यालय थाना भवन परिसर में तथा 3 एवं 4 जुलाई को शामली ब्लॉक में रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा, जहां एसआईएस दिल्ली द्वारा कुल 1300 पदों के लिए साक्षात्कार लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि सभी अभ्यर्थियों के लिए पंजीकरण आवश्यक है, जो विभागीय वेबसाइट पर किया जा सकता है। रोजगार मेले प्रतिदिन प्रातः 10 बजे से अपराह्न 4 बजे तक आयोजित किए जा रहे हैं।

एनसीसी वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में कमांडिंग ऑफिसर कर्नल मनीष सिंह का विदाई समारोह

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग)शहर के देशभक्त इंटर कॉलेज में चल रहे एनसीसी वार्षिक प्रशिक्षण शिविर के छठवें दिन आज एक भावनात्मक माहौल के बीच कमांडिंग ऑफिसर कर्नल मनीष सिंह का विदाई समारोह आयोजित किया गया। कर्नल मनीष सिंह ने 30 जून को भारतीय सेना में अपने 33 वर्षों की गौरवपूर्ण सेवा पूर्ण करने के उपरांत सेवानिवृत्ति ग्रहण की। समारोह के दौरान एनसीसी कैडेट्स द्वारा उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कर्नल मनीष सिंह ने कैडेट्स को संबोधित करते हुए कहा कि शिविर में सिखाई

जा रही सभी शिक्षाओं को अपने जीवन में आत्मसात करें और देश सेवा के लिए सदैव तत्पर रहें। कार्यक्रम के दौरान कार्यवाहक कैंप कमांडेंट लेफ्टिनेंट कर्नल सीपी भदौला ने विधिवत रूप से स्थायी कैंप कमांडेंट का कार्यभार ग्रहण किया। इस अवसर पर समस्त एएनओ, पीआई स्टाफ एवं अन्य सिविलियन कर्मचारी उपस्थित रहे।

जनपद न्यायाधीश ने जिला कारागार किया निरीक्षण

समाज जागरण

कैराना।(फुरकान जंग) जनपद न्यायाधीश इंदरप्रीत सिंह जोश ने जिला कारागार मुजफ्फरनगर का गहन निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वरिष्ठ जेलर को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। मंगलवार को जिला जज ने जेल में निरीक्षण के दौरान स्वच्छता के बारे में कई चिंताओं पर ध्यान आकर्षित किया। बैरक में रिसाव, पानी की टंकी के उचित स्थान, शौचालय की स्थिति व उच्च सुरक्षा हेतु आवश्यक दिशा-

निर्देश दिए। उन्होंने जेल में स्थित बैरकों का निरीक्षण करके बंदियों को दी जाने वाली सुविधाओं का भी जायजा लिया। जिला जज ने बंदियों से जेल प्रशासन द्वारा दी जा रही सुविधाओं के सम्बन्ध में पूछा, जिस पर बंदियों ने संतोष व्यक्त किया। बैरक में निरुद्ध बंदियों को जेल मैनुअल, कारागार में स्थापित लीगल एड क्लीनिक तथा विधिक अधिकारों की जानकारी प्रदान की गई। जनपद न्यायाधीश ने महिला बैरक का निरीक्षण करते हुए सफाई-व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने महिला बंदियों से भी उनकी समस्याओं के बारे में पूछा। जिला जज ने जेल अधीक्षक को शासन की मंशा के अनुरूप जेल में बंदियों को मिलने वाली सुविधाओं को उपलब्ध कराने, शातिर बंदियों पर कड़ी निगरानी रखने तथा जेल परिसर में प्रतिबंधित सामग्री के प्रवेश पर पूर्ण रूप से अंकुश लगाए जाने सम्बन्धी निर्देश दिए। इस दौरान प्रभारी सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शामली अक्षयदीप यादव, लीगल एड डिफेंस काउंसिल तरुण मित्तल, आलोक चौहान व जावेद अली उपस्थित रहे।

दो अलग-अलग जगहों पर मारपीट, महिला समेत दो घायल

समाज जागरण
कांधला।(फुरकान जंग)

थाना क्षेत्र के गांव गंगेरू में मंगलवार को मामूली विवाद को लेकर दो अलग-अलग स्थानों पर हुई मारपीट में एक महिला और एक युवक घायल हो गए। दोनों पीड़ितों ने थाने पहुंचकर तहरीर दी है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर कार्रवाई का आश्वासन दिया है।थाना क्षेत्र के गांव गंगेरू निवासी तरन्नुम ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह गांव में किराये के मकान में रहती हैं। उनका आरोप है कि पांच दिन पहले पड़ोस की एक महिला किसी के साथ चली गई थी। मंगलवार को उक्त

महिला के परिजन उनके घर पहुंचे और बिना किसी ठोस कारण के उन पर आरोप लगाते हुए मारपीट कर दी, जिससे वह घायल हो गईं। पीड़िता ने कई महिला और पुरुषों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।दूसरी और गांव निवासी वसीम पुत्र जाजू ने बताया कि पड़ोसियों से उनकी पुरानी रंजिश चली आ रही है। आरोप है कि मामूली विवाद के दौरान पड़ोसी ने डंडे से उनके सिर पर हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया । परिजनों ने प्राथमिक उपचार दिलाने के बाद थाने पहुंचकर तहरीर दी। चिकित्सकों ने गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया।थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार ने बताया कि दोनों मामलों में तहरीर प्राप्त हो गई है। पुलिस जांच कर रही है। जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

प्रिंटिंग प्रेस से लाखों की रकम लेकर फरार हुआ कर्मचारी, मुकदमा दर्ज

--ग्राहकों से भुगतान वसूलने के बाद काम पर आना किया बंद, रुपये मांगने पर जान से मारने की धमकी देने का आरोप

समाज जागरण कांधला।

कस्बे में एक प्रिंटिंग प्रेस संचालक के साथ लाखों रुपये की कथित धोखाधड़ी का मामला सामने आया है।पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ भी शुरू कर दी है।

कस्बा निवासी विनय कुमार ने थाने में दी गई तहरीर में बताया कि उनकी भारत प्रिंटिंग प्रेस के नाम से फर्म संचालित है। आरोप है कि उनकी फर्म पर कर्मचारी के रूप में कार्यरत अंकित सैनी पुत्र संपत सैनी पिछले करीब चार माह से ग्राहकों से भुगतान वसूलने और अन्य कार्यों की जिम्मेदारी संभाल रहा था।पीड़ित का आरोप है कि अंकित सैनी ने ग्राहकों से करीब 2 लाख रुपये की राशि वसूल ली, लेकिन वह रकम फर्म में जमा नहीं कराई। कुछ समय बाद आरोपी ने दुकान पर आना भी बंद कर दिया। परिजनों के बीच बातचीत होने पर उसने दोबारा काम शुरू किया, लेकिन फिर ग्राहकों से भुगतान लेकर गायब हो गया।विनय कुमार का आरोप है कि जब उन्होंने अपनी रकम वापस मांगी तो आरोपी, उसकी बहन और जीजा समेत अन्य परिजनों ने पैसे लौटाने से इनकार कर दिया। इतना ही नहीं, रुपये मांगने पर उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने और जान से मारने की धमकी भी दी गई। आरोपी ने खुद को गायब कर पीड़ित पर अपहरण का षड्यंत्र रच कर उसे झूठे मुकदमे में फसाने का प्रयास किया।

पीड़ित ने थाने पहुंचकर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना पुलिस का कहना है कि आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है तथा मामले की गहन जांच के बाद अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

ई–रजिस्ट्री बिल वापस होने पर दस्तावेज लेखकों की हड़ताल समाप्त

समाज जागरण

कैराना। ई–रजिस्ट्री बिल वापस लेने के बाद दस्तावेज लेखकों और स्टांप वेंडरों की हड़ताल समाप्त हो गई। पिछले करीब 15 दिन से दस्तावेज

लेखक और स्टांप वेंडर ई–रजिस्ट्री व्यवस्था के विरोध में हड़ताल पर थे, जिस कारण रजिस्ट्री बैनामे का कार्य बंद था। मंगलवार को शासन द्वारा ई रजिस्ट्री बिल वापस लेने पर दस्तावेज लेखकों और स्टांप वेंडरों ने हड़ताल समाप्त कर दी। हड़ताल समाप्त होने पर मंगलवार को सब रजिस्ट्री कार्यालय में रजिस्ट्री बैनामा कराने वालों की भीड़ लगी रही। उत्तर प्रदेश दस्तावेज लेखक संघ कैराना शाखा के अध्यक्ष चौधरी जतन सिंह ने बताया कि मंगलवार से सभी दस्तावेज लेखक और स्टांप वेंडर कार्य कर रहे हैं।

कैराना में एसपी ने किया पैदल भ्रमण

समाज जागरण

कैराना।(फुरकान जंग) नगर में सोमवार देर रात एसपी ने पैदल भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने पुलिस को अलर्ट रहने के निर्देश दिए। सोमवार देर रात एसपी एनपी सिंह ने फोर्स के साथ नगर के बाजारों, भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों, प्रमुख मार्गों, चौराहों एवं संवेदनशील स्थानों पर पैदल भ्रमण किया। उन्होंने बाजारों में आने-जाने वाले संदिग्ध व्यक्तियों

एवं वाहनों पर सतर्क दृष्टि रखने, संवेदनशील स्थलों पर प्रभावी पुलिस उपस्थिति बनाए रखने तथा किसी भी प्रकार की अवांछनीय गतिविधि पर तत्काल प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। वहीं, व्यापारियों, दुकानदारों एवं आम नागरिकों से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं एवं सुझावों की जानकारी प्राप्त की तथा उन्हें सुरक्षा का भरोसा दिलाते हुए किसी भी संदिग्ध गतिविधि अथवा व्यक्ति की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की।

ठाकुरगंज में अवैध लॉटरी कारोबार का भंडाफोड़, 1122 टिकट व 1.71 लाख नकद बरामद

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

30 जून। किशनगंज पुलिस एवं विशेष कार्य बल (एसटीएफ) बिहार, पटना की संयुक्त कार्रवाई में अवैध लॉटरी टिकट के कारोबार का पदार्फाश करते हुए एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 1122 अवैध लॉटरी टिकट, 1.71 लाख से अधिक नकद, नेपाली मुद्रा, तीन मोबाइल फोन सहित कई महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किए हैं।

पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी-2 मनोज कुमार सिंह के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने 29 जून को गुप्त सूचना के आधार पर ठाकुरगंज थाना क्षेत्र के वार्ड संख्या-11 स्थित नसीम उख्तर (49), पिता स्वर्गीय मुस्ताक आलम, के आवास पर छापेमारी की। तलाशी के दौरान विभिन्न मूल्य के कुल 1122 अवैध लॉटरी टिकट, जिनकी कुल कीमत 9,994 बताई गई है, बरामद किए गए।

इसके अलावा पुलिस ने आरोपी के घर से 1,71,220 भारतीय मुद्रा, 2,450 नेपाली मुद्रा, तीन मोबाइल फोन, आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, दो डेबिट कार्ड, दो पैन कार्ड, छह बैंक पासबुक, एक चेकबुक, एक कैलकुलेटर, एक मुहर तथा अन्य दस्तावेज भी जब्त किए।

पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह पश्चिम बंगाल तथा किशनगंज के विभिन्न क्षेत्रों से अवैध लॉटरी टिकट लाकर स्थानीय बाजार में बिक्री करता था। पुलिस अब इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोगों की पहचान करने के साथ-साथ इसके बैकवर्ड एवं फॉरवर्ड लिंक की भी जांच कर रही है। मामले में संलिप्त लोगों की अवैध संपत्ति का पता लगाकर नियमानुसार जब्ती की कार्रवाई भी की जाएगी।

इस संबंध में ठाकुरगंज थाना में प्राथमिकी दर्ज कर अग्रेतर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। छापेमारी दल में एसडीपीओ-2 मनोज कुमार सिंह, अंचल पुलिस निरीक्षक पंकज कुमार पंथ, जिला आसूचना इकाई के प्रभारी मो. मुश्ताक सहित ठाकुरगंज थाना, जिला आसूचना इकाई, एसटीएफ बिहार एवं सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

"गलगलिया में नशे के कारोबार पर बड़ा प्रहार, 543 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ पिता-पुत्र गिरफ्तार"

समाज जागरण संवाददाता

गलगलिया (किशनगंज) ।किशनगंज जिले के गलगलिया थाना क्षेत्र में संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 543 ग्राम संदिग्ध ब्राउन शुगर बरामद की है। इस दौरान पिता-पुत्र समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। बरामद मादक पदार्थ की पुष्टि ड्रग डिटेक्शन किट से की गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, 30 जून 2026 को सुबह लगभग 4:30 बजे विशेष खुफिया सूचना मिली थी कि गलगलिया रेलवे स्टेशन के समीप पंचायत भातगांव के लकड़ी डिपो गांव में एक संदिग्ध मादक पदार्थ तस्कर के घर में ब्राउन शुगर रखी गई है। सूचना के आधार पर जी कंपनी (भातगांव) और गलगलिया थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने विशेष अभियान चलाया।

संयुक्त टीम ने सुबह करीब 5:34 बजे संदिग्ध के घर की तलाशी ली। तलाशी के दौरान पांच अलग-अलग पॉलीथीन पैकेटों में छिपाकर रखी गई कुल 543 ग्राम संदिग्ध ब्राउन शुगर बरामद की गई। बरामद पैकेटों का वजन क्रमशः 119 ग्राम, 106 ग्राम, 120 ग्राम, 97 ग्राम और 101 ग्राम पाया गया।

कार्रवाई के दौरान दो मोबाइल फोन भी जब्त किए गए, जिनमें एक वीवो वी-40 तथा दूसरा वीवो वी-21 5जी मॉडल का है। इसके अलावा 1,90,930 रुपये भारतीय मुद्रा तथा 640 रुपये नेपाली मुद्रा भी बरामद की गई।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मोहम्मद फारुख (46 वर्ष), पिता मोहम्मद कमाल, निवासी लकड़ी डिपो, भाटगांव, थाना गलगलिया, जिला किशनगंज तथा उसके पुत्र मोहम्मद उमर (23 वर्ष) के रूप में हुई है। गिरफ्तार दोनों आरोपियों तथा जब्त सामग्री को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए गलगलिया थाना को सौंप दिया गया है। वहीं गलगलिया थानाध्यक्ष राकेश कुमार ने बताया कि मामले में एनडीपीएस अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है।

किशनगंज के विकास को लेकर सांसद डॉ. मोहम्मद जावेद आजाद की पहल तेज, राज्यपाल व ग्रामीण कार्य मंत्री से की मुलाकात

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

30 जून। किशनगंज लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ. मोहम्मद जावेद आजाद ने क्षेत्र के शैक्षणिक एवं आधारभूत विकास से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों को लेकर मंगलवार को पटना में बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन तथा ग्रामीण कार्य मंत्री सुनील कुमार से अलग-अलग मुलाकात कर आवश्यक मांगें रखीं।

बिहार लोक भवन में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन से हुई शिष्टाचार भेंट के दौरान सांसद ने किशनगंज के शैक्षणिक विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। उन्होंने किशनगंज में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) की शाखा स्थापित करने, लोकसभा क्षेत्र के राजकीय महाविद्यालयों में आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करने, शिक्षकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा बी.एड. और लॉ कॉलेज की स्थापना की मांग रखी। इसके अलावा उन्होंने किशनगंज जिले के पोठिया प्रखंड में पूर्व से प्रस्तावित राजकीय डिग्री कॉलेज को प्रशासन द्वारा चिन्हित सरकारी भूमि पर शीघ्र स्थापित कराने का भी अनुरोध किया।

इसके बाद सांसद डॉ. जावेद आजाद ने पटना स्थित विश्वेश्वरैया भवन में बिहार सरकार के ग्रामीण कार्य मंत्री सुनील कुमार से मुलाकात कर किशनगंज लोकसभा क्षेत्र की सड़क एवं पुल परियोजनाओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने विशेष रूप से अमौर विधानसभा क्षेत्र के खाड़ी पुल एवं रसेली पुल के शीघ्र निर्माण के साथ-साथ लोकसभा क्षेत्र के अन्य आवश्यक पुलों और सड़कों के निर्माण कार्य को प्राथमिकता देने की मांग की।

सांसद ने कहा कि बेहतर शिक्षा व्यवस्था, सुदृढ़ सड़क नेटवर्क और पुलों का निर्माण क्षेत्र के समग्र विकास, आवागमन की सुगमता तथा स्थानीय लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने जनहित से जुड़ी इन सभी योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर स्वीकृति प्रदान कर शीघ्र पूरा कराने का आग्रह किया।

नवीनगर में कोचिंग संस्थानो पर अग्निशमन विभाग ने कसा शिकंजा

समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर

नवीनगर(औरंगाबाद) प्रतियोगी परीक्षाओं एवं उच्च कक्षाओं के परीक्षा की तैयारी के नाम पर नवीनगर शहर सहित प्रखंड के अन्य क्षेत्रों में दर्जनों कोचिंग संस्थान बिना किसी सुरक्षा मानक और सरकारी गाइडलाइन के धड़ल्ले से संचालित हो रहे हैं। संकरी गलियों में बने कमरों, तंग सीढ़ियों और एक ही गेट वाले भवनों में सैकड़ों छात्र-छात्राएं रोजाना पढ़ाई कर रहे हैं, जबकि अग्निशमन, आपदा निकासी और बिल्डिंग सेफ्टी जैसे बुनियादी इंतजाम नदारद हैं।शहर के कई इलाके में चल रहे अधिकांश कोचिंग सेंटर किराए के मकानों में चल रहे हैं। ज्यादातर संस्थानों के पास न तो अग्निशमन विभाग का एनओसी है, न बिल्डिंग सेफ्टी सर्टिफिकेट। क्लासरूम में छात्रों को ठूंसकर पढ़ाया जा रहा है। इमरजेंसी एग्जिट, फायर एक्सटिंग्विशर, सीसीटीवी कैमरे से मॉनिटरिंग जैसी अनिवार्य व्यवस्थाएं भी नहीं हैं।कई कोचिंग पहली और दूसरी मंजिल पर चल रहे हैं जहां सिर्फ एक सकरी सीढ़ी ही ऊपर-नीचे आने-जाने का रास्ता है।वहीं बिजली और इन्वर्टर का लोड देखकर कभी भी शॉर्ट सर्किट की आशंका बनी रहती है।शिक्षा विभाग और अग्निशमन विभाग के नियमों के अनुसार, प्रत्येक कोचिंग संस्थान का रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है। भवन में कम से कम दो निकासी द्वार, अग्निशमन यंत्र, सीसीटीवी होना चाहिए। नवीनगर प्रखंड के कई कोचिंग संस्थान इन मानकों पर

खरे नहीं उतर रहे।इस संबंध में नबीनगर अग्निशमन विभाग के प्रभारी संतोष कुमार ने बताया कि नबीनगर शहर ,टंडवा,माली,बैरिया सहित अन्य जगहों पर चल रहे कोचिंग सेंटरों की जांच की गई है। प्रभारी अग्निशमन पदाधिकारी ने बताया कि सभी कोचिंग संचालकों को सख्त हिदायत दिया गया है कि 7 दिनों के अंदर फायर यंत्र लगा ले।वहीं एनओसी के लिए आवेदन करने के लिए 15 दिनों का समय दिया गया था। उन्होंने बताया कि बिना एनओसी और बिना सुरक्षा मानक वाले संस्थानों पर कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि हाल ही में लखनऊ और पटना के कोचिंग संस्थानों में हुए अग्निकांड को लेकर बिहार सरकार और जिला प्रशासन ने कोचिंग और लाइब्रेरी संचालकों के प्रति कड़ा रुख अपनाया है। फिलहाल प्रशासनिक एवं विभागीय लापरवाही और कोचिंग संचालकों की मनमानी के बीच नवीनगर प्रखण्ड में हजारों छात्र रोजाना जोखिम उठाकर पढ़ने को मजबूर हैं।

गलगलिया में 543 ग्राम हेरोइन के साथ पिता-पुत्र गिरफ्तार, अंतरराज्यीय तस्करी गिरोह का खुलासा

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

30 जून। पुलिस एवं सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की संयुक्त कार्रवाई में अंतरराज्यीय हेरोइन तस्करी गिरोह का पदार्फाश करते हुए पिता-पुत्र समेत दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया। उनके कब्जे से 543 ग्राम हेरोइन 1,90,930 नकद, 640 नेपाली रुपये तथा दो मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। बरामद हेरोइन की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 1.08 करोड़ रुपये बताई गई है।

पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार के निर्देशन तथा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी-2 मनोज कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस और एसएसबी की संयुक्त टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर सोमवार को गलगलिया थाना क्षेत्र के लकड़ीडीपु गांव में छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान मो. फारूक (46 वर्ष), पिता- शेख कमाल तथा उसके पुत्र मो. उमर (23 वर्ष) को गिरफ्तार किया गया।

पूछताछ में आरोपितों ने पुलिस को बताया कि वे पश्चिम बंगाल के मालदा से हेरोइन लाकर गलगलिया क्षेत्र के छोटे तस्करों को सप्लाई करते थे। पुलिस अब इस गिरोह से जुड़े अन्य सदस्यों की पहचान करने के साथ-साथ हेरोइन की आपूर्ति श्रृंखला (बैकवर्ड एवं फॉरवर्ड लिंक) की भी जांच कर रही है। तस्करी से अर्जित अवैध संपत्ति का पता लगाकर उसे जब्त करने की कार्रवाई भी की जाएगी।

इस संबंध में गलगलिया थाना में कांड संख्या 68/2026 दर्ज कर एनडीपीएस अधिनियम, 1985 की धारा 8(सी), 21(सी) एवं 29 के तहत मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी मो. फारूक के विरुद्ध पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिले के खोरीबाड़ी थाना में वर्ष 2016 में एनडीपीएस अधिनियम के तहत एक मामला पहले से दर्ज है।

छापेमारी दल में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी-2 मनोज कुमार सिंह, गलगलिया थानाध्यक्ष राकेश कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक वेद प्रकाश निषाद, महिला सिपाही सपना कुमारी, महिला सिपाही मनीषा कुमारी तथा एसएसबी 19वीं वाहिनी के जवान शामिल थे।

किशनगंज पुलिस ने कहा है कि जिले को नशामुक्त बनाने के लिए मादक पदार्थों के विरुद्ध विशेष अभियान आगे भी जारी रहेगा। पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि मादक पदार्थों की तस्करी या कारोबार से संबंधित किसी भी सूचना की जानकारी एएनटीएफ हेल्पलाइन 9031816150 पर दें। सूचनादाता की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

नवपदस्थापित जिला पदाधिकारी का जिला शतरंज संघ ने किया स्वागत

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

30 जून। किशनगंज जिला शतरंज संघ के प्रतिनिधिमंडल ने नवपदस्थापित जिला पदाधिकारी एवं संघ के पदेन अध्यक्ष नवीन कुमार का पदभार ग्रहण

करने के उपरांत उनके कार्यालय में पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया।

इस अवसर पर संघ के प्रतिनिधियों ने जिला पदाधिकारी को जिले में शतरंज खेल की वर्तमान गतिविधियों, खिलाड़ियों की उल्लेखनीय उपलब्धियों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा संघ द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही आगामी योजनाओं एवं जिले में शतरंज के समग्र विकास के लिए प्रस्तावित कार्यक्रमों से भी उन्हें अवगत कराया।

संघ के पदाधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया कि जिला पदाधिकारी के मार्गदर्शन एवं सहयोग से किशनगंज में शतरंज खेल को नई दिशा एवं गति मिलेगी तथा प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा निखारने और उच्च स्तर पर प्रदर्शन करने के अधिक अवसर प्राप्त होंगे।

जिला पदाधिकारी नवीन कुमार ने प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए जिले में शतरंज के विकास हेतु जिला शतरंज संघ द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने भविष्य में शतरंज खेल के संवर्धन एवं खिलाड़ियों के हित में यथासंभव सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया।

प्रतिनिधिमंडल में जिला शतरंज संघ के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. राज करण दफ्तरी, उपाध्यक्ष मनीष कासलीवाल, दीप कुमार, डॉ. शेखर जालान, पदम जैन एवं सन्नी मजूमदार, महासचिव शंकर नारायण दत्ता, आयोजन सचिव कमल कर्मकार, सहायक सचिव रौनक कुमार सहित संघ के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे।

जनसंख्या स्थिरता की मजबूत नींव बनेगा परिवार नियोजन सेवा पखवाड़ा

स्वस्थ मां, सुरक्षित शिशु और खुशहाल परिवार के लक्ष्य के साथ 11 से 31 जुलाई तक चलेगा विशेष अभियान

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

30 जून। स्वस्थ मां, सुरक्षित शिशु और खुशहाल परिवार के उद्देश्य से जिले में 11 से 31 जुलाई तक परिवार नियोजन सेवा पखवाड़ा आयोजित किया जाएगा। इसके पूर्व 27 जून से 10 जुलाई तक दंपति संपर्क एवं सामुदायिक उत्प्रेरण पखवाड़ा के तहत आशा कार्यकर्ता एवं स्वास्थ्यकर्मी घर-घर जाकर योग्य दंपतियों को परिवार नियोजन के सुरक्षित एवं स्वैच्छिक साधनों की जानकारी दे रहे हैं। अभियान का उद्देश्य अधिक से अधिक योग्य दंपतियों तक गुणवत्तापूर्ण परिवार नियोजन सेवाएं पहुंचाना तथा जनसंख्या स्थिरता के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना है।

बढ़ती जनसंख्या का प्रभाव केवल जनसंख्या वृद्धि तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका सीधा संबंध मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, कुपोषण, सीमित संसाधनों पर बढ़ते दबाव, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता तथा परिवार की आर्थिक एवं सामाजिक स्थिरता से भी है। विशेषज्ञों का मानना है कि जब दंपति अपनी इच्छा और स्वास्थ्य के अनुरूप परिवार की योजना बनाते हैं तथा दो बच्चों के जन्म के बीच पर्याप्त अंतराल रखते हैं, तब मां और शिशु दोनों का स्वास्थ्य बेहतर रहता है। साथ ही परिवार का सामाजिक और आर्थिक विकास भी सुनिश्चित होता है। इसी कारण परिवार नियोजन को मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने तथा सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति का प्रभावी माध्यम माना जाता है।

जिला योजना समन्वयक विश्वजीत कुमार ने बताया कि राज्य स्वास्थ्य समिति के निदेर्शानुसार अभियान के सफल संचालन के लिए जिला पदाधिकारी की अध्यक्षता में विभिन्न विभागों के साथ समन्वय बैठकें आयोजित की जा रही हैं। प्रखंड स्तर पर भी प्रखंड विकास पदाधिकारी की अध्यक्षता में स्वास्थ्य, आईसीडीएस, पंचायती राज, जीविका तथा अन्य विभागों के साथ बैठकें कर आशा कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी सेविका, जीविका दीदी, विकास मित्र एवं अन्य सहयोगी संस्थाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है।

उन्होंने बताया कि सेवा पखवाड़ा के दौरान आशा कार्यकर्ता घर-घर जाकर योग्य दंपतियों से संपर्क करेंगी। उन्हें अस्थायी एवं स्थायी परिवार नियोजन साधनों, जन्मांतराल के लाभ, सुरक्षित मातृत्व तथा नवजात शिशु के बेहतर स्वास्थ्य से जुड़ी जानकारी दी जाएगी। इच्छुक लाभार्थियों को सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में उपलब्ध निःशुल्क सेवाओं का लाभ दिलाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। विशेष रूप से नवविवाहित दंपतियों एवं छोटे बच्चों वाले परिवारों को उचित परामर्श उपलब्ध कराया जाएगा।

जिला कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. मुनाजिम ने बताया कि अभियान के दौरान बैनर, पोस्टर, सोशल मीडिया, डिजिटल प्लेटफॉर्म, ई-रिक्शा प्रचार, प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जाएगा। इसके अलावा जनप्रतिनिधियों, पंचायत प्रतिनिधियों, स्वयंसेवी संस्थाओं एवं सिविल सोसायटी के सहयोग से गांव-गांव तक परिवार नियोजन का संदेश पहुंचाया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक योग्य दंपति स्वेच्छा से इस अभियान का लाभ उठा सकें।

जिला पदाधिकारी नवीन कुमार ने कहा कि जनसंख्या स्थिरता केवल स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज की साझा जिम्मेदारी है। स्वस्थ, शिक्षित और आत्मनिर्भर परिवार ही विकसित समाज और समृद्ध राष्ट्र की पहचान हैं। उन्होंने सभी योग्य दंपतियों से स्वैच्छिक रूप से परिवार नियोजन सेवाओं का लाभ उठाने की अपील करते हुए जनप्रतिनिधियों, पंचायत प्रतिनिधियों, जीविका समूहों, आंगनबाड़ी सेविकाओं, आशा कार्यकताओं तथा सामाजिक संगठनों से इस अभियान को जन-आंदोलन बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह किया।

सिविल सर्जन डॉ. राज कुमार चौधरी ने कहा कि परिवार नियोजन का उद्देश्य केवल जनसंख्या स्थिरता नहीं, बल्कि मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाना, एनीमिया एवं कुपोषण जैसी चुनौतियों को कम करना तथा प्रत्येक परिवार को बेहतर स्वास्थ्य और सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि जिले के सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा परिवार नियोजन की विभिन्न सेवाएं पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध हैं।

उन्होंने योग्य दंपतियों से अपील की कि वे अपनी निकटतम आशा कार्यकर्ता, आयुष्मान आरोग्य मंदिर, स्वास्थ्य उपकेंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अथवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क कर विशेषज्ञों से परामर्श लें और अपनी आवश्यकता के अनुसार सुरक्षित एवं स्वैच्छिक परिवार नियोजन साधनों को अपनाएं।

उन्होंने कहा, "छोटा परिवार, स्वस्थ परिवार और खुशहाल भविष्य ही जनसंख्या स्थिरता का सबसे प्रभावी सूत्र है। परिवार नियोजन अपनाकर प्रत्येक परिवार अपने बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य, शिक्षा और उज्ज्वल भविष्य के साथ-साथ विकसित बिहार और विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है।"

नबीनगर में समर कैंप का समापन, शिक्षा सेवकों ने किया ऑनलाइन डाटा एंट्री

समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

नबीनगर (बिहार)प्रखंड संसाधन केंद्र (बीआरसी) नबीनगर में मंगलवार को एक महीने से चल रहे समर कैंप का समापन उत्साहपूर्ण माहौल में किया गया। समापन के अवसर पर सभी शिक्षा सेवकों ने एंडलाइन प्रपत्र का ऑनलाइन डाटा इंट्री कार्य पूरा किया।समर कैंप के अंतिम दिन प्रखंड के सभी शिक्षा सेवक बीआरसी में एकत्रित हुए। सभी ने उत्साह के साथ जिला शिक्षा विभाग द्वारा उपलब्ध कराए गए लिंक के माध्यम से एंडलाइन प्रपत्र को ऑनलाइन भरा। इस कार्य में प्रखंड संसाधन सेवी (केआरपी) राजकुमारी ने तकनीकी सहयोग दिया।केआरपी राजकुमारी ने सभी शिक्षा सेवकों को इस कार्य के लिए धन्यवाद देते हुए बताया कि प्रखंड में एक महीने से समर कैंप चल रहा था जिसका आज विधिवत समापन हो गया। उन्होंने बताया कि जिला शिक्षा विभाग के निर्देश पर भाषा और गणित विषय में कक्षा 4,5एवं 6 के कमजोर बच्चों के लिए समर कैंप शिक्षा सेवक/ तालीमी मरकज स्वयंसेवक द्वारा चलाई गई ।गौरतलब है कि गर्मी की छुट्टी में एक महीने तक चले इस समर कैंप में कक्षा 4, 5 और 6 के कमजोर बच्चों की भाषा और गणित विषय की दक्षता की जांच की गई। साथ ही विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को इन विषयों में दक्ष बनाने का प्रयास किया गया। पूरा कैंप उत्साह और सकारात्मक वातावरण में संपन्न हुआ। मौके पर जिला से आईं प्रथम संस्था की कम्युनिटी मोबीलाइजर डोली कुमारी भी मौजूद रहीं। उन्होंने सभी शिक्षा सेवकों को केंद्र का सफलतापूर्वक संचालन करने के लिए धन्यवाद दिया। साथ ही एंडलाइन प्रपत्र को ऑनलाइन लिंक के माध्यम से भरने में शिक्षा सेवकों का मार्गदर्शन और आवश्यक सहयोग किया।शिक्षा सेवकों ने बताया कि समर कैंप के दौरान बच्चों में पढ़ाई के प्रति रुचि बढ़ी है और उनकी बुनियादी दक्षताओं में सुधार हुआ है।

पौथू थाना पुलिस की कार्रवाई: अलग-अलग मामलों में दो वारंटी गिरफ्तार

समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

पौथू (औरंगाबाद) औरंगाबाद जिले के पौथू थाना पुलिस ने न्यायालय से जारी वारंट के दो फरार आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता पाई है। दोनों आरोपियों को उनके गांव से पकड़ा गया। फरार चल रहे वारंटी अभियुक्त रामाशीष ठाकुर, पिता स्व0 महाराज ठाकुर, ग्राम बेरी, थाना पौथू को पुलिस

ने उसके घर ग्राम बेरी से गिरफ्तार किया। आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा था।वहीं दूसरे मामले में दीपक कुमार, पिता बसंत साव, ग्राम+थाना पौथू को उसके घर से गिरफ्तार किया गया। यह मामला दहेज प्रताड़ना से जुड़ा है।पौथू थानाध्यक्ष संजय कुमार ने बताया कि दोनों वारंटियों के घर पर होने की गुप्त सूचना मिली थी। सूचना के सत्यापन के बाद अलग-अलग टीम बनाकर छापेमारी की गई और दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि दोनों गिरफ्तार वारंटियों के खिलाफ अग्रिम विधि सम्मत कार्रवाई की जा रही है। कागजी प्रक्रिया पूरी कर दोनों को न्यायालय में उपस्थापन के लिए भेजा जाएगा। पुलिस ने कहा कि फरार वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा।

अलग अलग मामले मे तीन वारंटी समेत चार आरोपी गिरफ्तार

समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

नबीनगर (बिहार) नबीनगर प्रखंड के माली थाना पुलिस और नरारी कला खुर्द थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अलग-अलग मामलों में फरार चल रहे चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में तीन अजमानतीय वारंटी और एक अप्राथमिकी अभियुक्त शामिल है।मामले में माली थाना पुलिस ने अजमानतीय वारंटी श्रवण मेहता, पिता पारसनाथ मेहता, निवासी अमरपुरा को उसके घर से गिरफ्तार किया। इसके साथ ही माली थाना कांड संख्या-108/23 के अप्राथमिकी अभियुक्त जीतू कुमार, पिता शंकर राम, निवासी गम्हरिया को भी पुलिस ने धर दबोचा। इसी

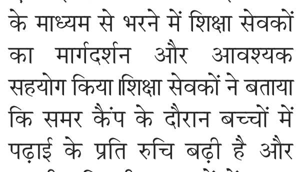

क्रम में पुलिस ने एक अन्य अजमानतीय वारंटी रामेश्वर यादव, पिता कैलाश यादव, निवासी सोनौरी, थाना माली को भी विधिवत गिरफ्तार किया। आरोपी लंबे समय से न्यायालय में हाजिर नहीं हो रहा था।थानाध्यक्ष दीपक कुमार राय ने बताया कि न्यायालय से निर्गत वारंट के आलोक में फरार वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। गिरफ्तार तीनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। दूसरी ओर नरारी कला खुर्द थाना पुलिस ने नरारी कला खुर्द गांव निवासी एनवी डब्ल्यू वारंटी सूनील सिंह उर्फ अनार को ए एस आई संतोष कुमार द्वारा गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।